हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

एक लाख के बदले 5.5 लाख रुपए तक तक वसूले, तीन कालेजों में 1800 मेडिकल स्टूडेंट

प्राइवेट मेडिकल कालेजों ने छात्रों से चार साल में वसूले 3 अरब 60 करोड़

एमबीबीएस की पढ़ाई की आड़ में प्रदेश के तीन निजी मेडिकल कॉलेजों ने जमकर लूट-खसोट मचाई है। ''नो प्रॉफ़िट नो लॉस'' के रूप में जिस ट्रांसपोर्ट, हॉस्टल एवं मेस का संचालन किया जाना था उसके लिए प्रत्येक छात्र से मनमानी राशि वसूली गई है। जिसका खर्च सालाना 1 लाख से कम में पूरा हो जाता, उसके लिए साढ़े 5 लाख रुपए तक शुल्क लिया गया। तीनों कॉलेजों में सालाना 90 करोड़ की अवैध वसूली चलती रही, जो पिछले चार सालों में कुल मिलाकर 360 करोड़ तक पहुंच गई।

विकास शर्मा ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

वरिष्ठ सीए एवं फीस विनियामक समिति के सदस्य योगेश वल्यानी ने बताया कि शिकायत की जांच की गई तो निजी मेडिकल कॉलेजों द्वारा मनमानी वसूली का मामला सामने आया। कालेज में ''नो प्रॉफिट नो लॉस'' के आधार पर ट्रांसपोर्टिंग, हॉस्टल और मेस का संचालन कर सकते थे, मगर उनके द्वारा ▶▶|शेष पेज 6 पर

बस, हॉस्टल और मेस के लिए वसूला ज्यादा पैसा, तीन प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों पर दस-दस लाख का जुर्माना

25.20 करोड़ अतिरिक्त देने होंगे

फीस विनियामक समिति ने तीनों कॉलेजों को निर्देशित किया है कि छात्रों से वसूली गई अतिरिक्त राशि उन्हें 7 फीसदी ब्याज के साथ वापस की जाए। ▶▶|शेष पेज 6 पर

शिकायत सेल नैतिक जिम्मेदारी निभाए

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने कहा कि छत्तीसगढ़ फीस नियामक आयोग के निजी मेडिकल कॉलेज ▶▶|शेष पेज 6 पर

एनआरआई से ज्यादा फीस

इस बात की आशंका भी जताई गई है कि जिन छात्रों को एनआरआई कोटे से एमबीबीएस की सीटों पर एडमिशन दिया गया है, उनसे वसूली की राशि और ज्यादा हो सकती है।

▶▶|शेष पेज 6 पर

ऐसे समझें मनमानी वसूली का गणित

- ट्रांसपोर्टिंग, हॉस्टल, मेस का शुल्क लगभग 6 लाख, खर्च लाखभर नहीं, यानी 5 लाख एक्सट्रा
- एक कॉलेज में 6 सौ चिकित्सा छात्र, 5 लाख अतिरिक्त यानी 30 करोड़ सालाना की वसूली
- 3 कॉलेजों में हर साल 90 करोड़ का मनमानी फीस यानी 4 साल में 360 करोड़ का घपला

360 करोड़ की वसूली

शिकायत के आधार पर फीस का आडिट किया गया। जांच में पाया गया है कि कालेजों ने बहुत ज्यादा फीस ली है। ट्रांसपोर्ट और हॉस्टल के नाम पर पांच गुना तक जैसे लिए गए। कालेजों में औसतन 600 स्टूडेंट हैं। तीन कालेजों में करीब 1800। बीते चार साल में यह वसूली तीन अरब से ज्यादा होती है। आयोग ने छात्रों को पैसे लौटाने का आदेश दिया है।

- योगेश वल्यानी
सदस्य
फीस विनियामक आयोग

खबर संक्षेप

पीएम वर्टिकल लिफ्ट समुद्री पुल का करेंगे उद्घाटन

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छह अप्रैल को रामेश्वरम में भारत के

पहले वर्टिकल लिफ्ट समुद्री पुल का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कई अन्य परियोजनाओं को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। आधिकारिक कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर भारतीय रेलवे ने नये पंबन पुल का एक प्रचार वीडियो जारी किया।

झोपड़ी को ट्रेलर ने कुचला सो रहे तीन बच्चों की मौत

गाजीपुर। यूपी के गाजीपुर जिले के गहमर थाना क्षेत्र के मां

कामाख्या धाम मंदिर के सामने सड़क किनारे एक झोपड़ी को ट्रेलर ट्रक ने कुचल दिया। झोपड़ी में लाल जी डोम की पत्नी संतरा देवी, पुत्रियां सपना कुमारी (9), कबूतरी(7) तथा ज्वाला (4) सो रहे थे। इससे वहां सो रहे तीन बच्चों की मौत हो गई।

मवेशियों को पानी पिलाने गए तीन बच्चे डूबे

जयपुर। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में मवेशियों को पानी पिलाने

गए तीन बच्चे तालाब में डूब गए। इनमें दो बहनें व उनका रिश्ते का भाई शामिल है। घटना इसके अनुसार यह हादसा सल्लोपाट थाना इलाके के खूंटा गलिया गांव में शुक्रवार को हुई।

बस्तर पंडुम के कार्यक्रम में शामिल हुए अमित शाह, विष्णुदेव सरकार के प्रयास को शाह ने सराहा

शाह की दो टूक, सरेंडर करो नहीं तो सुरक्षा बल मोर्चा संभालेंगे, अगली चैत्र नवरात्रि तक 'आतंक' समाप्त

नन्हीं अक्षिता को मिला शाह का स्नेह

बस्तर पंडुम-2025 के संभागीय आयोजन में दंतेवाड़ा जिला के गामावाड़ा यायो दंतेश्वरी समूह ने जनजातीय वेशभूषा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिस बच्ची को शाह ने अपने हाथों से पकड़ा है उसका नाम अक्षिता भास्कर उम्र 6वर्ष है। वह दल प्रमुख ▶▶|शेष पेज 6 पर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीधे नक्सलवाद पर प्रहार करते कहा कि आज मैं मां दंतेश्वरी से आशीर्वाद लेने आया हूं। अगले चैत्र नवरात्रि तक यहां से लाल आतंक समाप्त हो जाए और हमारा बस्तर खुशहाल हो जाए। कोई भी नक्सली मारा जाता है तो किसी को आनंद नहीं होता है, लेकिन इस क्षेत्र को विकास चाहिए। उन्होंने नक्सलियों से मुख्य धारा में जुड़ने का आह्वान किया और कहा कि आप हमारे अपने हैं। मेन स्ट्रीम में लौट आए तो ठीक, नहीं तो सुरक्षा बल मोर्चा संभालेंगे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

खास खबर

बस्तर पंडुम के संभागीय कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा कि पचास साल में जो विकास नहीं हुआ, वह हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन पांच साल में इस बस्तर को सब कुछ देना चाहते हैं, लेकिन यह तभी हो सकता है, जब बस्तर के अंदर शांति हो, बच्चे स्कूल जाएं, माताओं की स्वास्थ्य की चिंता हो, आदिवासी युवा कुपोषण से पीड़ित न हो, पढ़ाई-लिखाई से वंचित न हो, तहसील में छोटा सा अस्पताल हो, जिला केंद्र में हर रोग का इलाज हो और हर घर तक सात किलो चावल मुफ्त में पहुंचे। शाह ने कहा कि किसी से डरने की जरूरत नहीं है। आपकी पूरी सुरक्षा भाजपा की डबल इंजन की सरकार करेगी। मोदी जी के राज में किसी को डरने की ▶▶|शेष पेज 6 पर

86 नक्सलियों ने छोड़ा हिंसा का रास्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/कोंटा

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के एक दिवसीय बस्तर प्रवास का असर पड़ोसी राज्य तेलगांना में दिखाई दिया। बीजापुर जिले के पामेड़, उसूर व पुजारी कांकेर इलाके में सक्रिय 66 पुरुष और 20 महिला माओवादियों ने तेलगांना स्टेट के भद्राद्री कोठागुडेम में आईजी के समक्ष हिंसा छोड़ते हुए मुख्यधारा में शामिल हो गए। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बस्तर दौरे के बीच नक्सल मोर्चे पर बड़ी सफलता मिली है।

बीजापुर जिले में सक्रिय सेण्ट्रल कमेटी मेंबर के प्रोटेक्शन कमाण्डर 5 लाख के ईनामी मुचाकी सोमदल उर्फ नरेश समेत 86 नक्सलियों ने तेलंगाना स्टेट के भद्राद्री कोठागुडेम जिले में ▶▶|शेष पेज 6 पर

केंद्रीय गृहमंत्री ने राजधानी में ली बैठक

डबल इंजन की सरकार नक्सलवाद के समूल नाश में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही : शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में वामपंथी उग्रवाद की स्थिति पर विभागीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार नक्सलवाद के समूल नाश में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही है। उन्होंने कहा कि 31 मार्च से पहले ही छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में नक्सलवाद एक इतिहास बन जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नक्सलवाद के कारण कई पीढ़ियां बर्बाद हो गई हैं। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद फिर से जड़ न जमा पाए इसलिए इसका समूल नाश आवश्यक है। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि नक्सलियों के खिलाफ जारी लड़ाई को scattered नहीं होने देना है। उन्होंने कहा कि एक राज्य से दूसरे राज्य में भाग रहे नक्सलियों को पकड़ने के ▶▶|शेष पेज 6 पर

आरटीआई ने जानकारी नहीं देने वाले 2493 अफसरों पर चार करोड़ का जुर्माना, वसूली केवल 42 लाख

हरिभूमि न्यूज:मनेन्द्रगढ़

राज्य सूचना आयोग ने 1 जनवरी 2020 से 21 फरवरी 2025 तक सूचना के अधिकार के तहत जानकारी नहीं देने वाले 2493 जन सूचना अधिकारियों पर 4 करोड़ से अधिक का जुर्माना किया है। इनमें से मात्र 286 अधिकारियों से 42 लाख की वसूली हो पाई है बाकी 2207 अधिकारियों से 5 वर्षों में 4.39 करोड़ रुपए की वसूली नहीं हो पाई है।

जानकारी के अनुसार मनेंद्रगढ़ निवासी आरटीआई कार्यकर्ता अशोक श्रीवास्तव ने सूचना के अधिकार के तहत राज्य सूचना ▶▶|शेष पेज 6 पर

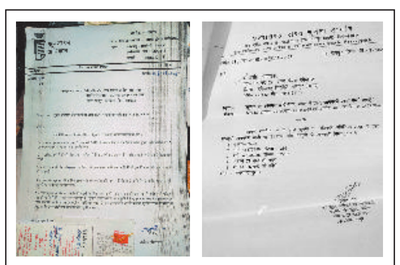

प्रशासन की विफलता

जिस कानून को भ्रष्टाचार के खिलाफ हथियार माना जाता है, उसे खुद अधिकारी मज़ाक बना रहे हैं। और सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि राज्य सूचना आयोग के आदेश की भी खुलेआम अवहेलना की जा रही है। इस मामले में सरकार की जवाबदेही सीधे-सीधे बनती है। जुर्माने की वसूली का आदेश राज्य सूचना आयोग ने पारित किया था और उसे लागू ▶▶|शेष पेज 6 पर

जिम्मेदार अफसरों ने नहीं ली जिम्मेदारी

राज्य सूचना आयोग ने बार-बार पत्र लिखकर जिम्मेदार वरिष्ठ अधिकारियों, विभाग प्रमुखों, और यहां तक कि सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव तक को इस संबंध में सूचित किया, लेकिन यह पत्र सिर्फ सरकारी फाइलों में धूल खाते रहा। जिन अफसरों पर वसूली की जिम्मेदारी थी, उन्होंने अपनी जवाबदेही से या तो मुंह मोड़ लिया या फिर जानबूझकर टालमटोल करते रहे। सूचना का अधिकार अधिनियम केवल जानकारी मांगने का नहीं, बल्कि "जवाबदेही तय करने" का कानून है। जब ▶▶|शेष पेज 6 पर

उठने लगे सवाल

- क्या सरकार जानबूझकर इन वसूली मामलों को टाल रही है?
- क्या राज्य सूचना आयोग के आदेश का कोई मतलब नहीं?
- क्या अफसरशाही इस कानून को अपनी मर्जी से चलाना चाहती है?

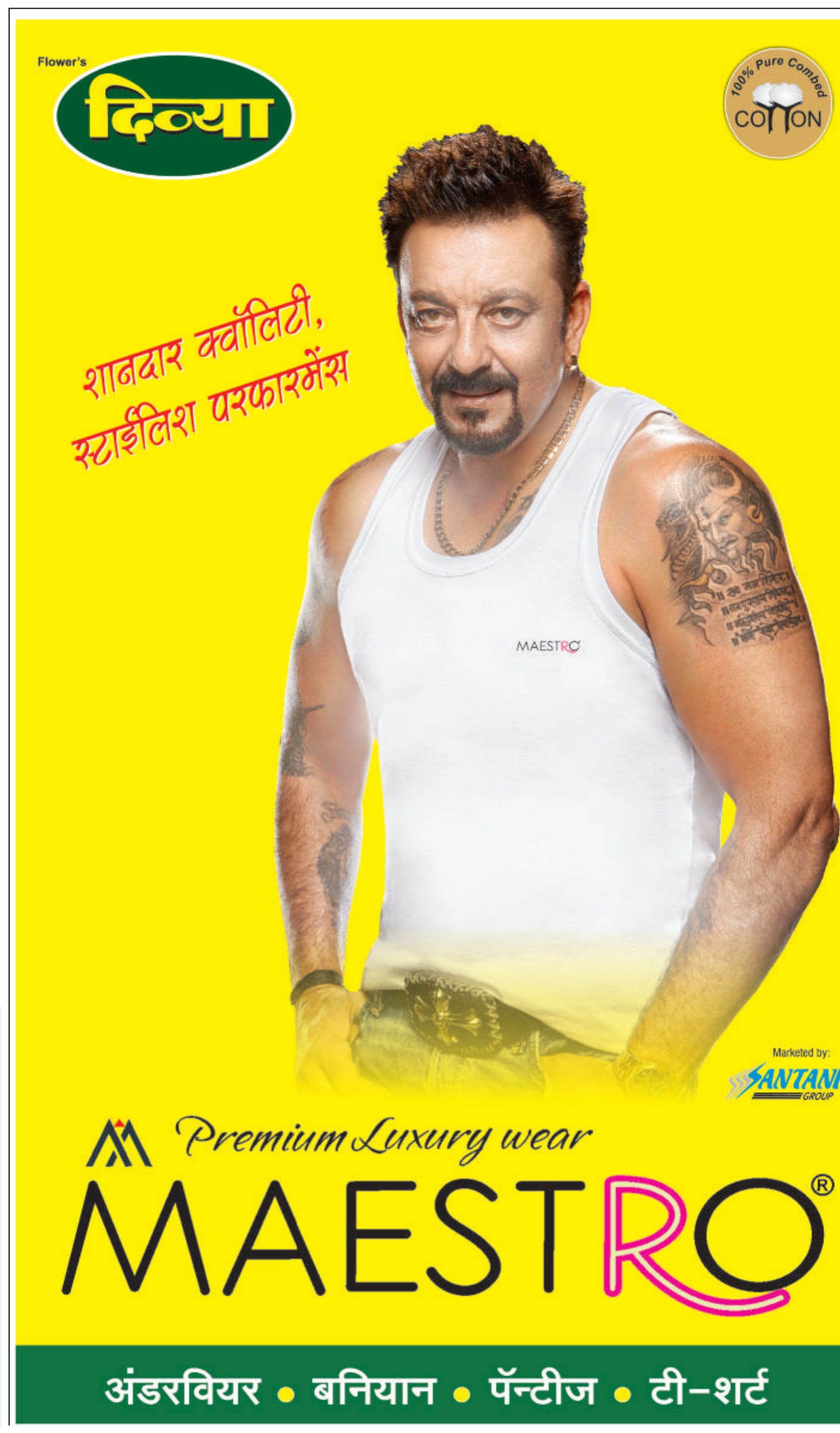

राज्य गठन के बाद खनिज राजस्व 30 गुना बढ़ा, इस वर्ष 11 फीसदी

देश में छत्तीसगढ़ की भागीदारी 16 फीसदी

खनिज प्रबंधन में ई-नीलामी और डिजिटल निगरानी का असर, रिकार्ड राजस्व मिला, दंतेवाड़ा रहा टॉप पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि खास

ई-नीलामी, डिजिटल निगरानी और प्रशासनिक दक्षता से किए गए खनिज प्रबंधन में पारदर्शिता का नया दौर प्रारंभ हुआ है। उसी का नतीजा है कि खनिज राजस्व प्राप्ति में नया कीर्तिमान बना। प्रदेश को 14 हजार 195 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं। यह बीते वित्तीय वर्ष की तुलना में 1400

करोड़ रुपए अधिक हैं। अब तक 44 खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी की जा चुकी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने खनिज नीलामी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने का निर्देश दिया था जिसे खनिज विभाग सचिव पी दयानंद ने अमलीजामा पहनाया। उल्लेखनीय है ▶▶|शेष पेज 6 पर

सीएम के दिशा-निर्देश का नतीजा

मुख्यमंत्री एवं विभागीय मंत्री के तौर विष्णु देव साय ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि खनिज क्षेत्र में भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी कार्य संस्कृति विकसित की जाए। इसी दिशा-निर्देश के अनुसार कार्य करने का ही नतीजा है कि खनिज राजस्व में रिकार्ड वृद्धि दर्ज हुई है।

-पी. दयानंद, मुख्यमंत्री के सचिव

देश में छत्तीसगढ़ की भागीदारी 16 फीसदी

देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की मात्र 4 प्रतिशत की हिस्सेदारी होते हुए भी छत्तीसगढ़ का देश के कुल खनिज उत्पादन मूल्य में 16 प्रतिशत से अधिक की भागीदारी है। यहां मुख्य रूप से लौह अयस्क, कोयला, चूना पत्थर और बाक्साइट के विशाल भंडार हैं, जो खनिज राजस्व के प्रमुख स्रोत हैं। अब तक 44 खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी की जा चुकी है, जिसमें अब तक चूना पत्थर के 14, लौह अयस्क के 9, बॉक्साइट के 11, स्वर्ण के 3, ▶▶|शेष पेज 6 पर

लिथियम नीलामी में छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक उपलब्धि

छत्तीसगढ़ ने देश में पहली बार लिथियम ब्लॉक की सफल नीलामी कर इतिहास रच दिया है। कोरबा जिले के कटघोरा लिथियम ब्लॉक की नीलामी में मेसर्स साउथ मायकी माइनिंग कंपनी द्वारा 76 प्रतिशत प्रीमियम राशि की बोली लगाकर इसे हासिल किया गया। इस उपलब्धि ने छत्तीसगढ़ को लिथियम ब्लॉक का सफलता पूर्वक निलामी करने वाला देश का पहला राज्य बना दिया है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

पूजा-अर्चना

मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चन, खुशहाली की कामना

दंतेवाड़ा। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चैत्र नवरात्रि के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के साथ बस्तर अंचल की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश एवं प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक किरण देव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

पिकअप पलटी, 20 घायल 3 की हालत गंभीर

नकुलनार। दंतेवाड़ा में बस्तर पंडुम के समापन समारोह में शामिल होने जा रहे ग्रामीणों की वाहन दुर्घटना का शिकार हो गई। बताया जा रहा है कि वे दंतेवाड़ा में बस्तर पंडुम के समापन में गृहमंत्री अमित शाह की सभा को सुनने कुआकोंडा थानाक्षेत्र के पोटाली और समेली गांव के ग्रामीण पिकअप में बैठकर दंतेवाड़ा जा रहे थे। पिकअप ड्राइवर की लापरवाही के चलते पालनार चौक में वाहन बीच सड़क में अनियंत्रित होकर पलट गई। जिस वक्त यह हादसा हुआ, वाहन में महिला, पुरुष और बच्चे मिलाकर लगभग 20 लोग सवार थे। हादसे की चपेट में आने से सभी लोग घायल हो गए। घायलों में 3 ग्रामीणों की हालत गंभीर है, जिनका इलाज दंतेवाड़ा जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज डिमरापाल हो रहा है।

किसान ने लगाया आरोप, अवैध कब्जा का विरोध करने पर राइस मिलर्स और साथियों ने जमकर पीटा

विवाद के बाद राइस मिल की जमीन नापने पहुंचे रेवेन्यू अफसर, गांव में तनाव का माहौल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बलौदा बाजार/ हथबंद

बलौदा बाजार के ग्राम खिलौरा में मौजूद एक राइस मिल की जमीन मापने के लिए राजस्व विभाग की टीम पहुंची। बताया जा रहा है कि दो दिन पहले एक किसान ने शासकीय भूमि पर राइस मिल का कब्जा किए जाने के बात कही थी, जिसके बाद यहां विवाद और मारपीट की स्थिति निर्मित हो गई।

ग्राम खिलोरा में निर्माणाधीन राइस मिल संचालक व उसके कर्मचारियों द्वारा एक व्यक्ति की पिटाई किए जाने संबंधी घटना को लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित सूचना को प्रशासन द्वारा गंभीरता से लिया गया है। जिसके आधार पर शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर राइस मिल का निर्माण कराए जाने की जांच कराई जा रही है। इस बारे में सिमगा के अनुविभगीय अधिकारी राजस्व अंशुल वर्मा द्वारा बताया गया है कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर राइस मिल संचालक के द्वारा निर्माण कार्य करने की जांच के लिए तहसीलदार अनिरुद्ध मिश्रा के नेतृत्व में राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी को शामिल कर एक टीम गठित की गई है, जो शनिवार दोपहर करीब 3:00 बजे मौका स्थल पर पहुंचकर जांच कर रही है।

मामले की शिकायत

पुलिस जाने के बाद परिवार के लोगों ने पीड़ित को तिल्दा मिशन अस्पताल में भर्ती कर इलाज करवा कर अपने घर लौटे। इसके साथ ही थाना हथबंद को लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। वहीं पीड़ित परिवार से चोरी के इल्जाम पर पूछे जाने पर कहा कि रौनक अग्रवाल राइस मिल जहां बन रही है, उसमें शासकीय जमीन को कब्जा करने की बात को ग्राम वाले के सामने रखकर विरोध किया, जिसकी वजह से मारपीट हुई है।

चोरी का आरोप झूठा है

प्रार्थी पर लगाए चोरी का आरोप झूठा है। आरोपी जल्द ही पकड़े जाएंगे, उचित कार्रवाई कर पीड़ित को न्याय मिलेगा। आरोपी अभी फरार है।

- हरिप सोना, सहायक उप निरीक्षक, हथबंद थाना

ऐसा हुआ विवाद

विकासखंड सिमगा अंतर्गत ग्राम पंचायत खिलोरा में बीते दिनों सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि 55 वर्षीय बुजुर्ग खोरबाहरा जायसवाल को चोरी के इल्जाम में तीन से चार व्यक्तियों ने अमानवीय तरीके से लात घुसे, चप्पल एवं डंडा से मारपीट की। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वीडियो में फोन के माध्यम से रौनक अग्रवाल ने खुद ही हथबंद पुलिस को झूठी, जानकारी चोरी के साथ गुमराह करते हुए संबंधित हथबंद थाना को जानकारी दी। जहां हथबंद पुलिस तत्परता के साथ जानकारी लेने घटना स्थल पहुंची, किंतु चोरी करने घुसे खोरबाहरा जायसवाल को बिना कुछ पूछताछ किए वापस चले गए।

मुर्गे की बलि, कटे नीबू छोड़कर युवक हुए फरार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिलाई

मकान के बाहर देर रात अज्ञात बदमाशों ने मुर्गे की बलि देकर फेंकने का मामला सामने आया है। इसके अलावा कटे नींबू में सुई चुभोकर, सफेद कपड़े पर सिंदूर और काली चूड़ियां फेंककर जाते दो युवक सीसी कैमरे में कैद हो गए है। जानकारी के मुताबिक कैंप-1 सुंदर नगर निवासी एस नरेश के यहां 5 अप्रैल को घर के बहार तंत्र-मंत्र करना बताया जा रहा है। सुबह 4 बजे जब एस. नरेश ने अपने कमरे से बाहर निकलने को लेकर दरवाजा खोला तो सामने मुर्गे की बलि के साथ-साथ कटे नीबू पड़े हुए थे। जिसे देखकर परिवार सहम गया है। इस घटना को देखने के बाद घर का दरवाजा बंद कर लिया। साथ ही पूरा परिवार दहशत में आ गया। नरेश ने पत्नी रामलुमा को बाहर जाने से मना किया। बेटा एस बाला राजू को घटना की फोन कर जानकारी दी।

मकान में लगाई आग

छावनी पुलिस ने बताया कि सुंदर नगर केम्प 1 निवासी नंद कुमार यादव ने थाने में शिकायत की है कि शुक्रवार की रात 2 बजे अज्ञात युवकों द्वारा घर में आग लगाकर फरार हो गए। मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 326 (जी) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है।

जांच में जुटी पुलिस

मकान में आगजनी की घटना की शिकायत मिली थी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सीसी कैमरों को भी खंगाला जा रहा है। उसमें जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

चेतन चंद्राकर, प्रभारी, छावनी थाना

बिलासपुर
रविवार 6 अप्रैल 2025
चैत्र शुक्ल पक्ष नवमी
वर्ष : 25, अंक : 15
पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 40.0
न्यून. 24.0

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

गौरव शर्मा ▶▶| रायपुर

भारतमाला में गड़बड़ी की हरिभूमि को मिली रिपोर्ट, जानिए कैसे हुआ अधिसूचना के बाद भी नामांतरण, रजिस्ट्री का खेल

अलग खबर

भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत रायपुर विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरीडोर में गड़बड़ी की विस्तृत रिपोर्ट हरिभूमि को मिली है। राज्य सरकार द्वारा लगभग 500 पन्नों में तैयार की गई रिपोर्ट और जांच प्रतिवेदनों में इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि जनवरी 2020 में अधिसूचना प्रकाशन के बाद भी नाम ट्रांसफर और रजिस्ट्री का खेल चला। पहले तो अफसरों ने प्रोजेक्ट की जद में आने वाली जमीनों की जानकारी भूमाफियाओं तक पहुंचाई। फिर बैक डेट में नामांतरण और रजिस्ट्री का खेल चला।

रिपोर्ट के अनुसार अभनपुर के जिन 6 गांवों में मुआवजा भुगतान में गड़बड़ी की गई, वहां खसरे में दर्ज भूमि का उपयोग परिवर्तित किए जाने की विस्तृत जानकारी रिपोर्ट में है। रिपोर्ट के अध्ययन से यह भी पता चलता है किस तरह भूमाफियाओं ने खसरों के टुकड़े कर करोड़ों रुपए के मुआवजा का खेल कर दिया। सिर्फ अभनपुर में ही 7 करोड़ 65 लाख 30 हजार 692 रुपए के स्थान पर 49 करोड़ 39 लाख 40 हजार 464 रुपए का मुआवजा वितरित कर दिया गया। इस संबंध में जांच प्रतिवेदन राज्य सरकार को ▶▶|शेष पेज 6 पर

500 पन्नों की रिपोर्ट में एक-एक खसरे के टूटने की जानकारी

एसडीएम-पटवारी ने मिलीभगत कर दस्तावेज में किया हेरफेर, शासन को लगाया चूना
भारतमाला...बड़ा घोटाला, विस में गूंजा
एसडीएम के बाद अब तहसीलदार सस्पेंड

- सर्वे शुरु होते ही भूमाफियाओं ने अफसरों के साथ रची साजिश
- बैक डेट में हुए नामांतरण, रजिस्ट्री से मुआवजे में लगाया चूना

जिन पर थी जिम्मेदारी वही बने जयचंद

हरिभूमि को मिले रिपोर्ट से पता चलता है मुआवजा घोटाला में तत्कालीन भू अर्जन अधिकारी से लेकर अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, पटवारी की भी संलिप्तता रही। खास बात यह है कि जिन अफसरों पर भू अर्जन की जिम्मेदारी थी, वही जमीनों की डिटेल भूमाफियाओं तक पहुंचाने में मददगार बने। इस मामले में कुछ अफसरों को निलंबित कर दिया गया है। जबकि कई अफसरों पर जांच की आंच तेज हो गई है।

हर खसरे की डिटेल रिपोर्ट

हरिभूमि को मिली 500 पन्नों की रिपोर्ट में 6 गांवों में 246 करोड़ के मुआवजा राशि के तमाम खातेदारों की विस्तृत जानकारी है। इस बात का भी उल्लेख है कि किस तरह एक खसरे के 8 से 10 टुकड़े कर मुआवजा राशि को 5 से 8 गुणा तक बढ़ा दिया गया। इस तरह शासन को अरबों का चूना लगाया गया। एक खसरे को कई टुकड़ों में बांटने का सबसे ज्यादा खेल नायकबांधा में हुआ। यहां 13 मूल खातेदारों के खसरे के 54 टुकड़े कर करोड़ों का मुआवजा हासिल किया गया।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

चारधाम यात्रा मार्ग पर होंगे 6000 जवान

देहरादून। उत्तराखंड के चार प्रसिद्ध हिमालयी मंदिरों की वार्षिक तीर्थयात्रा के बेहतर प्रबंधन के लिए चारधाम यात्रा मार्ग को 15 सुपर जोन, 41 जोन और 137 सेक्टर में बांटा गया है। गढ़वाल के आईजी राजीव स्वरूप ने कहा कि सुरक्षा और परिवहन व्यवस्था की निगरानी के लिए मार्ग पर 6,000 जवान तैनात किए जाएंगे।

1500 किग्रा चूरा पोस्त बरामद, चार गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब के बरनाला से 1,500 किलोग्राम चूरा पोस्त बरामद कर चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पंजाब पुलिस प्रमुख गौरव यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बरनाला पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 1,500 किग्रा चूरा पोस्त बरामद किया।

खड़े ट्रक से टकराई मिनी बस, पांच की मौत

कलबुर्गी। कर्नाटक में कलबुर्गी जिले के जेवर्गी तालुक में नेलोगी क्रॉस के पास मिनी बस के खड़े ट्रक से कथित तौर पर टकरा जाने से 13 वर्षीय एक किशोरी समेत पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे में कई अन्य घायल हो गए। सभी यात्री बगलकोट के रहने वाले थे। वे कलबुर्गी जिले में एक दरगाह जा रहे थे।

कनाडा में भारतीय की चाकू घोंपकर हत्या

ओटावा। कनाडा के ओटावा शहर के निकट एक भारतीय नागरिक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। कनाडा में भारतीय उच्चायोग ने यह जानकारी दी। उच्चायोग ने कहा ओटावा के निकट रॉकलैंड में चाकू घोंपकर एक भारतीय नागरिक की हत्या किए जाने की घटना से हम बहुत दुखी हैं।

हावड़ा स्टेशन से पकड़ा गया हथियारों का तस्कर

कोलकाता। कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने हावड़ा रेलवे स्टेशन से एक हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया। वह पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले का रहने वाला है और चेन्नई भागने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने उसके पास से एक देसी पिस्टल, एक मैगजीन और 10 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

लोकसभा-राज्यसभा के बाद राष्ट्रपति की मुहर, कई शहरों में जश्न

वक्फ बिल को राष्ट्रपति की मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वक्फ (संशोधन) बिल-2025 को शनिवार को अपनी मंजूरी दे दी जिसे इसी सप्ताह संसद ने पारित किया था। मुर्मू ने मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक-2025 को भी अपनी मंजूरी दे दी। सरकार ने एक अधिसूचना में कहा, संसद के निम्नलिखित अधिनियम को पांच अप्रैल, 2025 को राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त हुई, तथा इसे सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है : वक्फ (संशोधन) अधिनियम-2025। संसद ने शुक्रवार तड़के इस विधेयक को मंजूरी दे दी, जब 13 घंटे से अधिक समय तक चली बहस के बाद राज्यसभा ने इस विवादास्पद विधेयक को मंजूरी दे दी। चर्चा में विपक्षी दलों की ओर से कड़ी आपत्तियां व्यक्त की गईं, जिन्होंने विधेयक को 'मुस्लिम विरोधी' और 'असंवैधानिक' करार दिया, जबकि सरकार ने जवाब दिया कि इस 'ऐतिहासिक सुधार' से अल्पसंख्यक समुदाय को लाभ होगा। राज्यसभा ने वक्फ बोर्ड में पारदर्शिता बढ़ाने सहित कई महत्वपूर्ण प्रावधानों वाले वक्फ संशोधन विधेयक, 2025 को लंबी चर्चा के बाद 95 के मुकाबले 128 मतों से मंजूरी दे दी थी। इस विधेयक के बारे में सरकार ने दावा किया कि इसके कारण देश के गरीब एवं पसमांदा मुसलमानों एवं इस समुदाय की महिलाओं की स्थिति में सुधार लाने में काफी मदद मिलेगी। इसे बृहस्पतिवार को लोकसभा में पारित कर दिया गया, जिसमें 288 सदस्यों ने इसका समर्थन किया तथा 232 सदस्यों ने इसका विरोध किया। संसद ने मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक को भी मंजूरी दे दी है, जिसे राज्यसभा ने भी मंजूरी दे दी है।

- सुप्रीम कोर्ट में अब तक चार याचिकाएं दायर की गईं
- देश के कई शहरों में खुशी, कुछ जगहों पर विरोध प्रदर्शन

वक्फ (संशोधन) बिल-2025 पर राष्ट्रपति ने मंजूरी दे दी। इसके साथ ही नया वक्फ कानून अस्तित्व में आ गया। इधर, वक्फ संशोधन बिल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का सिलसिला शुरू हो गया है। एआईएमआईएम और कांग्रेस के बाद अब आम आदमी पार्टी एवं राष्ट्रीय जनता दल ने भी वक्फ संशोधन बिल के विरोध में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। इसके अलावा एक एनजीओ ने भी याचिका दायर की है।

वक्फ बोर्ड के खिलाफ अब तक चार अर्जी

- कांग्रेस नेता मोहम्मद जावेद
- एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी
- आप विधायक अमानतुल्लाह खान
- एसोसिएशन फॉर द प्रोटैक्शन ऑफ सिविल राइट्स

दोनों सदनों की मिल गई थी मंजूरी

राज्यसभा में 128 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में जबकि 95 ने विरोध में मतदान किया, जिसके बाद इसे पारित कर दिया गया। लोकसभा ने तीन अप्रैल को विधेयक को मंजूरी दे दी थी। लोकसभा में 288 सदस्यों ने विधेयक का समर्थन, जबकि 232 ने विरोध किया।

सुप्रीम कोर्ट की शरण में आप

आप विधायक अमानतुल्लाह खान ने वक्फ (संशोधन) बिल, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। खान ने अपनी याचिका में अनुरोध किया कि वक्फ (संशोधन) विधेयक को असंवैधानिक और संविधान के अनुच्छेद का उल्लंघन करने वाला घोषित किया जाए और इसे रद्द करने का निर्देश दिया जाए। खान ने अपनी याचिका में कहा, यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद के तहत प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है।

एनजीओ ने भी दी चुनौती

एनजीओ एसोसिएशन फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स' ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 की संवैधानिकता को चुनौती दी गई है। अदील अहमद के जरिए अपनी याचिका में इसने कहा, यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 14, 25, 26 और 300ए का सीधे तौर पर उल्लंघन करता है, साथ ही प्रस्तावना के उन मूल्यों का भी उल्लंघन करता है जो हमारे लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष ढांचे का आधार हैं। प्रस्तावित व्यापक बदलाव न केवल अनावश्यक है।

तेजस्वी बोले- हमारी सरकार बनी तो कचरे में फेंक देंगे

पटना में तेजस्वी यादव ने वक्फ बोर्ड बिल मुद्दे पर प्रेस वार्ता की, जहां उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अगर बिहार में हमारी सरकार बनी तो इस बिल को कचरे के डब्बे में फेंक देंगे। वक्फ की लड़ाई सदन, सड़क और न्यायालय तक जाएगी। आरजेडी ने लोकसभा और राज्यसभा में वक्फ बोर्ड को लेकर कड़ा विरोध किया है। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने जिस तरह आरक्षण की लड़ाई के लिए सड़क से सदन तक आवाज उठाई कोर्ट तक गए, उसी तरह वक्फ बोर्ड को लेकर मुसलमान के साथ जो अन्याय हो रहा है, इसे लेकर आज शनिवार को राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीम कोर्ट गई है। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारे सांसदों ने इस विधेयक के अगेंस्ट में वोट किया। हम लोगों का मानना है यह असंवैधानिक बिल है। आर्टिकल 26 जो हमारे संविधान में है, उसका यह उल्लंघन करता है। ध्रुवीकरण की राजनीति बीजेपी के लोग कर रहे हैं. ये लोग देश को बांटना चाहते हैं, जो असल मुद्दे हैं महंगाई का, पलायन का, देश की आर्थिक स्थिति का उससे भटका रहे हैं। यह लोग इस मुद्दे से भटकाकर अपनी राजनीतिक रोटी सेक रहे हैं।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई

एएसआई को 10 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा

- डीजल चोरी का आरोप लगाकर पीड़ित से 50 हजार की मांग की थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

हरदीबाजार थाने में पदस्थ एक एएसआई को एसीबी की टीम ने 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एएसआई बोलेरो वाहन मालिक को डीजल चोरी के झूठे आरोप में फंसाने की धमकी देकर 50 हजार रुपए की मांग कर रहा था। जिसकी शिकायत वाहन स्वामी ने बिलासपुर एसीबी की टीम से की थी। जिसके बाद एसीबी की टीम ने एएसआई को रिश्वत लेते धरदबोचा।

सूत्रों के मुताबिक पंचराम चौहान निवासी केसला द्वारा एसीबी बिलासपुर में लिखित शिकायत की गई थी कि उसके पास एक बोलेरो वाहन है। कुछ दिन पहले थाना हरदीबाजार में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक मनोज मिश्रा रात करीब 1 बजे उनके केसला गांव स्थित घर पर आया था और बोला कि तुम्हारी बोलेरो गाड़ी से डीजल चोरी का कार्य होता है। गाड़ी को थाने ले चलो जिस पर वह गाड़ी को लेकर थाने के लिए निकला था जो बीच रास्ते में मनोज मिश्रा द्वारा गाड़ी को कार्यवाही से बचाने के एवज में 50 हजार रुपए की मांग की गई। पंचराम द्वारा उतना पैसा देने की क्षमता न होना बोलने ▶▶|शेष पेज 6 पर

थाना परिसर में पकड़ा गया एएसआई

शनिवार को पंचराम को मनोज मिश्रा सहायक उप निरीक्षक के पास मांगी गई रिश्वत रकम में से 10 हजार रुपए को देने के लिए भेजा गया। थाना कोतवाली के परिसर में पंचराम से रिश्वत की रकम 10 हजार रुपए को लेते हुए मनोज मिश्रा को एसीबी की टीम द्वारा रिश्वत रकम सहित पकड़ लिया। सहायक उप निरीक्षक मनोज मिश्रा के विरुद्ध धारा 7 पीसी एक्ट 1988 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

मनोज कुमार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई

- तीन बंदूकों की दी गई सलामी
- बॉलीवुड सहित नामचीन हस्तियां रहीं मौजूद
- बेटे कुणाल गोस्वामी ने दी मुखाग्नि

मुंबई। 'उपकार' और 'क्रांति' जैसी फिल्मों में देशभक्त नायक की भूमिका निभाकर 'भारत कुमार' के नाम से मशहूर हुए अभिनेता मनोज कुमार का शनिवार को यहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उपनगरीय जुहू स्थित पवन हंस श्मशान घाट में अंतिम संस्कार के वक्त अमिताभ बच्चन और सलीम खान सहित मनोरंजन जगत की प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। अंतिम संस्कार के वक्त उन्हें तीन बंदूकों की सलामी भी दी गई। अंतिम संस्कार करीब 11:30 बजे शुरू हुआ।

'भारत कुमार' के रूप में पहचान

मनोज कुमार को शहीद, उपकार, पूरब और पश्चिम तथा रोटी, कपड़ा और मकान जैसी देशभक्ति फिल्मों में उनकी भूमिकाओं के लिए उन्हें 'भारत कुमार' के रूप में जाना जाता था।

पीएम मोदी को श्रीलंका का मित्र विभूषण सम्मान

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

भारत और श्रीलंका ने पहली बार सैन्य क्षेत्र में गहन सहयोग के लिए एक ढांचे को संस्थागत बनाने के संबंध में शनिवार को एक प्रमुख रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों की सुरक्षा एक दूसरे से जुड़ी हुई है और एक दूसरे पर निर्भर है। इससे पहले, श्रीलंका ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'मित्र विभूषण' से सम्मानित भी किया। यह श्रीलंका का ऐसा सम्मान है जिसे उन देशों के राष्ट्रध्यक्ष को दिया जाता है, जिनके श्रीलंका के साथ अच्छे संबंध हैं। प्रधानमंत्री मोदी और श्रीलंका के ▶▶|शेष पेज 6 पर

भारत और श्रीलंका के बीच हुए सात समझौते

इन पर हुए समझौते

- रक्षा सहयोग समझौता
- ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग
- डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन
- सोलर पावर प्रोजेक्ट
- स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग
- फार्मास्युटिकल सहयोग
- सांस्कृतिक और धार्मिक जीर्णोद्धार

मछुआरों की रिहाई की मांग

पीएम मोदी और श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच द्विपक्षीय बातचीत हुई। इस दौरान मोदी ने भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारी पर चर्चा की। मोदी ने कहा कि यह मछुआरों की आजीविका का मुद्दा है। हमने मछुआरों को तुरंत रिहा करने और उनकी नावों को छोड़ने पर बात की है। हम सहमत हैं कि हमें इस मामले में इंसानियत के साथ आगे बढ़ना चाहिए। तमिल मुद्दे पर मोदी ने कहा कि उन्हें यकीन है कि श्रीलंका सरकार तमिलों की उम्मीदों को पूरा करेगी और श्रीलंका के संविधान के तहत मिले पूरे अधिकारों को लागू करेगी।

खूंखार नक्सल लीडर प्रभाकर के दो सहयोगी पुलिस के हत्थे चढ़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

नक्सली को प्रश्रय देने और सहयोग करने वाले कोयलीबेड़ा क्षेत्र के 2 व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। डीएसपी डीआरजी अविनाश ठाकुर के नेतृत्व में थाना कोरर के अपराध 108/2015 धारा 147, 148, 149, 307, 212 के तहत 25, 27, आर्म्स एक्ट, 38 (2), 39 (2), 19 विधि विरुद्ध क्रिया कलाप निवारण अधिनियम के मामले के मुख्य नक्सली आरोपीगण प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन के उत्तर बस्तर डिविजन के बड़े कैडर के नक्सली कमांडर प्रभाकर उर्फ बालमुरी नारायण राव, राजे कांगे उर्फ निर्मला उर्फ मालती व अन्य नक्सली आरोपियों को माह दिसंबर 2024 में अपने घर में छिपाकर रुकवाकर प्रश्रय देकर, आस-पास क्षेत्र में अपने वाहनों में बैठाकर छिपाकर शहर और गांव लाने ले जाने, दैनिक कार्य, खाने-पीने की सम्पूर्ण व्यवस्था करने वाले नक्सली सहयोगी रमेश कुमार कुमेटी पिता छत्तर सिंह (55), निवासी कड़में व चिन्तु ताम्रकार पिता हिरासिंह (36), निवासी कड़में को शनिवार को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया गया है। आरोपी कमांडर प्रभाकर के साथ डकैती व हत्या की घटनाओं में भी शामिल रहे हैं।

रमेश कुमेटी

चिंतू ताम्रकार

ट्रंप टैरिफ के बाद टाटा ने किया ऐलान

जगुआर लैंड रोवर अमेरिका में नहीं होगा एक्सपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए 26फीसदी के रेसिप्रोकल टैरिफ को लेकर नाराजगी है। ऐसे में टाटा कंपनी ने बड़ा फैसला लिया है। टाटा मोटर्स लिमिटेड की लक्जरी व्हीकल सब्सिडियरी जगुआर लैंड रोवर ने विदेशी ऑटोमोबाइल पर नए अमेरिकी टैरिफ के जवाब में इस अप्रैल में अमेरिका के लिए शिपमेंट को अस्थायी रूप से रोक दिया है। टाटा मोटर्स लिमिटेड का यह निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 2 अप्रैल को सभी इंपोर्टेड फुली ▶▶|शेष पेज 6 पर

अमेरिका में जगुआर लैंड रोवर कार की भारी मांग

जगुआर लैंड रोवर की गाड़ियों की मांग अमेरिका में बहुत ज्यादा है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले कुछ सालों में ब्रांड की बिक्री में काफी बढ़ोतरी हुई है। कंपनी ने अमेरिका में वित्त वर्ष 2024 में 22% की वृद्धि के साथ 4,31,733 गाड़ियां बेची हैं।

ट्रंप ने अपने ही लोगों को चेताया : अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ही लोगों को चेताया है। उन्होंने अमेरिका के लोगों को भविष्य में होने वाली परेशानियों को जिक्र करते हुए कहा कि हम पहले बहुत मजबूर थे, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। ट्रंप ने कहा कि यह आसान नहीं होगा, लेकिन इसके अंतिम परिणाम ऐतिहासिक होंगे।

एक्सपोर्ट 8.9 मिलियन डॉलर

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के अनुसार, 2024 में अमेरिका को भारत का कार एक्सपोर्ट सिर्फ 8.9 मिलियन डॉलर था, जो देश के कुल ऑटोमोबाइल एक्सपोर्ट का मात्र 0.13 फीसदी था, जो 6.98 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया था। हालांकि वित्त वर्ष 2024 में जेएलआर ने अपने रेवेन्यू का 23 फीसदी और होलसेल वॉल्यूम का 26 फीसदी अमेरिका से प्राप्त किया। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त नौ महीनों में यह हिस्सा बढ़कर 33 फीसदी हो गया है। शुक्रवार को टाटा मोटर्स का शेयर 5.94 फीसदी की गिरावट के साथ 615.10 रुपये पर बंद हुआ। पिछले एक साल में कंपनी के शेयर में 38.92 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है।

वक्फ संशोधन विधेयक पर देश में हंगामा मचा हुआ है। विधेयक के दोनों सदनों में पास हो जाने के बाद से विपक्ष हायतौबा मचा रहा है, तो कई मुस्लिम संगठन सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। जबकि, वक्फ कानून में संशोधन एक लोकतांत्रिक और समानता के सिद्धांत के विरुद्ध, मजहब का अंग न होते हुए भी इस्लाम के नाम पर कुछ शक्तिशाली प्रभुत्वशाली मुस्लिम पुरुषों के एकाधिकार और निरंकुशता के ढांचे को ध्वस्त कर उसे वक्फ की मूल सोच के अनुरूप संविधान की परिधि में लोकतांत्रिक ढांचे में परिणत करने का प्रगतिशील कदम है। ऐसे ढांचे को संसदीय व्यवस्था के तहत ध्वस्त करना जिसको सरकारें बदलाव की आवश्यकता महसूस करते हुए भी स्पर्श करने तक से बचती हो, निस्संदेश ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम है। वक्फ की संपत्ति पर इस्लाम की मान्यता के अनुसार गरीब विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं तथा आनाथों का अधिकार है। वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य भी मुस्लिम समाज की भलाई के लिए है और निश्चित रूप से पूर्व के कानूनों की भांति ही इसके विरोध में फैलाया जा रहा झूठा भ्रम अधिक समय तक नहीं टिक पाएगा। वक्फ इस्लाम का अंग है, लेकिन संविधान और कानून के तहत सरकारों द्वारा गठित वक्फ बोर्ड और वक्फ ट्रिब्यूनल इस्लाम का विषय नहीं हो सकता। वक्फ संशोधन को लेकर पेश है आजकल का यह अंक...

वक्फ विधेयक बदले भारत का प्रमाण

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

संसद में पारित हर कानून की न्यायिक समीक्षा का अधिकार उच्चतम न्यायालय को वक्फ और वहां नए वक्त कानून की संवैधानिकता पर निर्णय आ जाएगा। किंतु विधेयक पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के पहले ही यानी कानून बना नहीं और उच्चतम न्यायालय पहुंच जाना किस बात का द्योतक है? ऐसे कानून, कदम या सुधार, जिनके साथ मुस्लिम समुदाय जुड़ा हो, उसके विरुद्ध भारत में ऐसी प्रतियोगिता आम हो चुकी है। एक साथ तीन तलाक, नागरिकता संशोधन कानून और अनुच्छेद 370 हटाए जाने के विरुद्ध भी हमने यही देखा। इन सभी मामलों की न्यायिक परिणति देश के सामने है। इन पार्टियों ने दोनों सदनों में वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया है।

वक्फ संशोधन के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में याचिकाओं की प्रतिस्पर्धा शुरू हो चुकी है। दोनों सदनों में पारित होने के अगले दिन से ही उच्चतम न्यायालय में याचिकाएं जाने लगीं और आप देख सकते हैं कि इस बात की होड़ लगी है कि कौन इसमें किसको पीछे छोड़ रहा है। कांग्रेस के संचार प्रमुख जयराम रमेश ने उच्चतम न्यायालय में जाने की घोषणा कर दी है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड पहले ऐलान कर चुका था। संसद में पारित हर कानून की न्यायिक समीक्षा का अधिकार उच्चतम न्यायालय को वक्फ और वहां नए वक्त कानून की संवैधानिकता पर निर्णय आ जाएगा। किंतु विधेयक पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के पहले ही यानी कानून बना नहीं और उच्चतम न्यायालय पहुंच जाना किस बात का द्योतक है? ऐसे कानून, कदम या सुधार, जिनके साथ मुस्लिम समुदाय किसी तरह जुड़ा हो, उसके विरुद्ध भारत में ऐसी प्रतियोगिता आम हो चुकी है।

एक साथ तीन तलाक, नागरिकता संशोधन कानून और जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के विरुद्ध भी हमने यही देखा। इन सभी मामलों की न्यायिक परिणति देश के सामने है। दूसरी ओर बिहार में जदयू, उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल आदि के विरुद्ध दबाव डालने की कोशिश हो रही है।

दबाव बढ़ाने की खतरनाक रणनीति

मुसलमानों का एक बड़ा समूह सड़कों पर उतर रहा है, पार्टियों में दबाव डालकर कुछ इस्तीफा करवा रहा है और बयान दे रहा है कि चुनाव में सबक सिखा देंगे। संसद में बहस और मतदान के पूर्व नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू आदि के इफ्तार के बहिष्कार का भी आह्वान किया गया। यह भी दबाव बढ़ाने की खतरनाक रणनीति थी। बावजूद इन पार्टियों ने दोनों सदनों में खुलकर वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया और उसके पक्ष में विपक्ष के आरोपों का आक्रामक खंडन करते हुए तथ्य और तर्क प्रस्तुत किया। हमारे सामने दो दृश्य दूसरे भी हैं। लोकसभा में बहस के पूर्व सभी पार्टियों ने ह्वीप जारी कर दिया था। किंतु राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट घोषणा की कि हमारे सांसद स्वतंत्र हैं, ह्वीप नहीं है, वे जैसे चाहें मतदान करें। इसके बावजूद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के संख्या बल से ज्यादा मत विधेयक के समर्थन में प्राप्त हुए। आखिर इसके कोई निहितार्थ है या नहीं? इसके साथ हमने यह भी देखा कि दोनों सदनों में बहस और मतदान के दौरान देश में समर्थन और विरोध दोनों में मुसलमान उतरे। निष्पक्ष आकलन यही है कि उन दो दिनों में समर्थकों की संख्या भी काफी ज्यादा थी। कई जगह तो विरोध करने वालों से ज्यादा समर्थक सड़क पर थे। अलग-अलग धार्मिक संस्थाओं और संगठनों ने खुलकर विधेयक का समर्थन किया। इनमें वे मुस्लिम मजहबी नेता और संस्थाओं के प्रमुख शामिल थे जो पहले वक्फ में किसी

प्रकार के संशोधन का घोर विरोध करते थे, तो इसके भी मायने हैं। तो यही बदले हुए भारत का प्रमाण है। यानी आप न्याय करने की दिशा में संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं तो भ्रम और विरोध कमजोर होते-होते समर्थन बढ़ता है। वास्तव में अभी जो विरोध दिख रहा है वह बिल्कुल अनपेक्षित नहीं है। जब भी आप ऐसे विषयों पर सुधार और परिवर्तन के संवैधानिक कानूनी कदम उठाते हैं तो भारत जैसे देश में इसके विरुद्ध प्रचार और रोकने की कोशिश पहली बार नहीं है। वक्फ कानून, उससे संबंधित बोर्ड और न्यायाधिकरण को मुस्लिम वोट पाने की नीति के तहत जिस तरह सुपर सरकार, सुपर प्रशासन और सुपर न्यायपालिका की भूमिका दे दी गई थी, उस ढांचे में लाभान्वित सम्मानित होने वाले तथा उसका आनंद सुख भोगने वालों के अंदर छटपटाहट स्वाभाविक है।

वक्फ कानून में संशोधन क्यों जरूरी था

सच यह है कि वक्फ कानून में संशोधन क्यों नहीं होना चाहिए था या संशोधन में क्या असंवैधानिक, इस्लाम विरोधी, मुस्लिम विरोधी है, इसका कोई एक तथात्मक उत्तर विपक्ष के किसी भी नेता द्वारा संसद में नहीं मिला। जब राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह कानून उच्चतम न्यायालय में समाप्त हो जाएगा तो सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि सदन के अंदर इस प्रकार की भाषा संसद का अपमान है। इसी तरह जब एक सदस्य ने कहा कि मुसलमान इस कानून को नहीं मानेगा, तब केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यह संसद द्वारा बनाया गया कानून है, सबको मानना पड़ेगा। वास्तव में संसद अगर प्रक्रिया के तहत कोई कानून पारित करती है तो यह भारत के सभी क्षेत्रों और व्यक्तियों पर समान रूप से लागू होता है। कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी ने लोकसभा में विधेयक पारित होने की प्रक्रिया को बहुमत के द्वारा संविधान का अतिक्रमण और लोकतंत्र के गला घोंटने के समान बता दिया। यह समझ से परे है। लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रिकॉर्ड रखते हुए बताया कि संप्रग सरकार ने 2013 में सिर्फ चार घंटे की चर्चा के बाद वक्फ संशोधन विधेयक पास कर दिया था, जबकि इस बार दोनों सदनों में करीब 27 घंटे से ज्यादा का समय लगा। 3 अप्रैल को 11 बजे से आरंभ राज्यसभा की कार्यवाही अगले दिन सुबह 4 बजे तक चली। संयुक्त संसदीय समिति ने 113 घंटे की चर्चा, 25 वक्फ बोर्डों से संवाद, 15 राज्यों के प्रतिनिधियों से संवाद, विभिन्न समुदायों के राज्य धारकों के कुल 284 प्रतिनिधिमंडलों ने समिति के समक्ष अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत किए एवं 92 लाख से ज्यादा सुझाव पर विचार के बाद विधेयक तैयार हुआ। जरा सोचिए, यह प्रक्रिया लोकतंत्र और संविधान का गला घोंटने वाला हो गया और संप्रग के चार घंटे में पारित कानून लोकतंत्र और संविधान का पालन करने वाला था?

वक्फ संपत्तियों का दावा बेमानी

पुराने वक्फ कानून और उसके ढांचे पर इतना कुछ कहा जा चुका है कि उसको दोहराने की आवश्यकता नहीं। वक्फ ने जिस तरह पूरे देश में संपत्तियों का दावा कर उन्हें कब्जे में लिया, उसकी बहुत सारी कथाएं रिकॉर्ड में सामने हैं। यह कैसी संवैधानिक व्यवस्था थी जिसमें वक्फ किसी संपत्ति पर दावा कर दे तो वक्फ ट्रिब्यूनल के अलावा आप कहीं नहीं जा सकते। वहां भी संपत्ति आपकी है, यह आपको ही साबित करना होगा। ट्रिब्यूनल बरसों लगा देगा और उसके फैसले को आप सिविल न्यायालय में चुनौती नहीं दे सकते। यानी आपकी संपत्ति गई। इसमें हिंदू और मुसलमान दोनों के साथ सार्वजनिक सरकारी संपत्तियां भी शामिल हैं।

दूसरे की संपत्ति पर दावा कैसे संभव है

गृह मंत्री ने सदन में रिकॉर्ड पर कहा कि कोई गांव या शहर से बाहर नौकरी करने चला गया और उसकी संपत्ति वक्फ कर दी गई। वह जितना भी छटपटाये, वापसी के रास्ते नहीं। वक्फ एक अरबी शब्द है। इस्लाम किसी को दीन और बेसहारा के लिए अपनी संपत्ति के वक्फ करने की इजाजत देता है। इस पर न रोक है, न हो सकती है। वक्फ में कोई बदलाव नहीं है। किंतु हम अपनी संपत्ति वक्फ में रजिस्ट्री करा सकते हैं, दूसरे की संपत्ति पर कैसे दावा कर सकते हैं? फिर सरकार कैसे संपत्ति वक्फ कर सकती है। आप देखेंगे कि यूपीए सरकार के सत्ता में आने के बाद सच्चर आयोग की नियुक्ति और उसकी रिपोर्ट के बाद पूरे देश में अलग से इस्लामी ढांचा स्थापित करने की प्रक्रिया में केंद्र और राज्य सरकारों ने अनेक संपत्ति वक्फ बोर्डों को दे दी। निश्चित रूप से उच्चतम न्यायालय में सारे मामले जाएंगे।

हमारी आपकी या किसी मंदिर की जमीनों के कागजात, राजस्व आदि का विषय तो जिला कलेक्टर के अधीन होगा किंतु वक्फ का नहीं हो यह कैसे कानून का पालन माना जाएगा? आज भी यही मांग है। वक्फ इस्लाम का अंग है, लेकिन भारत के संविधान और कानून के तहत सरकारों द्वारा गठित वक्फ बोर्ड और वक्फ ट्रिब्यूनल इस्लाम का विषय नहीं हो सकता। उसे हमारे संविधान और कानून के अंतर्गत ही काम करना होगा। बोर्ड में महिला सदस्य होने की अनिवार्यता के विरोध के पीछे वही सोच है जिसके तहत तीन तलाक मामले पर पर्सनल लॉ बोर्ड में उच्चतम न्यायालय में दायर शपथ पत्र में महिलाओं को कम अक्ल वाला लिखा था। कोई संपत्ति जिस उद्देश्य के लिए दान हुई है वह उसी उद्देश्य में जा रहा है या नहीं तथा वाकई वक्फकर्ता स्वेच्छा से ऐसा किया है या दबाव डालकर कराया गया, इसकी देखरेख की जिम्मेवारी तो प्रशासन की ही है। जिस संस्था में लगभग 41 हजार विवाद हों और उनमें 10 हजार मुसलमानों द्वारा किए गए हो, उस ढांचे को कायम नहीं रखा जा सकता था।

विधेयक ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम

वास्तव में वक्फ कानून में संशोधन एक लोकतांत्रिक और समानता के सिद्धांत के विरुद्ध, मजहब का अंग न होते हुए भी इस्लाम के नाम पर कुछ शक्तिशाली प्रभुत्वशाली मुस्लिम पुरुषों के एकाधिकार और निरंकुशता के ढांचे को ध्वस्त कर उसे वक्फ की मूल सोच के अनुरूप संविधान की परिधि में लोकतांत्रिक ढांचे में परिणत करने का प्रगतिशील कदम है। ऐसे ढांचे को संसदीय व्यवस्था के तहत ध्वस्त करना जिसको सरकारें बदलाव की आवश्यकता महसूस करते हुए भी स्पर्श करने तक से बचती हो, निस्संदेश ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम है। वक्फ की संपत्ति पर इस्लाम की मान्यता के अनुसार गरीब विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं तथा आनाथों का अधिकार है। वक्फ की संपत्ति का उपयोग करने वाले मस्जिदों और मजारशरीफों का नियंत्रण करते हैं जबकि ऐसे लोगों में से कुछ बाहर भीख मांगते हैं। अब इस दौर का अंत होगा तथा गरीब, वंचित, पसमांदा , महिलाएं सब इस्लाम की धारणा के अनुसार वक्फ के सही उपयोग में भूमिका निभा सकेंगे। वक्फ ने पुराने मामलों के संदर्भ में बदलाव नहीं किया है लेकिन जिन पर विवाद है वे कायम रहेंगे। रिकॉर्ड में और ऑनलाइन आते ही सब कुछ पारदर्शी होगा। वक्फ के नाम पर हुए अन्याय के निराकरण का रास्ता प्रशस्त होगा और पीड़ितों को न्याय प्राप्त होने की ठोस संभावना बनेगी। ऐसे मामलों का सच देश के सामने होगा और इस समय इस्लाम के नाम पर हंगामा खड़ा करने वालों के चेहरे भी बेनकाब होंगे। दोनों सदनों में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा रखे गए तथ्य, विचार और तेवर की गंभीरता को देखते हुए किसी को मुगालता नहीं होना चाहिए कि इस कानून का उल्लंघन करने का कोई साहस करेगा। यद्यपि भूमि या ऐसे मामले राज्यों के विषय हैं तो अलग-अलग राज्यों का तंत्र सरकारों की राजनीतिक नीति के अनुसार काम करेगा और इनमें समस्याएं आएंगी। किंतु कोई वक्फ के दावों के विरुद्ध किसी पीड़ित व्यक्ति को न्यायालय जाने से नहीं रोक सकता। सिविल न्यायालय में व्यक्ति की सही पहचान और कानून के अनुसार ही फैसला होगा।

मुस्लिम समुदाय के लिए ऐतिहासिक कदम

वक्फ विधेयक

प्रो. निरंजन कुमार

सीनियर प्रोफेसर, हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

वक्फ संशोधन विधेयक, जो हाल ही में संसद में पारित किया गया, आम भारतीय मुस्लिम समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। इस विधेयक का उद्देश्य वक्फ सम्पत्तियों के संचालन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है, जिससे आम मुस्लिम आदमी और पूरे समाज को सीधे लाभ हो सके। निश्चित रूप से यह विधयेक वक्फ सम्पत्तियों के दुरुपयोग और इनके प्रबंधन में सुधार के लिए एक सार्थक और दूरगामी प्रयास है, जो न केवल गरीब मुसलमानों के लिए, बल्कि पूरे देश के हित में भी है। दुर्भाग्य से पिछले कई दिनों से वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर आम मुस्लिम समुदाय के बीच एक नकारात्मक माहौल तैयार किया जा रहा है।

वक्फ सम्पत्तियों का दुरुपयोग

यह सर्वविदित है कि वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, जिसका अर्थ है किसी संपत्ति को अल्लाह के नाम पर स्थायी रूप से दान करना। इस संपत्ति का उपयोग विशेष उद्देश्यों के लिए किया जाता है- जैसे मस्जिदों की देखरेख, गरीबों की मदद, शिक्षा और चिकित्सा आदि सुविधाओं के लिए। लेकिन ऑडिट और पारदर्शिता के अभाव में वक्फ सम्पत्तियों का दुरुपयोग होता रहा है। वक्फ बोर्ड के अधिकारी और मुस्लिम समुदाय के कुछ स्वयंभू नेता इन सम्पत्तियों का अनैतिक और अनुचित इस्तेमाल करते रहे हैं। इस दुरुपयोग के कारण वक्फ की भावना के विपरीत आम मुस्लिमों को वह लाभ नहीं मिल पाता, जो वक्फ का उद्देश्य है। वर्तमान में वक्फ सम्पत्तियों का प्रशासन और प्रबंधन वक्फ बोर्ड के द्वारा किया जाता है. लेकिन यह बोर्ड अक्सर पारदर्शी नहीं होता, और भ्रष्टाचार की खबरें आती रही हैं। इसके परिणामस्वरूप, जो धन और संसाधन धार्मिक और समाजसेवी कार्यों के लिए होना चाहिए था, वह गलत हाथों में चला जाता है। भारत में वक्फ संपत्तियों की संख्या को देखें तो यह बहुत अधिक है। हालिया सर्वेक्षण के अनुसार वक्फ संपत्तियों की संख्या 8.72 लाख से अभी अधिक है। यहां प्रश्न उठता है कि क्या वास्तव में इस्लाम की इस उदात्त अवधारणा के अनुसार ही वक्फ सम्पत्तियों का उपयोग सामाजिक कल्याण हेतु हो पा रहा है? क्या आम मुस्लिम समुदाय के लोगों को प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से मौजूदा व्यवस्था के तहत कोई लाभ मिल रहा है? वास्तव में इन प्रश्नों का उत्तर न में ही है। संसद के दोनों सदनों में इस विधयेक पर लंबी चर्चाओं के बाद इस विधयेक को समर्थन भी मिल गया किन्तु देशभर में एक खास तरह का माहौल इस विधयेक के खिलाफ बनाया जा रहा है। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर कुछ राजनीतिक दल और मुस्लिम नेताओं ने इसे मुस्लिम समुदाय के खिलाफ एक साजिश बताया, लेकिन यदि गहराई से पड़ताल करें तो यह बात तथ्यात्मक रूप से गलत है।

समाज में भ्रम फैला रहे कुछ लोग

वास्तव में, यह विधेयक तो व्यापक मुस्लिम समुदाय को उनके अधिकारों और सम्पत्तियों का सही लाभ दिलाने के लिए है। याद कीजिए, नागरिकता संशोधन कानून और तीन तलाक से सम्बंधित कानून के मामलों को। राजनीतिक स्वार्थ के कारण विभिन्न नेताओं ने इन दोनों

कानूनों का विरोध किया और समाज में भ्रम फैलाया। नागरिकता कानून के समय मुसलमानों के मन में यह भय बिठाया गया कि इस कानून से उनकी नागरिकता छिन जाएगी। जबकि वास्तव में यह कानून कुछ पड़ोसी देशों के पीड़ित लोगों को नागरिकता देने के लिए था। भारत के नागरिकों पर इसका कोई नकारात्मक परिणाम नहीं पड़ना था। उसी तरह तीन तलाक कानून के समय भी तथाकथित सेक्युलर दलों और मठाधीश नेताओं ने इसका खूब विरोध किया जबकि वास्तव में यह कानून मुस्लिम महिलाओं के हक में, उन्हें शोषण से मुक्त करने के लिए था।

ठीक उसी प्रकार वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य भी मुस्लिम समाज की भलाई के लिए है और निश्चित रूप से पूर्व के कानूनों की भांति ही इसके विरोध में फैलाया जा रहा झूठा भ्रम अधिक समय तक नहीं टिक पाएगा। वर्तमान वक्फ संशोधन विधेयक मुसलमानों के स्वयम्भू नेताओं के लिए निश्चित रूप से एक झटका है क्योंकि इस कानून के लागू होते ही वक़्फ़ सम्पत्ति पर इनके अनैतिक स्वामित्व पर चोट पड़ेगी और वक़्फ़ की आड़ में हुए भ्रष्टाचार की कलई लोगों के समक्ष आ जाएगी। पूर्व के प्रावधानों में इस तरह विसंगतियां हैं कि सरेआम दुरुपयोग किये जाने पर भी राहत की कोई गुंजाइश नहीं है। अनेक ऐसे उदाहरण मौजूद हैं जिनमें व्यक्तिगत संपत्ति से लेकर सरकारी जमीन के साथ-साथ मंदिरों, गुरुद्वारों, चर्च या बौद्ध विहारों तक की संपत्तियों पर वक्फ बोर्ड कब्जा करता रहा है। प्रयागराज में हजारों सालों से मनाए जा रहे कुंभमेला की जमीन पर दावा ठोंकने का उदाहरण हो, या केरल के एर्नाकुलम जिले में मुनंबम और चेराई क्षेत्रों में 404 एकड़ की ईसाई और चर्च संपत्तियों पर वक्फ बोर्ड के दावे की बात हो, देश के विभिन्न क्षेत्रों में इस तरह के विवाद होते रहे हैं। खतरनाक बात यह थी कि वक्फ के अनुचित दावे को न्यायालय में चुनौती भी नहीं दी जा सकती थी, जो कि संविधान की भावनाओं का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन था। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में राष्ट्र या जनहित में जब कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के किसी भी क्रिया-कलाप तक पर प्रश्न किये जा सकते हैं। ऐसे में वक्फ जमीन पर प्रश्न ही न कर पाना वास्तव में मौजूदा प्रावधान की सबसे बड़ी खामी रही है।

किसी की सम्पति पर दावा गलत

इसका दुरुपयोग कर किसी भी जमीन पर दावा ठोंकना हो या वक्फ संपत्ति का कुछ गिने चुने लोगों द्वारा निजी स्वार्थ हेतु उपयोग किया जाना हो, ऐसी घटनाएं मीडिया में आती रहती हैं। यह न सिर्फ प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के विरुद्ध है बल्कि उस व्यक्ति के संवैधानिक अधिकार का भी हनन है जिसकी सम्पति पर वक्फ का दावा ठोंक दिया गया हो। याद रहे कि राजद नेता लालू यादव ने भी एक समय अवैध वक्फ दावों पर चिंता जताई थी। प्रश्न उठाया जा सकता है कि भारत जैसे पंथनिरपेक्ष राष्ट्र में वक़्फ़ बोर्ड या वक़्फ़ जैसी सम्पत्तियों का प्रविधान है, जबकि विभिन्न इस्लामिक देशों में वक़्फ़ जैसी कोई सम्पत्ति नहीं है। कई देशों में वक्फ जैसी कोई सम्पत्ति नहीं है। फिर भी यदि भारत में वक़्फ़ सम्पत्ति का प्रावधान कर ही दिया गया है, तो इन सम्पत्तियों का प्रयोग सामाजिक कल्याण में हो, यह सुनिश्चित करने के लिए यदि कानून में कोई संशोधन हो तो निश्चित रूप से इसका स्वागत करना चाहिए। यह संतोषजनक है कि आल इंडिया मुस्लिम जमात के मौलाना या पसमांदा मुसलमान से लेकर सिख, ईसाई एवं बौद्ध समाज के लोगों ने इस विधेयक का स्वागत किया है। यह विधेयक न केवल वक्फ सम्पत्तियों के प्रबंधन में सुधार करेगा, बल्कि आम मुसलमानों के साथ-साथ अन्य धर्मों के लोगों को उनके अधिकार दिलाएगा। संकीर्ण स्वार्थों के लिए इसका विरोध आम जनहित में तो नहीं ही है, विरोध कर रहे उन राजनेताओं के हित में भी नहीं है क्योंकि पब्लिक सब जानती है।

वक्फ एक्ट में संशोधन पर घमासान क्यों

दो टूक

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

देशभर में वक्फ को लेकर इस समय खासी चर्चा है। तमाम विरोध के बावजूद वक्फ संशोधन विधेयक संसद के दोनों सदनों से पारित हो गया है। सत्ता पक्ष जहां इस विधेयक के फायदे गिना रहे हैं, वहीं विपक्ष वक्फ संशोधन विधेयक को संविधान विरोधी बता रहा है। कांग्रेस ने तो यहां तक कहा कि वह संसद में पारित 'वक्फ (संशोधन) विधेयक की संवैधानिकता को बहुत जल्द सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। हालांकि, मुस्लिम समाज के कुछ वर्गों ने इस विधेयक का स्वागत भी किया है। उनका मानना है कि यह वक्फ संपत्तियों की लूट को रोकने और पारदर्शिता बढ़ाने में मदद करेगा।

पारदर्शिता लाना मुख्य मकसद

मालूम हो, सरकार वक्फ बोर्ड के कामकाज में जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने के लक्ष्य के साथ वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करने के लिए वक्फ (संशोधन) विधेयक लेकर आई है। यह वक्फ बोर्ड की अनियंत्रित शक्ति को कम करने के लिए वक्फ अधिनियम, 1995 के कुछ प्रावधानों को हटाने का प्रयास करता है, जो वर्तमान में उन्हें आवश्यक जांच के बिना किसी भी संपत्ति को वक्फ घोषित करने की अनुमति देता है। साथ ही, इस बिल का मकसद वक्फ बोड्र्स के काम करने के तरीके में पारदर्शिता, जवाबदेही लाना और इन निकायों में महिलाओं की अनिवार्य रूप से भागीदारी को यकीनी बनाना है। सरकार का कहना है कि 1995 के कानून में वक्फ संपत्तियों,टाइटल विवादों और वक्फ भूमि पर अवैध कब्जे के विनियमन से संबंधित खामियां हैं। सरकार द्वारा उठाए गए प्रमुख कदमों में वक्फ बोर्डों के गठन में सीमित विविधता, मुतवल्लियों द्वारा शक्ति का दुरुपयोग, स्थानीय राजस्व अधिकारियों के साथ प्रभावी कोर्डिनेशन की कमी और वक्फ बोर्ड को संपत्तियों पर दावा करने के लिए व्यापक शक्ति देना शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप विवाद और मुकदमेबाजी होती है। सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रशासन को बढ़ाना, टेक्नोलॉजी से संचालित मैनेजमेंट को शामिल करना, मौजूदा जटिलताओं को दूर करना और पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। माना जा रहा है कि एनडीए के सहयोगी दलों टीडीपी और जेडीयू के सुझावों के साथ ही जेपीसी में हुए विचार विमर्श से निकले सुझावों के चलते वक्फ संशोधन विधेयक में कई अहम परिवर्तन किए गए। लेकिन सरकार ने अपने मूल विचारों को शामिल करने में कोई समझौता नहीं किया है। दूसरी तरफ बिल के आलोचकों को मुख्य रूप से इस बात की चिंता है कि यह सरकार को वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को रेगुलेट करने और यह निर्धारित करने की अनुमति देता है कि कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं। इसका उद्देश्य वक्फ शासन की नींव को कमजोर करना और मुसलमानों के अधिकारों को कम करना है। जो लोग इस विधेयक का विरोध कर रहे हैं, वे सवाल उठा रहे हैं कि ऐसा नया कानून क्यों लाया जा रहा है,जो वक्फ के प्रबंधन के तरीके को बदल रहा है। आलोचकों के बीच मुख्य चिंता यह है कि सरकार वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को रेगुलेट करके उन पर कंट्रोल हासिल करना चाहती है

और नए विधेयक के माध्यम से उसे यह निर्धारित करने का अधिकार मिल गया है कि कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं। वक्फ ऐसी संपत्तियों को संदर्भित करता है जो विशेष रूप से मुस्लिम धार्मिक और परोपकारी उद्देश्यों के लिए समर्पित की जाती हैं। इस संपत्ति को बेचना या अन्य किसी उपयोग में लाना प्रतिबंधित होता है। इसका स्वामित्व 'अल्लाह' को सौंपा जाता है जिसका अर्थ है कि इसे दान करने वाला व्यक्ति इसे वापस नहीं ले सकता। भारत में वक्फ की परंपरा 12वीं शताब्दी में दिल्ली सल्तनत के दौरान शुरू हुई थी। मोहम्मद गौरी ने मुल्तान की जामा मस्जिद के लिए दो गांवों को वक्फ संपत्ति के रूप में समर्पित किया था। समय के साथ वक्फ संपत्तियों की संख्या बढ़ती गई।

1954 में वक्फ बोर्ड का गठन

भारत में 1913 में एक नया कानून पारित कर वक्फ को वैध बना दिया गया। 1954 में वक्फ बोर्ड का गठन हुआ। हालांकि, 1995 के संशोधन से वक्फ बोर्ड को असीमित शक्तियां मिलीं। पीवी नरसिम्हा राव की कांग्रेस सरकार ने वक्फ एक्ट 1954 में संशोधन किया और नए-नए प्रावधान जोड़कर वक्फ बोर्ड को असीमित शक्तियां दे दीं। वक्फ एक्ट 1995 का सेक्शन 3 (आर) के मुताबिक, अगर कोई संपत्ति, किसी भी उद्देश्य के लिए मुस्लिम कानून के मुताबिक पाक (पवित्र), मजहबी (धार्मिक) या (चेरिटेबल) परोपकारी मान लिया जाए तो वह वक्फ की संपत्ति हो जाएगी। वक्फ एक्ट 1995 का आर्टिकल 40 कहता है कि यह जमीन किसकी है, यह वक्फ का सर्वेयर और वक्फ बोर्ड तय करेगा। बाद में वर्ष 2013 में संशोधन पेश किए गए, जिससे वक्फ को इससे संबंधित मामलों में असीमित और पूर्ण स्वायत्तता प्राप्त हुई। अगर आपकी संपत्ति को वक्फ की संपत्ति बता दी गई तो आप उसके खिलाफ कोर्ट नहीं जा सकते। आपको वक्फ बोर्ड से ही गुहार लगानी होगी। वक्फ बोर्ड का फैसला आपके खिलाफ आया, तब भी आप कोर्ट नहीं जा सकते। वक्फ एक्ट का सेक्शन 85 कहता है कि ट्राइब्यूनल के फैसले को हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती नहीं दी जा सकती है।

अधिनियम में बदलाव जरूरी

भारत में कई संपत्तियां वक्फ के अंतर्गत आती हैं, जिनमें मस्जिद, ईदगाह, दरगाह, खानकाह, इमामबाड़े और कब्रिस्तान शामिल हैं। वक्फ संपत्तियां इस्लाम को मानने वाले लोग दान करते हैं और इन्हें समुदाय के सदस्य ही मैनेज करते हैं। प्रत्येक राज्य में एक वक्फ बोर्ड होता है,जो एक कानूनी इकाई है जो संपत्ति का अधिग्रहण,धारण और हस्तांतरण कर सकती है। वक्फ संपत्तियों को स्थायी रूप से बेचा या पट्टे पर नहीं दिया जा सकता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वक्फ बोर्ड वर्तमान में भारत भर में 9.4 लाख एकड़ में फैली 8.7 लाख संपत्तियों को नियंत्रित करता है, जिसका अनुमानित कीमत 1.2 लाख करोड़ रुपये है। बता दें, वक़्फ को बनाने वाले को वाकिफ़ कहा जाता है, जिसका प्रबंधन प्रशासक यानी मुतवल्ली प्रबंधन करता है। वक़्फ़ की संपत्ति को स्थायी तौर पर लीज पर नहीं दिया जा सकता, ना ही बेचा जा सकता है। बहरहाल, वक्फ को लेकर लोगों के अलग-अलग दावे होते रहते हैं। जिसके बाद सरकार के लिए ये बड़ी चुनौती हो जाती है कि वो लोगों को कैसे भरोसा दिलाए कि वो जो दलील दे रही है वो सही है।इसके बाद कई विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार इस पर नियंत्रण करना चाहती है। सरकार ने इसमें कई बदलाव की बात कही है। बहरहाल, वक्फ संशोधन विधेयक भारत में धार्मिक संपत्तियों से जुड़े कानूनों में एक बड़ा बदलाव लाने वाला कदम है। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह विधेयक कानून बनने के बाद किस तरह लागू किया जाता है और इसका अल्पसंख्यकों, सरकार और समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है।

खबर संक्षेप

हो रहा झूठा प्रचार लागू नहीं होगा 'एक देश, एक चुनाव'

चेन्नई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 'एक देश, एक चुनाव' अवधारणा को लेकर किए जा रहे झूठे प्रचार को खारिज करते हुए शनिवार को स्पष्ट किया कि आगामी चुनावों में इसे लागू नहीं किया जाएगा। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान लगभग एक लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए और एक साथ चुनाव कराकर इतने बड़े खर्च को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''यदि संसद और विधानसभा के चुनाव एक साथ कराए जाएं तो देश के सकल घरेलू उत्पाद में करीब 1.5 प्रतिशत की वृद्धि होगी। मूल्य के संदर्भ में अर्थव्यवस्था में 4.50 लाख करोड़ रुपये जुड़ेंगे। यह 'एक देश एक चुनाव' अवधारणा का स्पष्ट उदाहरण है।'' सीतारमण ने कुछ पार्टियों पर 'एक देश एक चुनाव' पहल पर ''झूठा अभियान चलाने'' और इसका आंख मूंदकर विरोध करने का आरोप लगाया।

रक्षामंत्री ने दिखाई आईओएस सागर को हरी झंडी, नौ देशों की नौसेनाओं के 44 कर्मी सवार

सिंह ने किया कई परियोजनाओं का उद्घाटन

हिंद महासागर में भारत की तैनाती मित्र देशों के लिए भी : राजनाथ

एजेंसी ▸▸ बंगलुरू

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने करवार, कर्नाटक में कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में मुक्त नौवहन, नियम आधारित व्यवस्था और शांति सुनिश्चित करना भारत का सबसे बड़ा उद्देश्य है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण करवार नौसैनिक अड्डे पर लोगों को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, 'हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की तैनाती सिर्फ हमारे लिए नहीं बल्कि मित्र देशों के लिए भी है।' रक्षा मंत्री सिंह ने शनिवार को कर्नाटक के करवार नौसैनिक अड्डे से हिंद महासागर पोत 'सागर' को हरी झंडी दिखाई। आईएनएस सुनयना से जुड़े इस जहाज में नौ देशों की नौसेनाओं के 44 कर्मी सवार हैं। इस दौरान, सिंह ने नौसैनिक अड्डे पर नौसेना की तमाम परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया।

यहां हुए औपचारिक कार्यक्रम में राजनाथ ने कहा कि भारत का प्रयास हिंद महासागर क्षेत्र को और अधिक शांतिपूर्ण एवं समृद्ध बनाना है। इससे पहले सिंह ने नौसैनिक अड्डे पर विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया। केंद्रीय मंत्री अपराह्न लगभग एक बजे नौसैनिक अड्डे पर पहुंचे, जहां उन्हें परेड ग्राउंड में 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। रक्षा मंत्री एक सैन्य हेलीकॉप्टर से प्रमुख अड्डे पर उतरे और वह यहां कई कार्यक्रम में शामिल होंगे। नौसेना परियोजना 'सीबर्ड' के तहत महत्वपूर्ण नौसैनिक अड्डे का विस्तार कर रही है।

कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे पर भव्य आयोजन

भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका

रक्षा मंत्री के कार्यालय ने शनिवार को 'एक्स' पर पोस्ट में एक वीडियो भी साझा किया है जिसमें इस मिशन के तहत जमीन और समुद्र दोनों पर आयोजित प्रशिक्षण चरणों को दर्शाया गया है। रक्षा मंत्री कार्यालय ने लिखा, 'आईओएस 'सागर' हिंद महासागर क्षेत्र के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, यह अपने समुद्री पड़ोसियों के साथ मजबूत संबंध बनाने और हिंद महासागर क्षेत्र में अधिक सुरक्षित एवं समावेशी समुद्री वातावरण की दिशा में काम करने की भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करेगा।' हिंद महासागर पोत (आईओएस) 'सागर' (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) आईओआर देशों के साथ निरंतर सहयोग की दिशा में एक पहल है।

युवती से दुष्कर्म मामला : जैन मुनि को 10 साल की सजा

सूरत। गुजरात के सूरत शहर की एक सत्र अदालत ने जैन दिगंबर संप्रदाय के एक मुनि को 19 वर्षीय युवती से दुष्कर्म के मामले में शनिवार को दस साल जेल की सजा सुनाई। यह मामला सात वर्ष पुराना है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ए.के. शाह ने कॉलेज छात्रा से दुष्कर्म का दोषी पाए जाने के एक दिन बाद शांतिसागरजी महाराज (56) को 10 साल की सजा सुनाई और उन पर 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। सरकारी वकील नयन सुखदवाला ने बताया कि अदालत ने शांतिसागरजी महाराज को दोषी ठहराते हुए युवती और अन्य अभियोजन पक्ष के गवाहों के अलावा मेडिकल रिपोर्ट और सीसीटीवी फुटेज पर भी विचार किया। पीड़िता की शिकायत के अनुसार, यह घटना अक्टूबर 2017 में जैन धर्मशाला में हुई थी। महिला ने पुलिस को बताया कि इससे पहले जैन मुनि ने उसके पिता से उसका मोबाइल नंबर प्राप्त कर उससे फोन पर संपर्क स्थापित करने का प्रयास किया था।

पाकिस्तानी घुसपैठिया एलओसी पर ढेर

बीएसएफ ने भारत में घुसने से रोका नहीं माना तो जवानों ने मारी गोली

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को बड़ी कामयाबी मिली है। शुक्रवार रात भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहे पाकिस्तानी घुसपैठिए को जवानों ने ढेर कर दिया। नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर जवानों ने पहले घुसपैठिए को रुकने की चेतावनी दी।

चेतावनी के बाद भी घुसपैठिया नहीं रुका। आगे बढ़ता रहा। खतरे को भांपते हुए जवानों ने उसे गोली मार दी। मौके पर ही मौत हो गई। अब्दुलियां सीमा चौकी पर तैनात जवानों ने एक व्यक्ति को सीमा पार करते देखा। बीएसएफ जवानों ने उसे रुकने की चेतावनी दी। घुसपैठिया नहीं रुका और भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश करता रहा। जवानों ने उसे गोली मार दी। घुसपैठिए के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घुसपैठिया कौन है? किस मकसद से भारत में घुसना चाह रहा था? उसे किसने भेजा था? तमाम सवालों के जवाब का पता लगाया जा रहा है। जांच के बाद ही तस्वीर साफ होगी।

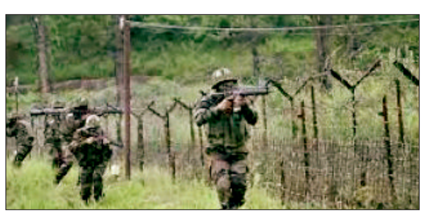

पठानकोट में पाकिस्तानी घुसपैठिया को मारा था

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बुधवार (26 फरवरी) को पठानकोट सीमा में पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया था। बीओपी ताशपतन में इंटरनेशनल बॉर्डर पर घुसपैठिया भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश कर रहा था। जवानों ने उसे चेतावनी दी लेकिन उसने कोई ध्यान नहीं दिया और आगे बढ़ता रहा। बीएसएफ के जवानों ने खतरे को भांपते हुए घुसपैठिए को मार गिराया था।

बेंगलुरु कोर्ट का बड़ा फैसला

यौन उत्पीड़न के मामले में औपचारिक आरोप तय किए

कई धाराओं में पूर्व जेडीएस सांसद रेवन्ना के खिलाफ आरोप हुए तय

एजेंसी ▸▸ बेंगलुरू

बेंगलुरु की एक विशेष अदालत ने शनिवार को जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ रेप और यौन उत्पीड़न के मामले में औपचारिक आरोप तय किए। अदालत ने भारतीय दंड संहिता (IPC) की कई गंभीर धाराओं के तहत आरोप तय किए हैं।

अदालत ने जेडीएस के पूर्व सांसद पर धारा 376(2)(k) (प्रभावशाली पद का दुरुपयोग कर बलात्कार), धारा 376(2)(n) (एक ही महिला के साथ बार-बार बलात्कार), और धारा 354 (यौन उत्पीड़न) के तहत आरोप तय किए हैं।

इसके अलावा, IT अधिनियम की धारा 66(e) के तहत भी प्रज्वल रेवन्ना पर आरोप तय किए गए हैं, जो प्राइवेसी के उल्लंघन से संबंधित है।

यह है मामला

28 अप्रैल से 10 जून 2024 के बीच प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ होलेनरसीपुरा पुलिस स्टेशन में कुल 4 एफआईआर दर्ज की गईं। इसके अलावा बेंगलुरु के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में दो मामले दर्ज किए गए, और दूसरा बेंगलुरु में सीआईडी के तहत साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया। केआर नगर पुलिस स्टेशन में प्रज्वल के पिता, होलेनरसीपुरा के विधायक एच.डी. रेवन्ना और अन्य के खिलाफ एक अलग मामला भी दर्ज किया गया। इन सभी मामलों को आगे की जांच के लिए सीआईडी के अंतर्गत विशेष जांच दल (एसआईटी) को सौंप दिया गया है।

बीते वर्ष रामनवमी के पावन अवसर पर अयोध्या में सूर्य किरणों से नवप्रतिष्ठित रामलला के ललाट पर सूर्य तिलक किया गया था। आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला के सूर्य तिलक की योजना बनाई गई है। ऐसा कैसे संभव होगा, इसके लिए कैसे तकनीक काम करेगी और देश-विदेश में ऐसा और कहां हो चुका है? इस बारे में विस्तार से जानिए।

श्रीरामलला के ललाट पर नियमित होगा सूर्य तिलक

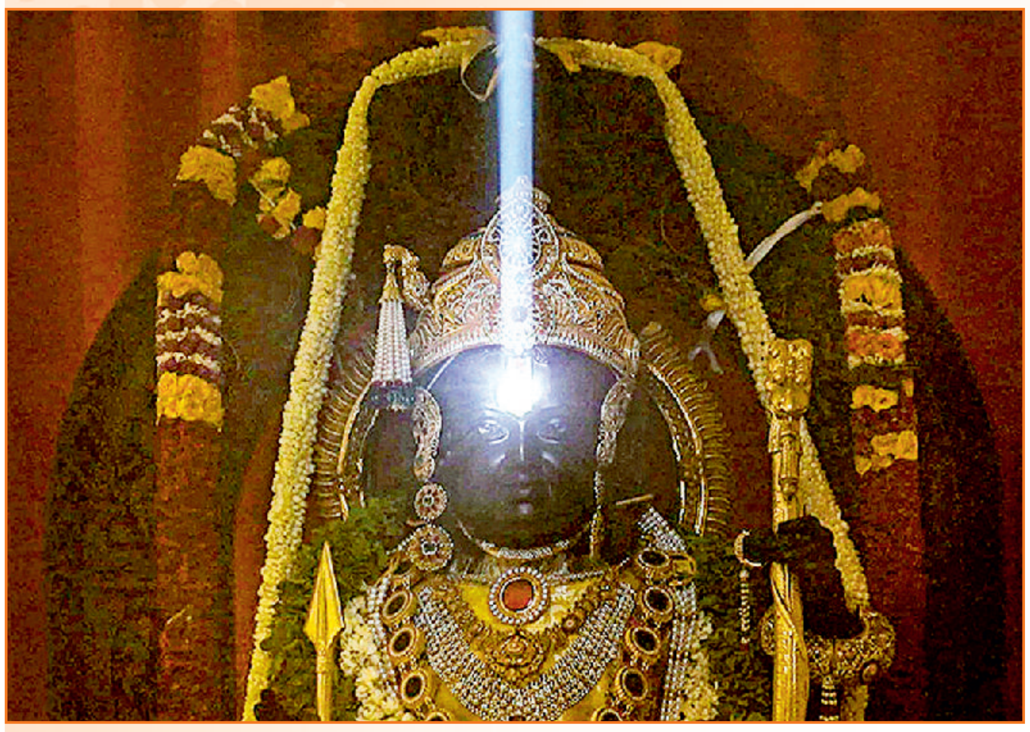

आवरण कथा

लोकमित्र गौतम

आज से अयोध्या के श्रीराम मंदिर में रामलला का प्रतिदिन सूर्य तिलक होगा। यह फैसला मंदिर निर्माण समिति ने लिया है। इसके तहत करीब 4 मिनट तक सूर्य की किरणें रामलला के ललाट को सुशोभित किया करेंगी। समिति के अध्यक्ष और पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्र के मुताबिक हर दिन सूर्य तिलक की प्लानिंग अभी अगले 20 सालों तक के लिए की गई है।

गौरतलब है कि पिछले साल रामनवमी के दिन यानी 17 अप्रैल, 2024 को पहली बार रामलला का राजतिलक सूर्य की किरणों से किया गया था, जिसे 'सूर्य तिलक' कहा गया। इसकी वैज्ञानिक तकनीक मुख्य रूप से प्रकाश के परावर्तन और अपवर्तन के सिद्धांतों पर आधारित है।

कैसे किया गया सूर्य तिलक

सूर्य तिलक के लिए सबसे पहले संग्रहण लेंस और दर्पणों की मदद से सूर्य की किरणों को एक नियत स्थान पर केंद्रित किया गया। यह सूर्य की स्थिति की सटीक खगोलीय गणना और इंजीनियरिंग का कमाल था, जिससे दर्पणों और लेंसों को एक खास कोण पर स्थापित किया गया, जिससे सूर्य की किरणें सीधे रामलला के मस्तक पर सुशोभित हुईं। इस समूची प्रक्रिया में सौर संरेखण और भारतीय खगोलशास्त्र के सटीक ज्ञान का प्रयोग किया गया। पहले ऐसा करना हर वर्ष रामनवमी के दिन के लिए प्रस्तावित था। लेकिन आज रामनवमी से अगले 20 सालों तक हर दिन ऐसा होगा।

पहले भी हुआ है ऐसा

मुगलों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने के पहले तक ओडिशा स्थित कोणार्क के सूर्य मंदिर के मुख्य गर्भगृह तक भी सूर्य की पहली किरणें पहुंचती थीं। लेकिन वहां किसी प्रतिमा के मस्तक पर सटीक तिलक नहीं होता था। इसी तरह महाराष्ट्र के कोराडी मंदिर में भी सूर्य की किरणें एक विशेष दिन गर्भगृह में प्रवेश करती हैं। ऐसे ही मदुरै (तमिलनाडु) के मीनाक्षी मंदिर में भी सूर्य की रोशनी गर्भगृह तक पहुंचती है। बृहदेश्वर मंदिर (तंजावुर) में भी विशेष संरेखण के जरिए शिवलिंग पर एक निश्चित समय सूर्य की रोशनी गिरती है। लेकिन इन सभी मंदिरों में किसी मूर्ति के सटीक मस्तक पर तिलक होने की तकनीक पहले कभी नहीं थी, जिस तरह की तकनीक से अयोध्या में रामलला के मस्तक को सुशोभित किया जा रहा है। ऐसी विशिष्ट तकनीक पहली बार प्रयोग की गई है। इससे पहले की सारी तकनीकें प्रकाश संरेखण के जरिए सूर्य की किरणों को गर्भगृह पहुंचाने तक ही सीमित थीं।

कोणार्क का सूर्य मंदिर

रामनवमी विशेष

अनोखी है यह तकनीक

यह तकनीक वास्तव में इंजीनियरिंग और खगोलशास्त्र का संगम है। इस तकनीक में खगोलशास्त्र और भौतिकी (प्रकाश) विज्ञान का एक साथ उपयोग किया गया है। वास्तव में यह दुर्लभ संरेखण यानी रेयर एलाइनमेंट, बेहद सटीक काल गणना और दर्पण-लेंस प्रणाली के बेहतरीन समन्वय का नतीजा होती है। पहली बार किसी मंदिर में यह सूर्य किरण तिलक धार्मिक अनुष्ठान का हिस्सा बना है। सूर्य तिलक बेहद जटिल तकनीकी है। केवल किसी खास दिन, केवल कुछ निश्चित क्षणों के लिए इसे सुनिश्चित करना भी बड़ी विशेषज्ञता है।

ऐसे होगा हर दिन सूर्य तिलक

चूंकि आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला का सूर्य तिलक किया जाना प्रस्तावित है, इसलिए मन में ऐसे सवाल उठने स्वाभाविक हैं कि जिस दिन सूर्य उगने के समय बारिश हो रही होगी, धुंध और कोहरा छाया होगा, उस दिन यह सब कैसे संभव होगा? जानकारों के मुताबिक अगर किसी दिन बारिश, बादल या मौसम की खराबी के कारण सूर्य दिखाई नहीं देगा, उस दिन यदि सूर्य तिलक की तकनीक पूरी तरह से प्रत्यक्ष सूर्य प्रकाश पर निर्भर होगी तब तो उस दिन सूर्य तिलक संभव नहीं होगा। चूंकि खगोलीय घटनाएं स्वाभाविक रूप से मौसम पर निर्भर होती हैं, इसलिए दुनिया के किसी भी स्थान पर 100% ऐसा करना प्राकृतिक ढंग से सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। लेकिन इसे बिना प्रत्यक्ष सूर्योदय के भी 100 फीसदी विभिन्न वैज्ञानिक तकनीक से संभव है। इसके लिए कुछ वैकल्पिक तकनीकी समाधान अपनाए जा सकते हैं, जैसे आर्टिफिशियल लाइटिंग सिस्टम। जिस तरह से सौर ऊर्जा संयंत्रों में सोलर लैंप का उपयोग किया जाता है, उसी तरह एक विशेष प्रकार की प्रकाशीय व्यवस्था यहां भी की जा सकती है। यह एलईडी या लेजर तकनीक का उपयोग कर सूर्य के प्रकाश का कृत्रिम रूप तैयार कर सकती है, जिससे तिलक की परंपरा जारी रह सके। रिफ्लेक्टर मिरर सिस्टम से भी यह संभव है। यदि किसी दिन प्रत्यक्ष सूर्योदय न हो तो इसके लिए पिछले दिनों के एकत्रित प्रकाश का उपयोग किया जा सकता है।

होलोग्राम तकनीक का विकल्प

एक अन्य विकल्प थ्री डी प्रोजेक्शन या होलोग्राम तकनीक भी हो सकती है, जो तिलक के प्रभाव को ठीक वैसे ही दिखाएगी, जैसा वास्तविक सूर्य तिलक के दौरान होता है। हालांकि मंदिर प्रशासन ने अब तक किसी आपातकाल में कृत्रिम विकल्प अपनाने की घोषणा नहीं की है, लेकिन भविष्य में यदि भक्तों की मांग बढ़ती है, तो कृत्रिम रोशनी या वैकल्पिक तकनीकों को शामिल किया जा सकता है।

और भी हैं तकनीकें

कई बार ऐसा भी होता है कि मौसमी परिस्थितियों के चलते सामान्यतः सूर्य उगता हुआ नहीं दिखता, लेकिन वैज्ञानिक तथ्य यही होता है कि तब भी सूरज बादलों के पार उगा होता है और उसकी रोशनी किसी न किसी रूप में धरती पर आ रही होती है। यानी, नियत समय पर तब भी सूर्य अपनी जगह पर उग चुका होता है। वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से इस रोशनी का इस्तेमाल सूर्य तिलक के लिए संभव है। इसके लिए आधुनिक प्रकाशीय तकनीकों (ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी) और सौर ऊर्जा संग्रहण प्रणालियों का उपयोग किया जा सकता है। ऑप्टिकल सेंसर और रिले मिरर के साथ-साथ सोलर ट्रैकिंग सेंसर के जरिए जब सूरज उगा हुआ न दिखे तब भी यह संभव है। क्योंकि ये सेंसर सूर्य की स्थिति को ट्रैक करते हैं, भले ही वह बादलों के पीछे छिपा हो। ऐसे में सूर्य की हलकी सी रोशनी को भी ये सेंसर विशेष दर्पण प्रणाली की मदद से मूर्ति के मस्तक तक पहुंचा सकते हैं। इस तकनीक में फाइबर ऑप्टिक्स का भी उपयोग किया जा सकता है और सूरज की धुंधली रोशनी को भी केंद्रित किया जा सकता है। लब्बोलुआब यह कि वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से बादलों के बावजूद सूर्य तिलक संभव किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सोलर ट्रैकिंग, रिले मिरर जैसी लेजर तकनीकों का उपयोग करना होगा। *

दुनिया में और कहां होता है ऐसा

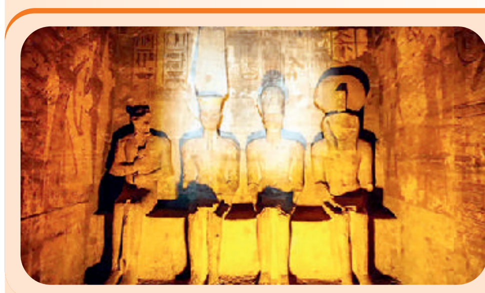

किसी प्रतिमा पर सूर्य किरण से तिलक करने की घटना एक अन्य देश में भी होती है। अबू सिंबल मंदिर (मिस्र) में हर वर्ष 22 फरवरी और 22 अक्टूबर को सूर्य की किरणें सीधे फराओ रामसेस द्वतीय की मूर्ति पर पड़ती हैं। लेकिन मूर्ति के मस्तक जैसे किसी एक विशेष स्थान पर सटीक ढंग से महज कुछ मिनटों के लिए सूर्य की किरणें नहीं गिरतीं जैसे कि अयोध्या के राम मंदिर में प्रतिष्ठित रामलला की मूर्ति के ललाट पर गिरती हैं।

राम नाम की महिमा अपार

दो अक्षरों से निर्मित 'राम' नाम की महिमा की थाह अपार, अनंत और कल्याणकारी मानी जाती है। पुराणों से लेकर धार्मिक साहित्य में भी इस नाम की महत्ता का गुणगान मिलता है। अनेक देशों में राम नाम के नगर और राम नाम धारी अनोखे बैंक इसे प्रमाणित करते हैं।

महात्म्य

शिखर चंद जैन

आपने यह भजन तो अवश्य सुना होगा, 'राम से बड़ा राम का नाम।' यह सुनकर आश्चर्य हो सकता है कि भला प्रभु राम का नाम, उनसे भी बड़ा कैसे हो सकता है! लेकिन यह बात महान ऋषि, मुनि, विद्वान और धर्माचार्य भी कहते रहे हैं। राम का नाम जपने वाले कई संत और कवि हुए हैं। जैसे कबीरदास, तुलसीदास, रामानंद, नाभादास, स्वामी अग्रदास, प्राणचंद चौहान, केशवदास, रैदास या रविदास, दादू दयाल, सुंदरदास, मलूकदास, समर्थ रामदास आदि। प्रभु श्रीराम का नाम सुमिरन करते हुए, नाम जप करते हुए असंख्य साधु-संत मुक्ति को प्राप्त हो गए हैं। कई पुराणों में भी इस तरह का उल्लेख किया गया है कि कलयुग में राम नाम का जप ही लोगों को भवसागर से पार ले जाने वाला सिद्ध होगा।

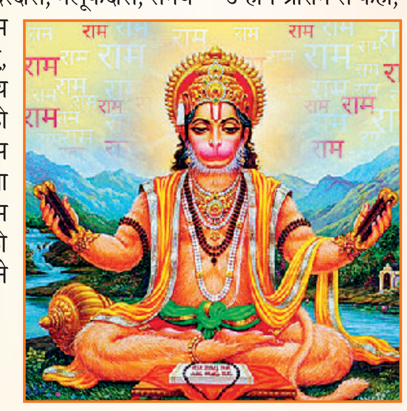

शिव भी जपते राम का नाम

पौराणिक मान्यता है कि राम नाम की महिमा का वर्णन शिवजी से सुनकर माता पार्वती भी उनका नाम जप करती हैं। शिवजी हनुमानजी का अवतार लेकर भी राम का नाम ही जपते रहते हैं। रामचरित मानस में तुलसीदास जी ने राम नाम की महिमा का कई जगहों पर वर्णन किया है-

महामंत्र जोइ जपत महेसू। कासी मुकुति हेतु उपदेसू॥
महिमा जासु जान गनराऊ। प्रथम पूजिअत नाम प्रभाऊ॥

अर्थात जो महामंत्र है, जिसे महेश्वर श्री शिवजी जपते हैं और उनके द्वारा जिसका उपदेश काशी में मुक्ति का कारण है तथा जिसकी महिमा को गणेशजी जानते हैं, जो इस 'राम' नाम के प्रभाव से ही सबसे पहले पूजे जाते हैं। एक अन्य स्थल पर वे कहते हैं-

रामनाम कि औषधि खरी नियत से खाय,
अंगरोग व्यापे नहीं महारोग मिट जाए।

अर्थात, राम नाम का जप एक ऐसी औषधि के समान है, जिसे अगर सच्चे हृदय से जपा जाए तो सभी आदि-व्याधि दूर हो जाती हैं, मन को परम शांति मिलती है।

स्वयं प्रभु को हुआ अचरज

राम नाम की महिमा का एक प्रसंग बहुत चर्चित है। आपने भी रामायण में पढ़ा होगा कि रामसेतु के निर्माण के समय हर पत्थर पर राम नाम लिखा जा रहा था और हर कोई राम नाम का जयघोष कर रहा था। राम के नाम लिखे पत्थर जब तैरने लगे तो प्रभु श्रीराम भी आश्चर्य में पड़ कर सोचने लगे। उन्होंने सोचा कि जब मेरे नाम लिखे पत्थर तैरने लगे हैं तो यदि मैं कोई पत्थर फेंकता हूं समुद्र में तो उसे भी तैरना चाहिए। मन में यही विचार करके उन्होंने भी एक पत्थर उठा लिया, जिस पर राम का नाम नहीं लिखा था और उसे समुद्र में फेंक दिया, लेकिन वह पत्थर डूब गया। भगवान श्रीराम आश्चर्य में पड़ गए कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? दूर खड़े हनुमानजी यह सब देख रहे थे। उन्होंने श्रीराम से कहा, 'प्रभु! आप जिस दुविधा में हैं उसका उत्तर मैं देता हूं। हे प्रभु! आपके नाम को धारण कर तो सभी अपने जीवन की नैया को पार लगा सकते हैं, लेकिन जिसे आप स्वयं त्याग रहे हैं, उसे डूबने से भला कोई कैसे बचा सकता है?'

पाप-अज्ञान से मिले मुक्ति

राम के नाम में इतनी शक्ति है कि उनके नाम का जप करते हुए वाल्मीकि, देवतुल्य ऋषि और तुलसीदास, अज्ञानी से महान ज्ञानी-संत कवि बने।

दुनिया भर में व्याप्त राम का नाम

भगवान राम के नाम का डंका भारत भूमि पर ही नहीं, बल्कि विदेशी धरती पर भी बजता है। एक अध्ययन के मुताबिक राम, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूज्यनीय हैं। हॉलैंड का महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय ऐसा नक्शा बना रहा है, जिसमें राम के नाम से जुड़े करीब एक हजार नगर हैं, इस पर काम चल रहा है। राम नाम से दुनिया के अनेक देशों में नगर मौजूद हैं। इनमें शामिल हैं- ऑस्ट्रेलिया-रामसे, अलास्का-रामीज, बेल्जियम-इवोज रामेट, रामसेल, अफगानिस्तान-रामबुत, जर्मनी-रामवर्ग, रामस्टीन, रामबो, जिंबाब्वे-रामक्काड, लीबिया-रामलहर, लेबनान-रामाथी, सीरिया- रामर, रामट, मैक्सिको-रामीनेज, रामोनल, केन्या-रामा, रामी, डेनमार्क-रामी, रामसी, रामटेनऑ, अमेरिका-रामपो, रामह, रामरीटो, रामीरेज, इराक-रमन, रामूटा, रामा, रामाला, ईरान-रामरोद, रामसार, रामिस्क, रामिया, रूस- रामासुख, रामेसा, रामेला, रामेस्फ, स्पेन- रामाल्स डला विक्टोरिया, इंग्लैंड-रामसगबेट, राम्सगिन, राम टेक्पासाइड, फ्रांस-रामट्यूवेल, सेंट रामवर्ट, सेंट रामबाउलर *

अनोखी आस्था : राम नाम का बैंक

बनारस की पावन धरती पर राम नाम की महिमा को समर्पित राम नाम का एक बैंक है। इस बैंक का नाम है 'राम रमापति बैंक'। यह देश में नित नए खुल रहे राम नाम बैंकों में से सबसे पुराना है। यहां 'राम नाम' का कर्ज भी मिलता है। इस बैंक को 1926 में दास छन्नूलाल ने स्थापित किया था। बैंक के नियम कायदे काफी कठोर हैं, जिनका पालन ग्राहकों को अनुशासित रूप से करना पड़ता है। हर ग्राहक को 500 बार रोज के हिसाब से 1,25,000 बार राम नाम लिखने का वादा करना पड़ता है, वह भी सुबह 4 बजे से शाम को 7 बजे के बीच की अवधि में। लेखन सामग्री और स्याही आदि सब बैंक द्वारा उपलब्ध करवाया जाता है। लाल स्याही के पावडर को गंगा नदी के जल में घोलकर स्याही बनानी पड़ती है। इतने कड़े नियमों के बावजूद इस अनूठे बैंक के डेढ़ लाख आजीवन सदस्य हैं। भगवान की जन्मभूमि अयोध्या में भी अंतरराष्ट्रीय 'श्री सीताराम बैंक' है। यहां सभी भाषाओं में राम का नाम लिखा हुआ स्वीकार किया जाता है। इस बैंक की 101 शाखाएं हैं, जो न सिर्फ हमारे देश में बल्कि अमेरिका, कनाडा, नेपाल और फिजी में भी हैं।

नवगीत

डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

गमलों के बरगद

छांव नहीं दे पाते हैं
गमलों के बरगद
उन्हें देखकर नागफनी
होती है गदगद।
कुछ भी कहने पर बंदिश
हो, हाथ बंधे हों
जिस पर कलम चलाना हो
वो पत्र कंधे हों
नहीं मायने रखता
ऐसे में कोई पद।
अपने बूते चलने वाले
कम दिखते हैं
कुछ परबुधिया हो जाते हैं
कुछ बिकते हैं
लोग तय किया करते हैं
अब औरों की हद।
टेढ़े पेड़ों को हरदम
कटना पड़ता है
बिना मोल के लोगों में
बंटना पड़ता है
जड़ें कटी हों जिसकी
घटता है उसका कद।
निर्भय होने पर ही चिड़िया
उड़ पाती है
खुले गगन से जीवन भर
फिर जुड़ पाती है
पंख तभी खुलते हैं जब
वो भरती है डग।

अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा कि ये घिबली क्या बला है!

कार्टून इंसान की कार्टून छवि

व्यंग्य

संदीप भटनागर

चुन्नी बाबू सुबह से छः बार कॉल कर चुके थे और हम बात करना टाल रहे थे। सोचा थोड़ी देर में खुद ही समझ जाएंगे लेकिन जब सातवीं बार फिर मोबाइल रिंग के साथ स्क्रीन पर उनका नाम चमका तो लगा कि उधर कुछ ज्यादा ही बेचैनी है।

फोन उठाते ही चुन्नी बाबू गरियाए 'अमां क्या अहमक आदमी हैं आप, एक ओर हमारी दोस्ती का दम भरते हैं और दूसरी ओर हमारे कॉल्स नजरअंदाज करते हैं? एक-दो कॉल हो तो ठीक है छः कॉल घोट कर पी गए। खुदा न खास्ता कोई इमरजेंसी हो तो हम तो तुम्हारे भरोसे नप ही जाएं। तुम्हारे इसी एटीट्यूड के कारण हमने हमारी संभावित 'फोन अ फ्रेंड' की लिस्ट में से तुम्हारा नाम डिलीट कर दिया है।'

चुन्नी बाबू पिछले कई सालों से हॉट सीट के चक्कर में लगे थे।

क्षणिक चुप्पी के बाद चुन्नी बाबू की गहरी सांस ने सिग्नल दिया कि अब बोलने की बारी हमारी है।

'ऐसी तो कोई बात नहीं चुन्नी बाबू कि हम आपका कॉल नजरअंदाज करें वो बस सुबह की मसरूफियत में आपके कॉल मिस कर बैठे, अब बताओ कौन सी इमरजेंसी आन पड़ी है?'

चुन्नी बाबू थोड़ा नॉर्मल होकर बोले, 'सुना है, तुमने अपने रिटायरमेंट के बाद लोगों को ज्ञान बांटने का काम चालू किया है?'

'अरे नहीं चुन्नी बाबू, हम क्या ज्ञान बांटेंगे? इस काम में तो अनेक सोशल मीडिया यूनिवर्सिटी और हजारों वाट्सएप समूहों के एडमिन और लाखों सदस्य दिन-रात लगे पड़े हैं। हमें तो बस कोई बुलाता है तो चले जाते हैं। इस बहाने अपना भी टाइम पास हो जाता है।'

'चलो ठीक है मान ली तुम्हारी बात, लेकिन उसके लिए तुम्हें दुनिया भर की खबर भी तो होनी चाहिए।' अब चुन्नी बाबू ज्ञान बांटने के मूड में लगे।

हमने कहा, 'हां इसी कोशिश में हम कुछ न कुछ पढ़ते-लिखते रहते हैं।'

'पढ़ना-लिखना सब पुराना ट्रेंड हो गया है, इससे कुछ नया हासिल होने वाला नहीं है। हर रोज नई-नई चीजें ट्रेंड हो रही हैं और तुम किताबों से माथा-पच्ची में लगे हो। पिछले कुछ दिनों से घिबली ने देश-दुनिया को हिलाकर रखा है।' चुन्नी बाबू ने हमें धिक्कारा।

हमें लगा कि म्यांमार और पड़ोसी देशों में आए विनाशकारी भूकंप के बाद यह कोई नई मुसीबत आई है। हमने अपने ज्ञान तंतुओं को एकत्रित कर पूछा, 'क्या घिबली कोई नया तूफान या चक्रवात है, जिसकी हमें खबर नहीं है?' बहुधा चक्रवात और तूफानों के इस तरह के नामकरण करने की परंपरा है।

चुन्नी बाबू हमारे अज्ञान पर तरस खाकर बोले, 'अपनी भूरी, मटमैली, नीरस किताबी दुनिया से बाहर निकल कर कुछ समय सोशल साइट्स की रंग-बिरंगी दुनिया में बिताओ तो पता लगे कि क्या हैशटैग हो रहा है और क्या ट्रेंड कर रहा है?'

हम अपनी गैर सामाजिक छवि पर शर्मिंदा हुए और समर्पण भाव से बोले, 'आप ही बता दीजिए कि घिबली क्या बला है, और इसका इतना शोर क्यों है?'

'जनाब इसका पूरा नाम घिबली स्टाइल पोट्रेट है, जो चैटजीपीटी का नया एआई टूल है।' चुन्नी बाबू ने अपनी ज्ञान की पोटली खोली।

'अच्छा! मतलब विज्ञान का तरक्की की ओर एक और कदम। यह हम इंसानों की किस तरह मदद करेगा?' हम चुन्नी बाबू के ज्ञान कुंड में गोता मारने की तैयारी में थे।

'यह इंसानों को कार्टून में बदल देता है।' चुन्नी बाबू के स्वर में उत्साह था।

हमने पूछा, 'आपने ट्राय किया?'

'हां किया और यही बताने के लिए तो सुबह से सात कॉल कर चुके हैं।'

हे भगवान! तो क्या अब चुन्नी बाबू की जगह उनके कार्टून से काम चलाना होगा और उनकी बीवी परम आदरणीय हमारी भाभी जी का क्या होगा? वो तो दिन भर में पचासियों बार उन्हें कार्टून घोषित करती रहती हैं। अब तो घोषित करने लायक कुछ रहा ही नहीं।

'मिलने पर हम आपको पहचान पाएंगे?' हमने अपनी शंका जाहिर की।

'हमें क्या हुआ है?' चुन्नी बाबू चौंक कर बोले।

हमने कहा, 'अरे! अभी तो आपने कहा कि आप घिबली के वश में आकर कार्टून बन गए हैं।'

चुन्नी बाबू हमारी नादानी पर खुल कर हंसते हुए बोले, 'अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। चलिए बहुत हुआ अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा।' कह कर चुन्नी बाबू ने फोन काट दिया।

हम सोच रहे थे कि तरक्की की होड़ में दौड़ते-हांफते कार्टून बन चुके इंसान की छवि को कार्टून बनाने में इतने पैसे खर्च क्यों किए? और कर भी दिए तो ये झुनझुना हमें क्यों थमा दिया? हमारे अपने झुनझुने कम थे क्या? अब बजाने के लिए यह झुनझुना मुफ्त में मिल ही गया है तो हम भी टूट पड़े उसे टूटने की हद तक बजाने के लिए।

बीते सप्ताह यह खबर भी आई कि ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने हाथ जोड़ कर इंसानों से विनती की है कि कार्टून बनने-बनाने की प्रक्रिया को धीमा करें ताकि उनके टूल्स लंबे समय तक प्रभावी रूप से इंसान की छवि को कार्टून बनाते रहें। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

खबर संक्षेप

कैसे थमेगा मिलावट का कारोबार, होली में जांच रिपोर्ट का अब तक हो रहा इंतजार

रायपुर। ज्यादा मुनाफा के लालच में खाद्य पदार्थों में मिलावट का कारोबार प्रदेश में काफी फल-फूल रहा है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारी रोकथाम के लिए कार्रवाई करने के दावे तो करते हैं, मगर इसमें औपचारिकता ज्यादा है। होली के दौरान जांच टीम ने प्रदेशभर से करीब पांच सौ खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए जिसकी जांच रिपोर्ट का अब तक इंतजार किया जा रहा है। प्रदेश के लैब में जांच की सीमित सुविधा होने के कारण सैंपलों को जयपुर तक भेजा गया है। एफडीए की टीम सैंपलों की रिपोर्ट के आधार पर संबंधित कारोबारियों के खिलाफ मामला तैयार कर न्यायालय में पेश करती है। इस बार होली के दौरान प्रदेशभर के व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के करीब पांच सौ सैंपल लिए गए थे। इनमें मिठाई-नमकीन के अलावा पनीर तथा अन्य खाद्य पदार्थ शामिल थे। छुट्टियों की वजह से डाक के माध्य से भेजे गए सैंपल त्योहार बीतने के बाद भी लैब तक पहुंचते रहे।

नशे का शौक पूरा करने के लिए करते थे चोरी, मां भी देती थी साथ

आरक्षक के घर से एके 47 राइफल और 90 राउंड कारतूस चोरी के मामले में पुलिस का बड़ा खुलासा

अंबिकापुर। आरक्षक के घर से एके 47 और 90 राउंड जिंदा कारतूस व जेवर चोरी करने के मामले में पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की है। आरोपी अपना शौक पूरा करने के साथ ही नशे की जरूरत पूरी करने के लिए चोरी करने के साथ ही नशे का कारोबार भी करते थे। उनके इस काले कारनामों में एक आरोपी की मां भी साथ देती थी और खुद उन्हें सूने मकानों की जानकारी प्रदान करती थी। पुलिस ने इस मामले में दो युवकों और एक महिला समेत कुल तीन लोगों को गिरफ्तार करने के साथ ही एके 47 राइफल और 90 नग जिंदा कारतूस के साथ ही सोने चांदी के जेवर, नशीला इंजेक्शन व चोरी के रकम से खरीदे गए सामान को बरामद किया गया है।

बता दें कि बलरामपुर जिले में जिला बल में पदस्थ आरक्षक आशीष तिर्की के गांधीनगर स्थित सूने मकान में 1 व 2 अप्रैल की दरमियानी रात चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था। चोर सूने मकान में प्रवेश कर सोने चांदी के जेवर के साथ एके 47 राइफल और 3 मैगजीन में 90 राउंड जिंदा कारतूस भी चोरी कर ले गए थे। इस घटना के सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। घटना के बाद एसपी योगेश पटेल के निर्देश पर एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो के नेतृत्व में पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही थी। जांच के दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर गांधीनगर थाना अंतर्गत डेयरी फार्म रोड शिव मंदिर के पीछे रहने वाले 24 वर्षीय सागर सिंह चौहान आ. अशोक सिंह व गांधीनगर बजरंग होटल के पास रहने वाले 18 वर्षीय प्रहलाद वासुदेव आ. योगेन्द्र चौबे को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। उन्होंने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि उनकी मां शांति सिंह ने आकर सूचना दी थी कि मोहल्ले में एक घर में ताला लगा हुआ है जिसके बाद रात 12 बजे दोनों आरोपी घर का मेन गेट फांदकर अंदर घुसे। अंदर जाने पर उन्हें के राइफल बंदूक और एक मैगजीन मिला जिसे उन्होंने अपने पास रख लिया। इसके बाद घर का लॉक खोलकर सोने का मंगलसूत्र, दो सोने की अंगूठी, सोने के टॉप्स, चांदी की पायल, चांदी का लॉकेट और लॉकर में रखे दो मैगजीन, कार की दो चाबी रख ली। आरोपियों ने आरक्षक के घर में ही सामान का बंटवारा किया और अपने जैकेट में छिपा लिया इसके साथ ही आरोपी सागर ने राइफल को अपने जैकेट के अंदर छिपा लिया। आरोपी पुनः गेट फांदकर घर भाग गए घर जाकर सागर चौहान ने सोने चांदी के गहने, गाड़ी की चाभी अपनी मां शांति देगी को दिया जबकि मां के कहने पर आरोपी सागर और उसके मिलकर प्रहलाद ने एके-47 राइफल, मैगजीन समेत कारतूस को बाड़ी में गड्ढा खोदकर प्लास्टिक बोरी में रखकर दबा दिया।

मामले की जानकारी देते एसपी व पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

8.50 करोड़ का लोन, 6 माह में ही बैंक ने थमाया 16 करोड़ का नोटिस

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

बैंक ऑफ इंडिया का रायगढ़ में लोन देने के नाम पर बड़ा स्कैम सामने आया है। इसे बैंक के ही अधिकारियों ने अंजाम दिया है। मां दुर्गा फूड प्रोडक्ट को लोन देने के नाम पर इन जोनल और डिप्टी जोनल मैनेजर तथा ब्रांच मैनेजर की मिली भगत से खेल खेला गया। राइस मिलर को 31 अगस्त को 8.50 करोड़ रुपए का लोन दिया गया। 6 माह में ही 10 फरवरी 2025 को उनके खाते को एनपीए घोषित कर उन पर 16 करोड़ रुपए की वसूली के लिए नोटिस जारी किया गया।

सुभाष अग्रवाल भाटा की रोड वार्ड नंबर 5 बरगढ़, जिला रायगढ़ के नाम से यह लोन जारी किया गया था। बैंक ऑफ इंडिया में लोन का पूरा प्रोसिजर करने के बाद उनका खाता खोला गया। बताया गया है कि जोनल मैनेजर, गायत्री कंपा, उप जोनल मैनेजर, नागेंद्र चौरसिया मुख्य प्रबंधक आशुतोष अरुण की भूमिका लोन पास कराने में थी। लोन पास होने के बाद राशि का आहरण कर लिया गया। अगस्त 2024 में खाता खोले जाने के 6 माह बाद राइस मिलर के खाते को 10 फरवरी 2025 को एनपीए करते हुए उन्हें लोन सेटलमेंट के लिए नया ऑफर दिया गया। सेटलमेंट के तौर पर लगभग 3 करोड़ रुपए का भुगतान कर इस प्रकरण को खत्म करने का ऑफर दिया गया। पूरे मामले में बड़े घोटाले को अंजाम दिए जाने का अंदेशा है।

जांच के बाद आएगा मामला सामने

बताया जाता है कि मामले को छिपने के लिए सेटलमेंट किया जा रहा है। जोनल मैनेजर द्वारा छोटे अधिकारी को परेशान किया जाता है। छोटे अधिकारी द्वारा लोन खराब होने पर उसे डरा दिया जाता है या उनके ऊपर अनुशासन के तहत कार्रवाई की जाती है। मामले में बड़े अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। इतनी बड़ी लोन की राशि बिना किसी वेरिफिकेशन के जारी करने में बैक ऑफ इंडिया के अफसरों की भूमिका की जांच करने से ही मामला पूरी तरह से सामने आएगा।

आधा दर्जन सहेलियों ने फिल्मी अंदाज में की मारपीट

रायपुर। ओडिशा, बलांगीर की एक युवती जो पेशे से फैसन डिजायनर है, उसने अपनी छह सहेलियों के खिलाफ मारपीट करने के साथ उसका नहाते हुए अश्लील वीडियो बनाने की थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मारपीट की वजह ब्वाय फ्रेंड विवाद बताया जा रहा है। मारपीट करने वाली लड़कियां कोरबा की रहने वाली हैं, घटना के बाद सभी आरोपी फरार हैं। घटना खम्हारडीह थाना क्षेत्र के भावना नगर की है। भावना नगर में पिछले सात वर्षों से किराए पर रह रही रहनुमा नाजिर ने अलीशा, अलीशा एम., दिव्या, मंजू, कोमल तथा रानी के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। रहनुमा ने पुलिस को बताया कि जब वो वाशरूम में नहा रही थी, तब लड़कियां चाकू लेकर घर के अंदर घुसीं।

वनकर्मचारियों का आंदोलन अवैधानिक मुख्यालय ने दी कार्रवाई की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ तथा छत्तीसगढ़ लघुवनोपज सहकारी समितियों में कार्यरत प्रबंधकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। लघुवनोपज संघ के हड़ताल पर जाने से तेंदूपत्ता खरीदी प्रभावित हो सकती है। इसके लिए वन मुख्यालय ने हड़ताल पर जाने वाले वनकर्मियों को तत्काल काम पर लौटने निर्देश जारी किया है। हड़ताल पर गए कर्मचारियों के वापस नहीं आने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है।

छत्तीसगढ़ वनकर्मचारी संघ ने 26 मार्च, तीन अप्रैल तथा राज्य लघुवनोपज सहकारी समिति प्रबंधक संघ ने दो अप्रैल को ज्ञापन सौंपा है। सौंपे गए ज्ञापन में लघुवनोपज संघ के सभी कार्यों का बहिष्कार करने की चेतावनी दी गई है।

इसके साथ ही नौ मार्च से चरणबद्ध आंदोलन की जा रही है। मांग पूरी नहीं होने पर दो मई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी गई है। लघुवनोपज सहकारी समिति प्रबंधक संघ ने पांच अप्रैल से अनिश्चितकालिन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। वन मुख्यालय ने लघुवनोपज सहकारी समिति प्रबंधक संघ तथा वन कर्मचारी संघ को पत्र जारी कर कहा है कि राज्य लघुवनोपज संघ तेंदूपत्ता के व्यापार के लिए नोडल एजेंसी है। समितियों के माध्यम से तेंदूपत्ता खरीदी कर वनवासियों को आजीविका प्रदाय की जाती है।

आईबी ग्रुप राजनांदगांव विकसित भारत की परिकल्पना पूर्ण करेगा

देश का सबसे बड़ा पोल्ट्री कॉन्क्लेव रायपुर में 8 अप्रैल से

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आईबी ग्रुप राजनांदगांव द्वारा 'विकसित भारत' की परिकल्पना को साकार करने के लिए विकसित पोल्ट्री, विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य के साथ आगामी 8 अप्रैल से देश के सबसे बड़े दो दिवसीय पोल्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन रायपुर के होटल ओमाया में किया जा रहा, जिसमें देश के करीब 6000 पोल्ट्री फार्मर्स और ट्रेडर्स शामिल होंगे।

- देश के करीब 6000 पोल्ट्री फार्मर्स और ट्रेडर्स शामिल होंगे

आईबी ग्रुप के एमडी बहादुर अली ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी राज्य को विकसित छत्तीसगढ़ के रूप में स्थापित करने की दिशा में पहल कर रहे है।

कॉन्क्लेव राज्य के विकास के लिए मील का पत्थर बनेगा

उल्लेखनीय है कि आईबी ग्रुप द्वारा आयोजित किया जा रहा पोल्ट्री कॉन्क्लेव छत्तीसगढ़ के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा।आईबी ग्रुप राज्य में ही नहीं पूरे देश में अपनी एक अलग ही पहचान रखता है। ग्रुप पोल्ट्री के अलावा अन्य क्षेत्र में भी कार्यरत है।

- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी राज्य को विकसित छत्तीसगढ़ के रूप में स्थापित करने की दिशा में पहल कर रहे

राज्य को प्रोटीन हब के रूप में विकसित करने का संकल्प

इस विचार को मूर्त रूप देने की दृष्टि से अब आईबी ग्रुप द्वारा 2035 तक छत्तीसगढ़ को देश का प्रोटीन हब के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया गया है। इसी उद्देश्य से देश के सबसे बड़े पोल्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। आगामी 8 व 9 अप्रैल को रायपुर के होटल ओमाया में यह आयोजन सम्पन्न होगा। इस कॉन्क्लेव में छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना सहित पूरे 28 राज्यों से फार्मर्स और ट्रेडर्स शामिल होंगे।

आधुनिक पोल्ट्री की जानकारी दी जाएगी

कॉन्क्लेव के पहले दिन देशभर से पोल्ट्री ट्रेडर्स इस आयोजन में उपस्थित होंगे जिसमें सुबह 9 बजे से 2 बजे तक तकनीकी एवं व्यवसाय विस्तार के बारे मार्गदर्शन दिया जाएगा। वहीं अगले दिन 9 अप्रैल को देश के पोल्ट्री किसान आयोजन में शामिल होंगे जिसमें उन्हें भी नई तकनीक से जोड़कर आधुनिक पोल्ट्री के बारे में जानकारी दी जाएगी।

अग्निवीर (एस एस आर / एम आर) और एस एस आर (मेडिकल) के रूप में जुड़िये

भारतीय नौसेना अग्निवीर (एस एस आर / एम आर) और एस एस आर (मेडिकल) के लिए ई-आवेदन पत्र आमंत्रित करती है

ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि : 29 मार्च से 10 अप्रैल 2025

प्रवेश	शैक्षिक योग्यता
अग्निवीर एस एस आर (सीनियर सेकेंड्री रिक्रूट)	भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त स्कूल शिक्षा बोर्ड से गणित और भौतिकी के साथ 10+2 में न्यूनतम 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। या केंद्रीय, राज्य और केंद्रशासित प्रदेश द्वारा मान्यता प्राप्त पॉलिटेक्निक संस्थान से इंजीनियरिंग (मैकेनिकल / इलेक्ट्रिकल / ऑटोमोबाइल / कंप्यूटर साइंस / इंस्ट्रुमेंटेशन टेक्नोलॉजी / सूचना प्रौद्योगिकी) में कुल 50% अंकों के साथ तीन साल का डिप्लोमा कोर्स उत्तीर्ण होना चाहिए। या केंद्रीय, राज्य और केंद्रशासित प्रदेश द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षा बोर्डों से गैर-व्यावसायिक विषय अर्थात भौतिकी और गणित के साथ कुल 50% अंकों के साथ दो साल का व्यावसायिक पाठ्यक्रम उत्तीर्ण किया होना चाहिए।
अग्निवीर एम आर (मैट्रिक रिक्रूट)	उम्मीदवार को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त स्कूल शिक्षा बोर्ड से न्यूनतम 50% अंकों के साथ मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।
एस एस आर (मेडिकल)	भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त स्कूल शिक्षा बोर्ड से बयोलॉजी, भौतिकी विषय और रसायन विज्ञान के साथ 10+2 में न्यूनतम 50% अंकों के साथ (40% न्यूनतम प्रति विषय) उत्तीर्ण होना चाहिए।

www.joinindiannavy.gov.in

ऐसा रहस्यमयी किला जहां सूर्यास्त के बाद जो भी गया वो वापस नहीं लौटा

नई दिल्ली। राजस्थान की धरती पर कई ऐतिहासिक किले और महल स्थित हैं, जो अपनी भव्यता और रहस्य से पर्यटकों को आकर्षित करते हैं लेकिन इनमें से एक किला ऐसा भी है जो अपने ऐतिहासिक महत्व के साथ-साथ अपनी भूतिया कहानियों के लिए प्रसिद्ध है। यह किला है भानगढ़ किला, जिसे भारत का सबसे डरावना और प्रेतवाधित किला माना जाता है। भानगढ़ किला अपनी रहस्यमयी घटनाओं और अतीत की दिलचस्प कहानियों के कारण रोमांच प्रेमियों के बीच अत्यंत लोकप्रिय है।

भानगढ़ किले का इतिहास

भानगढ़ किला राजस्थान के अलवर जिले में स्थित है। इसका निर्माण 16वीं शताब्दी में आमेर के राजा भगवंत दास ने अपने पुत्र माधो सिंह के लिए करवाया था। यह किला कभी एक समृद्ध नगर था, जहाँ राजा-महाराजाओं का वास था। लेकिन समय के साथ इस नगर का पतन हो गया और अब यह एक खंडहर में तब्दील हो चुका है। इस किले के इतिहास से जुड़ी कई रहस्यमयी कहानियाँ हैं, जिनकी वजह से इसे एक भूतिया किले के रूप में जाना जाता है।

भानगढ़ किले से जुड़ी रहस्यमयी कहानियाँ

भानगढ़ किले से जुड़ी सबसे प्रसिद्ध कहानी राजकुमारी रत्नावती और एक तांत्रिक की है। कहा जाता है कि राजकुमारी रत्नावती अपनी खूबसूरती के लिए प्रसिद्ध थीं। एक तांत्रिक उनसे प्रेम करता था और उसने एक जादुई तेल बनाकर राजकुमारी को वश में करने की कोशिश की। राजकुमारी को उसकी चाल समझ आ गई और उन्होंने उस जादुई तेल को एक पत्थर पर डाल दिया। कहा जाता है कि वह पत्थर लुढ़कता हुआ तांत्रिक के पास जा पहुँचा और उसकी मृत्यु हो गई।

रहस्यमयी आवाज़ें और परछाइयाँ

कई पर्यटक और स्थानीय लोग बताते हैं कि किले के अंदर अजीबोगरीब आवाजें सुनाई देती हैं। कभी किसी महिला की चीखने की आवाज़ आती है, तो कभी किसी के चलने की आहट महसूस होती है। कई बार यहाँ लोगों ने रहस्यमयी परछाइयाँ भी देखी हैं।

रात में प्रवेश निषेध : भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा इस किले को रात में बंद कर दिया जाता है और सूरज ढलने के बाद यहाँ किसी को भी रुकने की अनुमति नहीं होती। कहा जाता है कि जो भी व्यक्ति रात के समय इस किले में गया, वह कभी लौटकर नहीं आया।

रोचक खबरें

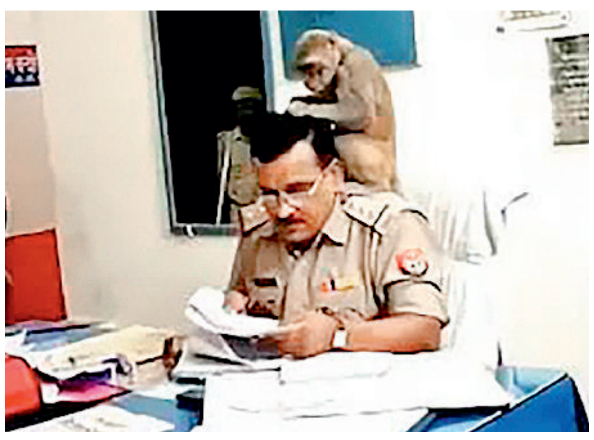

पुलिस स्टेशन में अफसर के कंधे पर बैठकर जुएं बीनते नजर आया बंदर

नई दिल्ली। आए दिन सोशल मीडिया पर बंदरों से जुड़े एक से बढ़कर एक अनोखे वीडियो शेयर किए जा रहे हैं, जिन्हें देखकर कई बार पेट पकड़कर हंसने को मजबूर हो जाते हैं। हाल ही में एक ऐसा ही वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है, जिसमें एक नटखट बंदर पुलिस स्टेशन में इंस्पेक्टर के सिर से जूं निकालता नजर आ रहा है। वीडियो में बंदर इतनी तेजी से जूं निकाल रहा है, जिसे देखकर लोग मौज लेते हुए कह रहे हैं कि, ऐसा लग रहा है जैसे ये मार्च एंड का टारगेट पूरा कर रहा है। बता दें कि, सरकारी नौकरी हो या प्राइवेट नौकरी, दोनों में साल की शुरुआत में जिस टारगेट के साथ कार्य शुरू किए जाते हैं उन्हें मार्च में खत्म करने होते हैं, जिसे मार्च एंड के नाम से जाना जाता है। नौकरी करने वाले लोग जानते हैं, कि इस समय का कितना प्रेशर होता है। इस वीडियो को देखकर उन्हें यही टारगेट टाइम याद आ रहा है। वायरल हो रहे इस वीडियो में देख सकते हैं कि एक इंस्पेक्टर कुर्सी पर बैठे-बैठे कुछ जरूरी पेपर वर्क कर रहे हैं। उनके सिर के ऊपर बैठकर बंदर उनके सिर से जूं निकाल रहा है, वो भी काफी तेजी से। सोशल मीडिया पर जिसने भी ये वीडियो शेयर किया है, उस पर लिखा है कि, 'मार्च क्लोजिंग चल रहा है', जिसका मतलब ये है कि मार्च के महीने का काम खत्म किया जा रहा है।

डॉल्फिन पानी के अंदर लेती है पोटेशियम साइनाइड से भी खतरनाक नशे की डोज और फिर करती है उत्पात

नई दिल्ली। डॉल्फिन... चटकीले रंग और पानी के ऊपर उछलकर कलाबाजी करने वाली इस खास मछली को आपने भी जरूर देखा होगा। करीब 2 मीटर तक लंबी और 20 किलो तक वजनी इस मछली की रफ्तार इतनी तेज होती है कि पलक झपकते ही आंखों के सामने से गायब हो जाती है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि पानी के अंदर डॉल्फिन नशा भी करती है। चौंकिए मत, लेकिन ये सच है। दरअसल, पानी के अंदर एक विशेष मछली से डॉल्फिन को नशे की डोज मिल जाती है।

डॉल्फिन की डाक्यूमेंट्री से खुलासा

डॉल्फिन मछलियों को लेकर बीबीसी वन की एक डॉक्यूमेंट्री 'डॉल्फिनः स्पाय इन द

पॉड' में इस बात का खुलासा हुआ था। इस डॉक्यूमेंट्री में बताया गया था कि समुंद्र के अंदर डॉल्फिन, पफर फिश को धीरे से चबाती है। ऐसा करने से पफर फिश के अंदर मौजूद जहर का थोड़ा सा अंश डॉल्फिन को मिल जाता है और वह नशे में हो जाती है।

खुल गया डॉल्फिन का बड़ा सीक्रेट, छिपे हुए कैमरों ने पकड़ी सारी हरकत

नशा निकालने के लिए दिमाग का इस्तेमाल

डॉल्फिन की गिनती बुद्धिमान जीवों में होती है और ये नशे के लिए अपने दिमाग का भरपूर इस्तेमाल करती हैं। पफर फिश ऐसी मछली है, जो गुस्से में आने पर अपने अंदर मौजूद जहर को छोड़ती है। डॉल्फिन जानती है कि इस मछली से सही मात्रा में जहर को कैसे निकाला जाए, जिससे उसे नशे के लिए एक डोज मिल जाए।

छिपे हुए कैमरों से हुई थी रिसर्च

डॉल्फिन पफर मछली को हल्के से चबाते हैं और आपस में एक-दूसरे को देते हैं। इसके बाद ये एक नशे जैसी अवस्था में चली जाती हैं। इस खोज को साल 2013 में अंजाम दिया गया था। डॉक्यूमेंट्री में छिपे हुए ऐसे कैमरों का इस्तेमाल किया गया था, जो नकली कछुओं, मछलियों और स्क्विड में छिपाए गए थे। इस तकनीक से पानी के अंदर डॉल्फिन की 900 घंटे से ज्यादा की

डॉल्फिन पर चौंकाने वाली रिपोर्ट

हालांकि, कुछ डॉल्फिन शोधकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने जंगली डॉल्फिन को ऐसा करते नहीं देखा है। डॉक्यूमेंट्री में शामिल वैज्ञानिकों ने इस बात को माना कि युवा उम्र की डॉल्फिन जानबूझकर नशीली चीजों के साथ प्रयोग करती हैं। यह देखना भी दिलचस्प था कि कैसे डॉल्फिन पफर मछली के साथ खेल रही थीं और बाद

पानी के भीतर अजीबोगरीब हरकतें

वैज्ञानिकों ने पाया कि पफर मछली को धीरे से चबाने और उसे इधर-उधर करने के बाद, डॉल्फिन ने अजीबोगरीब हरकतें करना शुरू कर दिया। इसके अलावा भी डॉल्फिन कई तरह के व्यवहार करती हैं, जिन्हें इंसान क्रूर मान सकते हैं। इनमें युवा डॉल्फिन की हत्या, मादा डॉल्फिन के साथ जबरन संबंध बनाना और ऐसे समुद्री जीवों को प्रताड़ित करना शामिल है, जिन्हें वे खाती नहीं हैं।

पोटेशियम साइनाइड से कहीं ज्यादा शक्तिशाली जहर

पफर फिश में पोटेशियम साइनाइड से भी 1,000 गुना ज्यादा शक्तिशाली जहर होता है और इसे टेट्रोडोटॉक्सिन या टीटीएक्स कहा जाता है। बैक्टीरिया से पैदा होने वाला यह जहर पफर फिश के लिवर में जमा होता है। कुछ ऑक्टोपस में भी ऐसे बैक्टीरिया मिलते हैं जो इस जहर को बनाते हैं। पफर फिश का जहर किसी इंसान को लकवाग्रस्त भी बना सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

प्राइवेट मेडिकल...

इसके शुल्क के नाम पर करीब पांच लाख रुपए प्रत्येक छात्र से अतिरिक्त वसूले गए। एक कॉलेज में हर साल करीब 600 छात्रों के पालकों को 30 करोड़ रुपए के शुल्क का अतिरिक्त भुगतान करना पड़ा, यानी पिछले चार साल में श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस जुनवानी भिलाई, श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, मोवा और रायपुर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस भानसोज ने मिलकर 360 करोड़ रुपए की अतिरिक्त वसूली कर डाली। फीस विनियामक समिति ने मामले की जांच के बाद शिकायत सही पाने पर तीनों कॉलेजों के खिलाफ कड़ा कदम उठाया और 10-10 लाख जुर्माना लगाने के साथ पिछले चार साल में हुई अतिरिक्त वसूली की वापसी 7 फीसदी ब्याज के साथ करने के निर्देश दिए। कॉलेजों को यह भी चेताया गया है कि एक माह के भीतर छात्रों के खाते में यह राशि जमा कराई जाए। जुर्माना राशि एक माह के भीतर जमा नहीं कराई जाती है तो तीनों मेडिकल कॉलेजों की मान्यता निरस्त कर दी जाएगी।

25.20 करोड़ अतिरिक्त...

आंकड़ों के अनुसार, तीनों कॉलेजों ने मिलकर चार साल में करीब 360 करोड़ रुपए वसूले हैं। 7 प्रतिशत ब्याज यानी 25 करोड़ 20 लाख रुपए अतिरिक्त राशि के साथ प्रभावित छात्रों को वापस करने होंगे। मनमानी वसूली के शिकार चिकित्सा छात्र शुल्क के रूप में जमा राशि की रिसिप्ट के आधार पर शुल्क प्राप्त करने के हकदार होंगे।

शिकायत सेल नैतिक...

से फीस वापसी के फैसले का स्वागत किया है। पिछले कुछ समय से पालकों की तरफ से शिकायतें मिलती रही हैं, लेकिन बच्चों के संभावित अहित के कारण कोई सामने नहीं आ पाता है। बेहतर होगा कि भविष्य में चिकित्सा शिक्षा विभाग की शिकायत सेल अपनी नैतिक जिम्मेदारी ठीक से निभाए और सभी मेडिकल कॉलेज चिकित्सा शिक्षा विभाग के ऑफिस तथा फीस नियामक समिति के दफ्तर में शिकायत अथवा सुझाव पेटी का प्रावधान करे।

एनआरआई से ज्यादा...

एनआरआई कोटे की सीट के लिए एक से सवा करोड़ रुपए तक लिए जाते हैं। यूजी के साथ पीजी यानी एमडी-एमएस की पढ़ाई करने वाले डॉक्टरों से भी अनिवार्य रूप से इस फीस की वसूली की जाती है, फिर चाहे में हॉस्टल में रहे अथवा न रहे। कॉलेज आने के लिए उपलब्ध वाहन का उपयोग करे या न करे और मेस में खाना खाए अथवा न खाए।

शाह की दो टूक,...

जरूरत नहीं है, मेरा पुनः निवेदन है कि हर गांव को नक्सलमुक्त करने का काम करें।

2025 में 521 नक्सली सरेंडर कर चुके-

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ आज हम दोनों तरह से आगे बढ़ रहे हैं। जो समझ गए हैं कि अब विकास के लिए हाथ में बंदूक की जरूरत नहीं है, अब कंप्यूटर की जरूरत है। विकास के लिए हाथ में आईईडी और हथगोला नहीं चाहिए, कलम चाहिए, वे सभी सरेंडर हो गए। 2025 के चौथे महीने के दौरान 521 नक्सली सरेंडर कर चुके हैं। वहीं 2024 में 881 नक्सली सरेंडर कर चुके हैं। शाह ने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाया हूं, जो सरेंडर होंगे वे मेन स्ट्रीम में आएंगे और जो हथियार उठाएंगे उनके खिलाफ सुरक्षाकर्मी मोर्चा संभालेंगे। चाहे जो भी होगा।

ग्राम सभा कर नक्सलियों का सरेंडर कराएं-

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि विकास, विश्वास और विजय की लौ के साथ हमारा बस्तर आगे बढ़ रहा है। आज मैं सभी से अपील कर रहा हूं एक गांव के विकास के लिए एक करोड़ रुपए मिलेगा। गांव में सबके आधार कार्ड बनेंगे, सबके राशन कार्ड बनेंगे। हर गांव में छोटा दवाखाना होगा, स्कूल होगी। मेरी विनती है कि जितने भी नक्सली आपके गांव में हैं। गांव में सभा कर सरेंडर की प्रक्रिया में डाल दीजिए, हमारे गांव विकास का रास्ता खुल जाएगा।

बस्तर प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विरासत का संगम-

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर एक प्राकृतिक स्वर्ग है, यहां अनेक जलप्रपात और अबूझमाड़ के घने जंगल हैं। यहां फिर से देश-दुनिया के पर्यटक आएंगे और बस्तर को उसका गौरवमय स्थान मिलेगा। बस्तर पंडुम में 47 हजार कलाकारों और बस्तर ओलंपिक में 1.65 लाख युवाओं की भागीदारी इस परिवर्तन की सबसे बड़ी गवाही है।

डबल इंजन सरकार की योजनाएं बदल रही हैं जिंदगी-

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 15 महीनों से राज्य में डबल इंजन की सरकार है। प्रधानमंत्री आवास योजना, किसानों से जुड़ी योजनाएं और 70 लाख माताओं और बहनों को हर महीने 1000 रुपए देने वाली महतारी वंदन जैसी योजनाओं के माध्यम से मोदी की गारंटी को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 100 से अधिक गांवों में सुरक्षा कैंप खोले जा चुके हैं। इन कैंपों के माध्यम से सड़क, बिजली, पानी, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, और स्कूल-अस्पताल जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। जहां पहले गोलियों की आवाज आती थी, अब वहां स्कूल की घंटी बज रही है।

नक्सल मुक्त गांव को मिलेगा एक करोड़-

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि बस्तर में तभी शांति आ सकती है, जब बस्तर के लोग तय करें कि हर गांव को नक्सल मुक्त कराएं। मुख्यमंत्री विष्णु देव और विजय शर्मा ने घोषणा किया है कि जो गांव नक्सली को सरेंडर कराएगा, उस गांव को नक्सलमुक्त घोषित कर एक करोड़ रुपये देंगे। यह बहुत बड़ी राशि है। इससे गांव का विकास होगा। अगले साल मार्च तक पूरे देश को इस लाल आतंक से मुक्त करने का काम भाजपा की सरकार करेगी।

लौटेंगे बस्तर के सुनहरे दिन : साय-

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर अब बदल रहा है, और यह बदलाव स्थायी होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि बस्तर के लोग अब नक्सलवाद से मुक्ति चाहते हैं और विकास की मुख्यधारा से जुड़कर आगे बढ़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर पंडुम और बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजन इस जनभावना के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री ने 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद को समाप्त करने का संकल्प लिया है। छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बल के जवानों की मजबूत कार्रवाई के कारण निरंतर सफलता मिल रही है। मुख्यमंत्री ने आशा जताई कि मां दंतेश्वरी की कृपा से यह संकल्प अवश्य पूरा होगा।

नन्हीं अक्षिता को...

राधा भाकर और अर्जुन भास्कर की पुत्री है। इनका मुख्य व्यावसाय खेती किसानी है। हरिभूमि से चर्चा में राधा भास्कर ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हमने कभी नहीं सोचा था। इस खुशी को हम जाहिर नहीं कर सकते। हम इसे गांव में जाकर साझा करेंगे।गौरतलब है कि समूह को 50000/-की राशि के अलावा प्रशस्ति पत्र केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से हाईस्कूल मैदान दंतेवाड़ा में प्राप्त किया।

86 नक्सलियों ने...

आईजी चंद्रशेखर रेड्डी के समक्ष आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो गए। छग के बस्तर में सक्रिय सभी नक्सलियों ने कोठागुडेम के हेमचंद्रपुरम पुलिस मुख्यालय पहुंचकर मल्टी जोन 1 के आईजी चंद्रशेखर रेड्डी के समक्ष आत्मसमर्पण किया। समर्पित नक्सली लंबे समय से नक्सल संगठन में सक्रिया रहकर आईईडी ब्लास्ट, फायरिंग, हत्या व ठेकेदारों से वसूली जैसी गंभीर मामलों में शामिल रहे हैं।

आईजी चंद्रशेखर रेड्डी ने बताया कि इन सभी ने तेलंगाना सरकार द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन चेयुथा से प्रभावित होकर छग के दक्षिण बस्तर एरिया में सक्रिय सभी नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। तेलगांना सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को पुनर्वास योजना के तहत तत्काल 25-25 हजार रुपए की सहायता राशि भी प्रदान की है। यह समर्पण ऐसे समय में हुआ, जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बस्तर में नक्सल विरोधी गतिविधियों की समीक्षा कर रहे हैं। यह घटनाक्रम सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी सफलता मानी जा रही है, जिससे क्षेत्र में शांति बहाली की उम्मीद और भी मजबूत हो गई है। दो दिन पूर्व सुकमा जिले में भी एसपी किरण चव्हाण के समक्ष नक्सली कमाण्डर बारसे देवा के भाई समेत 20 लाख के ईनामी 3 पुरुष व 1 महिला नक्सली ने आत्मसमर्पण किया था।

समर्पित नक्सलियों में यह शामिल-

तेलगांना स्टेट में समर्पण करने वाले नक्सलियों में 5 लाख का ईनामी सेण्ट्रल कमेटी मेंबर के प्रोटेक्शन कमाण्डर एसीएम एरिया कमेटी मेंबर 30 वर्ष निवासी रामपुर थाना उसूर जिला बीजापुर के अलावा पार्टी मेंबर माड़वी लक्के, कुजांम वनिता, हुर्रे सोढी, माड़वी नंदा, कड़ती देवा, वेट्टी हुंगा, कलमू देवा, कवासी बुधरा, मुसाकी रसा, कमलू सुक्का, केकडी देवा, वट्टी हुंगा, पोडियाम कोसा, कवासी आयता, मिड़ियम जोगा, वट्टी मडा, कुजांम देवा, कवासी मड्डा, वेको हड़मा, वेको भीमा, सोड़ी गंगी, सोड़ी भीमा, सुन्नम सर्वेश्वर, सोड़ी लक्ष्मैया, मड़कम गंगा, सुन्नम रमेश, माड़वी हिड़मा, माड़वी गंगा, सोड़ी हुर्रा, कट्टम गोविंद, पोयाम विराजु, माड़वी मड्डा, माड़वी पिके, माड़वी पोज्जे, मुचाकी पली, नुपो लिंगे, कुंजाम भीमा, माड़वी मड्डा, करका शंकर, पोयोम बुचीराजू, सुन्नम बाबूराव, सोड़ी मुक्के, माड़वी जोगा, मुचाकी भीमा, वाचेम दिलीप, लक्का कलमू, मड़कम जोगा, कलमू लक्के, कलमू गंगा, वेंजाम मुक्का, कलमा मोया, मड़कम आसमति, कट्टम हिड़मा, मड़कम गंगी, कुंजाम आयते, पदाम हिड़मा, कयमु काड़ा, सोड़ी बुदरा, माड़वी भीमा, माड़वी देवा, माड़वी जोगा, माड़वी उरा, माड़वी भीमा, माड़वी रमेश, माड़वी सुभाष, सोड़ी सुकमति व अन्य शामिल है।

डबल इंजन की सरकार...

लिए राज्य पुलिस और केन्द्रीय सुरक्षा एजेंसियाँ में समन्वय और बेहतर होना चाहिए। श्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विकास और सुरक्षा दोनों ही मोर्चो पर प्रगति संतोषजनक हुई है। उन्होंने छत्तीसगढ़ प्रशासन से नक्सल प्रभावित इलाकों में सरकारी योजनाएं जन-जन तक पहुंचाने के लिए बनाई गई 'नियद नेल्लानार' को सुरक्षा बलों के शिविरों के 5 किलोमीटर के दायरे से बढ़ाकर 10 किलोमीटर करने को कहा। श्री शाह ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की जनता को विकास के समान अवसर मिले। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नक्सल विरोधी अभियान का **Momentum** किसी भी सूरत में कम नहीं होना चाहिए। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, आईबी के निदेशक, केंद्रीय गृह मंत्रालय में विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, सीमा सुरक्षा बल और भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के महानिदेशक, छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

आरटीआई ने जानकारी...

आयोग से वर्ष 2020 से लेकर फरवरी 2025 तक की जानकारी मांगी। इसके तहत उन्हें राज्य सूचना आयोग ने बताया कि 1 जनवरी 2020 से 21 फरवरी 2025 तक 2493 जन सूचना अधिकारियों पर सूचना नहीं देने, जानबूझकर देरी करने या अधिनियम की अवहेलना करने के कारण 4 करोड़ 81 लाख 77 हजार 188 रुपए का अर्थदंड (जुर्माना) लगाया गया। आयोग ने स्पष्ट आदेश दिया था कि इन अधिकारियों से वसूली कर राज्य सरकार के राजकोष में राशि जमा कराई जाए, लेकिन इनमें से मात्र 286 अधिकारियों से 42 लाख 31 हजार 250 रुपए की वसूली की गई है। बाकी 2207 अधिकारी अब तक बचे हुए हैं, जिनसे 4 करोड़ 39 लाख 45 हजार 938 रुपए की वसूली नहीं की गई है। यह राशि सीधा-सीधा सरकार के राजस्व को नुकसान है।

प्रशासन की विफलता...

करना प्रशासन का कार्य है। यदि अधिकारी आदेश के बावजूद वसूली नहीं कर रहे हैं, तो यह सरकार की प्रशासनिक विफलता और राजस्व संरक्षण में लापरवाही को दर्शाता है।

जिम्मेदार अफसरों ने...

सूचना अधिकारी लापरवाही करते हैं, तो उन पर जुर्माना लगाया जाता है और वसूली की जिम्मेदारी उनके वरिष्ठ अधिकारियों की होती है।

खनिज प्रबंधन में...

कि खनिज राजस्व संग्रहण में जिला दंतेवाड़ा ने सर्वाधिक 6 हजार 580 करोड़ रुपये का योगदान दिया है जो प्रदेश में सबसे अधिक है। इसके अलावा कोरबा से 2 हजार 148 करोड़, रायगढ़ से 2027 करोड़, बालोद से 1 हजार 313 करोड़, सरगुजा से 585 करोड़, बलौदाबाजार से 354 करोड़, कांकेर से 328 करोड़, तथा सूरजपुर से 155 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्त हुआ है।**देश में छत्तीसगढ़ की भागीदारी 16 फीसदी**-देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की मात्र 4 प्रतिशत की हिस्सेदारी होते हुए भी छत्तीसगढ़ का देश के कुल खनिज उत्पादन मूल्य में 16 प्रतिशत से अधिक की भागीदारी है। यहां मुख्य रूप से लौह अयस्क, कोयला, चूना पत्थर और बाक्साइट के विशाल भंडार हैं, जो खनिज राजस्व के प्रमुख स्रोत हैं। अब तक 44 खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी की जा चुकी है, जिसमें अब तक चूना पत्थर के 14, लौह अयस्क के 9, बॉक्साइट के 11, स्वर्ण के 3, निकल, क्रोमियम के 2, ग्रेफाइट के 2, ग्लूकोनाइट के 2 और लिथियम के 1 खनिज ब्लाक की निलामी की गई है। **खनिज अन्वेषण कार्यों का विस्तार**-राज्य सरकार ने चूना पत्थर, बॉक्साइट, लौह अयस्क और ग्रेफाइट सहित कुल 13 खनिज परियोजनाओं में अन्वेषण कार्य शुरू किया है। प्रारंभिक सर्वेक्षणों में चूना पत्थर के 283 मिलियन टन, लौह अयस्क के 67 मिलियन टन और बॉक्साइट के 3 लाख टन भंडार का अनुमान लगाया गया है। स्वर्ण, ग्रेफाइट और ग्लूकोनाइट जैसे खनिजों की खोज भी की जा रही है, जिससे राज्य के खनन क्षेत्र को और मजबूती मिलेगी।

देश में छत्तीसगढ़...

निकल, क्रोमियम के 2, ग्रेफाइट के 2, ग्लूकोनाइट के 2 और लिथियम के 1 खनिज ब्लाक की निलामी की गई है।

लिथियम नीलामी में...

संभावना है कि भविष्य में छत्तीसगढ़ भारत का प्रमुख लिथियम उत्पादन केंद्र बन सकता है।

भारतमाला में गड़बड़ी...

सितंबर 2023 में प्राप्त हो गई थी। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने विधानसभा में अपने वक्तव्य में भी स्वीकार किया कि 43 करोड़ 18 लाख रुपए अधिक मुआवजा भुगतान कर शासन को करोड़ों की क्षति पहुंचाई गई।चार शिकायतों की जांच में ही 48 करोड़ का खेलभारतमाला प्रोजेक्ट में गड़बड़ी के संबंध में जिला प्रशासन के माध्यम से राज्य शासन को चार शिकायतें मिली। इन सभी शिकायतों की जांच कराई गई। शिकायतें जांच में न सिर्फ सही पाई गई, बल्कि पहली ही शिकायत में 43.18 करोड़ की गड़बड़ी का खुलासा हुआ। अन्य तीन शिकायतों में भी लगभग पांच करोड़ की गड़बड़ी पाई गई। इस तरह चारों शिकायतों की जांच में 48 करोड़ का खेल सामने आया।

एएसआई को 10...

पर अनावेदक द्वारा गाड़ी को अपने पास रखवा लिया गया। दूसरे दिन सुबह मनोज मिश्रा द्वारा पंचराम के वाहन को वापस कर दिया गया और कहा गया कि पैसे की व्यवस्था जल्द कर लेना। पंचराम मनोज मिश्रा को रिश्वत की रकम नहीं देना चाहता था बल्कि रिश्वत लेते हुए मनोज मिश्रा को पकड़वाना चाहता था, जिस पर शिकायत का सत्यापन कराने पर शिकायत सही पाए जाने से मनोज मिश्रा को पकड़ने की योजना एसीबी द्वारा बनाई गई।

पीएम मोदी को...

राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने कुल सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें त्रिंकोमाली को ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने तथा पावर ग्रिड कनेक्टिविटी पर एक समझौता शामिल है। इससे पहले बैठक में प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के बीच मछुआरों के विवादास्पद मुद्दे को मानवीय दृष्टिकोण से सुलझाने की वकालत की और उम्मीद जताई कि श्रीलंका तमिल लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगा और प्रांतीय परिषद के चुनाव कराएगा। अन्य महत्वपूर्ण कदमों में, भारत ने कोलंबो के लिए आर्थिक सहायता के एक भाग के रूप में ऋण पुनर्गठन समझौतों को भी मजबूत किया तथा ऋणों पर ब्याज दरों को कम करने का निर्णय लिया। मोदी ने घोषणा की कि श्रीलंका के पूर्वी प्रांतों के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए लगभग 2.4 अरब लंकाई रुपए का सहायता पैकेज प्रदान किया जाएगा। मोदी-दिसानायके वार्ता में 10 से अधिक ठोस परिणाम सामने आए, रक्षा समझौते को रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। यह समझौता श्रीलंका में भारतीय शांति रक्षा सेना के हस्तक्षेप के लगभग 35 साल बाद हुआ है।

जगुआर लैंड रोवर...

असेंमबल्ड व्हीकल्स पर 25 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद आया है। यह ऑर्डर ऑटो कंपोनेंट पर भी लागू होता है और उन आइटम्स पर टैरिफ 3 मई से लागू होगा। हालांकि भारत के कार मैन्युफैक्चरर को अमेरिका को सीमित एक्सपोर्ट के कारण कम डायरेक्ट इंपैक्ट का सामना करना पड़ेगा, फिर भी टाटा मोटर्स को अपनी ब्रिटिश सब्सिडियरी जेएलआर के जरिए नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। जेएलआर के प्रवक्ता ने ईमेल से भेजे गए बयान में कहा अमेरिका जेएलआर के लक्जरी ब्रांड्स के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। हम अपनी मिड-टू-लॉन्गर-टर्म के प्लान को डेवलप करते हुए अप्रैल में शिपमेंट रोकने सहित शॉर्ट-टर्म एक्शन ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम अपने बिजनेस पार्टनर्स के साथ नई ट्रेडिंग शर्तों को एड्रेस करने के लिए काम कर रहे हैं. हम अपने शॉर्ट टर्म एक्शन को लागू कर रहे हैं, जिसमें अप्रैल में शिपमेंट रोकना भी शामिल है।

संजय के दीक्षित

चाल, चरित्र और लाल बत्ती

आखिरकार, सत्ताधारी पार्टी के 36 नेताओं को निगम-मंडलों में पोस्टिंग मिल गई। इनमें जमीन की दलाली और चापलूसी के लिए ख्यात कुछ गुरूघंटाल अच्छी पोस्टिंग पाने में कामयाब हो गए। बावजूद इसके पार्टी ने चाल-चलन और चरित्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। सरकार बनने के बाद छह महीने तक जिन नेताओं ने मौके का फायदा उठाकर जमकर तोड़ी की, पार्टी ने उन्हें लाल बत्ती से आंखें फेर लिया। शौकीन मिजाजी को लेकर चर्चित कुछ नेताओं को झटका देकर बड़ा संदेश देने की कोशिश की गई है। लाल बत्ती के लिए सरकार और संगठन ने जो पैरामीटर सेट किया था, उनमें पार्टी के लिए परिश्रम के साथ छबि और आचरण मुख्य था। यही वजह रही कि काली कमाई वाले कुछ कारोबारी नेता अटैची लेकर घूमते रहे...मगर उनकी दाल नहीं गल पाई।

एक निगम, दो पार्टनर

रमन सरकार की तीसरी पारी में बीजेपी नेता छगन मूंदड़ा सीएसआईडीसी के चेयरमैन रहे। कांग्रेस गवर्नमेंट में यह पद खाली रहा। सरकार ने इसमें पोस्टिंग की जरूरत नहीं समझी। मगर विष्णुदेव सरकार ने राजीव अग्रवाल को सीएसआईडीसी का चेयरमैन बनाया है। राजीव रायपुर बीजेपी के शहर अध्यक्ष रहे हैं। वे छगन मूंदड़ा के बिजनेस पार्टनर हैं। छगन और राजीव ने मिलकर रायपुर रियल इस्टेट कंपनी बनाई थी। चलिये, सीएसआईडीसी में छगन के अनुभवों का लाभ राजीव को मिलेगा। दूसरा, सबसे महत्वपूर्ण यह कि वैश्य समुदाय को अब रंज नहीं रहेगा कि नई सरकार में उन्हें वेटेज नहीं दिया जा रहा।

सबसे बड़ा बोर्ड

ऐसे तो कहा जाए तो साल में 25 हजार करोड़ से अधिक का कारोबार करने वाला मार्केटिंग फेडरेशन याने मार्कफेड छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा बोर्ड (फेडरेशन) होगा। मगर नेताओं की नोटिस में न होने से सबसे अधिक आकर्षण सीएसआईडीसी, क्रेडा, माईनिंग कारपोरेशन, पाठ्य पुस्तक निगम, नागरिक आपूर्ति निगम, ब्रेवरेज कारपोरेशन जैसे बोर्ड-निगमों का रहता है। अलबत्ता, बिना मगजमारी के झोली भरने वाली निगम है तो वह है पाठ्य पुस्तक निगम की। एकदम साफ-सुथरा काम। साल में एक बार 50 लाख पुस्तकों के लिए पेपर और प्रिंटिंग का टेंडर होता है, और गिरे हालत में चार-पांच खोखा का इंतजाम। ब्रेवरेज कारपोरेशन में भी बिना मेहनत का सब कुछ आता है। ब्रेवरेज में प्रबल प्रताप की दावेदारी प्रबल होने के बाद भी पता नहीं वे कैसे चूक गए।

लाल बत्ती के बाद फुल स्टॉप

मोतीलाल वोरा को छोड़ दें तो अविभाजित मध्यप्रदेश और पृथक छत्तीसगढ़ में कोई ऐसा चेहरा नहीं, जो निगम-मंडल अध्यक्ष की कुर्सी के बाद सियासत में शिखर पर जा पाया या नाम कमाया हो। अपवाद के तौर पर मोतीलाल वोरा राज्य परिवहन संघ के अध्यक्ष रहे, उसके बाद मंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल और केंद्रीय मंत्री तक पहुंचे। उनके अलावा कनक तिवारी हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन रहे और रामानुजलाल यादव माईनिंग कारपोरेशन के। दोनों का सियासी कैरियर इसी के साथ खतम हो गया। छत्तीसगढ़ बनने के बाद 25 सालों में कोई ऐसा निगम-मंडल के अध्यक्ष का नाम आपके ध्यान में नहीं होगा, जो उसके बाद राजनीतिक कैरियर आगे बढ़ा हो। गौरीशंकर अग्रवाल जरूर माईनिंग कारपोरेशन के चेयरमैन रहने के बाद विधानसभा अध्यक्ष बनें। मगर उन्हें अगले चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। उनका भी सियासी कैरियर अब खतम ही समझिए। छत्तीसगढ़ बनने के बाद चार मुख्यमंत्री बनें और चारों सरकारों में 65 से अधिक मंत्री रहे, मगर किसी का भी बैकग्राउंड निगम और मंडल वाला नहीं रहा। बहरहाल, अभी जिन 36 नेताओं को पोस्टिंग मिली है, उनमें कई अच्छे और बढ़ियां काम करने वाले चेहरे हैं, उन्हें किसी अच्छे पंडित से 'ग्रह-दशा' ठीक करा लेनी चाहिए। नहीं हो तो अटल श्रीवास्तव से मशिवरा कर लें। अपवादस्वरूप पर्यटन बोर्ड के चेयरमैन रहने के बाद वे विधायक बनने में कामयाब रहे, वो भी मोदी गांरटी की लहर में।

हाईटेक लोक सुराज

लोक सुराज अभियान को इस बार गुड गवर्नेंस से जोड़ा जा रहा है। नाम भी रखा गया है सुशासन तिहार। इस बार शिकायत नहीं, सरकार समाधान पर जोर दे रही है। इसलिए शिकायत पेटी नहीं, समाधान पेटी और समाधान शिविर की बातें हो रही। इस बार टेक्नॉलॉजी का भरपूर इस्तेमाल किया जाएगा। शिकायतों के लिए पंचायत मुख्यालयों में समाधान पेटी रखी जाएगी, तो लोग चलते-फिरते मोबाइल से भी अपने प्राब्लम पोर्टल पर दर्ज कर सकेंगे। साफ्टवेयर ऐसा तैयार किया जा रहा कि मोबाइल नंबर टाईप कर आवेदन की स्थिति का पता चल जाएगा। किस जिले में कितने आवेदन आए और उसका कैसे निबटारा हुआ...सीएम सचिवालय से इसकी सत्त मानिटरिंग की व्यवस्था बनाई जा रही है। पूरा सीएम सचिवालय पखवाड़े भर से इस काम में जुटा हुआ है। मुख्यमंत्री से लेकर मंत्रियों और प्रभारी सचिवों का महीने भर का दौरा कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है।

ईओडब्लू जांच और ब्रेकर!

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव सरकार शुरू से गुड गवर्नेंस को प्रायरिटी दे रही है। जाहिर है, सरकार बनते ही मंत्रियों को आईआईएम में क्लास कराई गई थी। सुशासन की दिशा में सरकार ने कई फैसले भी किए हैं। मुख्यमंत्री ने कई मौकों पर कहा है...करप्शन में किसी को बख्शा नहीं जाएगा। अभनपुर भारतमाला परियोजना में 324 करोड़ के घोटाले में उन्होंने ईओडब्लू जांच का ऐलान करने में देर नहीं लगाई। मगर यह भी सही है कि सिस्टम में बैठे कुछ लोग सरकार के गुड गवर्नेंस लाने की कोशिशों में रोड़े अटका रहे हैं। आलम यह है कि अभनपुर मुआवजा घोटाले की जांच की 12 मार्च को घोषणा हुई और उसकी नोटशीट सामान्य प्रशासन विभाग की फाइलों की ढेर से बाहर निकल नहीं पा रही है। सिस्टम को गुड गवर्नेंस के ऐसे 'ब्रेकरों ' पर नजर रखनी चाहिए।

कलेक्टरों का ट्रांसफर

सुशासन तिहार से पहले कलेक्टरों के ट्रांफसर की चर्चाएं बड़ी गर्म है। पिछले बुधवार को लिस्ट निकलने की अटकलें ब्यूरोक्रेसी में बड़ी तेज थी। हालांकि, सस्पेंस इस पर भी है कि लोक सुराज से पहले ट्रांसफर होंगे या बाद में। इसमें ताजा अपडेट है...लोक सुराज से पहले कलेक्टरों की एक लिस्ट निकलेगी। अमित शाह के दौरे के बाद इस पर मंत्रणा होगी कि किन-किन जिलों में बदलाव किया जाए। वैसे लिस्ट बहुत बड़ी नहीं होगी। पांच-सात जिले इसकी चपेट में आ सकते हैं। 8 अप्रैल से सुशासन तिहार शुरू होने वाला है। ऐसे में लगता है कि दो-एक दिन में सरकार को इस पर फैसला लेना होगा।

नए सीआईसी और परसेप्शन

मुख्य सूचना आयुक्त का इंटरव्यू देने चीफ सिकरेट्री अमिताभ जैन और निर्वतमान डीजीपी अशोक जुनेजा एक साथ हंसते-मुस्कराते सर्किट हाउस पहुंचे थे...उसको लेकर प्रशासनिक हल्को में तरह-तरह की बातें हो रही हैं। लोग जुनेजा को लेकर दावे कर रहे हैं...वे ऐसे ही दिल्ली से फ्लाइट पकड़कर सीआईसी का इंटरव्यू देने थोड़े आए होंगे। मगर सवाल है, जुनेजा अगर सीआईसी तो फिर चीफ सिकरेट्री अमिताभ जैन का क्या? अमिताभ को लोग बिजली कंपनियों का चेयरमैन बना दे रहे हैं। दलील भी कि एसके मिश्रा और शिवराज सिंह सीएस से रिटायरमेंट के बाद इस पद को संभाल चुके हैं। मगर ये बातें हैं...बातें का क्या। फैसला मुख्यमंत्री को लेना है। कई बार परसेप्शन कुछ और बनता है और होता कुछ और है।

चीफ सिकरेट्री की विदाई

छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के ढाई दशक में 11 मुख्य सचिव हुए हैं। अमिताभ जैन 12वें हैं। इन 11 में से आठ की विदाई सामान्य रही। सुनिल कुमार के लिए तो कैबिनेट की बैठक बुलाई गई थी। मगर तीन मुख्य सचिवों की किस्मत वैसी नहीं रही। एक तरह से कहें तो बेआबरु होकर तेरे कूचे...सरीखी स्थिति रही। पी. जॉय उम्मेन को रमन सिंह सरकार ने हटाया तो खफा होकर उन्होंने वीआरएस ले लिया। यद्यपि, सरकार ने उन्हें सरकारी बिजली कंपनी का चेयरमैन पद पर कंटिन्यू करने का ऑफर दिया था। मगर छुट्टी में रहने के दौरान हटा देना उन्हें अपमानजनक लगा और केरल से ही वीआरएस के लिए अप्लाई कर दिया। उनसे पहले आरपी बगाई से भी राज्य सरकार के रिश्ते अत्यधिक खराब हो गए थे। चूंकि उनका कार्यकाल कम बचा था, इसलिए उन्हें हटाया नहीं गया मगर पुराने लोगों को याद होगा कि नक्सल सलाहकार केपीएस गिल को लेकर चीफ सिकरेट्री और सरकार के बीच कैसी खटास आ गई थी। दरअसल, केपीएस गिल को बगाई के सुझाव पर सरकार ने एडवाइजर बनाया था मगर गिल के शाही शौक और नित नए डिमांड से सरकार आजिज आ गई थी। उपर से केपीएस के पक्ष में बगाई की वकालत। इसका नतीजा यह हुआ कि सरकार और सीएस के बीच रिश्ते काफी तल्ख हो गए थे। सरकार के तेवर भांप आईएएस एसोसियेशन की बगाई की विदाई देने की हिम्मत नहीं पड़ी। इसके बाद तीसरा नंबर विवेक ढांड का रहा। हालांकि, उनका मामला सार्वजनिक नहीं हो पाया। ढांड का रेरा चेयरमैन में सलेक्शन हो चुका था। समझा जा रहा था कि रिटायर होने के बाद वे नई जिम्मेदारी संभालेंगे। सरकार और उनके रिश्ते में दूरियां तब सामने आई, जब रमन सिंह और उनकी टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे से यकबयक ढांड का नाम कट गया। उसके बाद एक रोज अचानक खबर आ गई कि ढांड ने वीआरएस लिया और अजय सिंह को नया मुख्य सचिव बनाया गया। जाहिर है, सीएस के तौर पर ढांड का अंतिम समय अच्छा नहीं रहा। इस मामले में अपने अमिताभ जैन का जवाब नहीं। पिछली सरकार ने सीएस बनाया। सरकार बदली...पांचवा साल चल रहा, मगर ना काहू से दोस्ती, ना काहू से वैर। सबसे अधिक समय तक सीएस की कुर्सी पर रहने का कीर्तिमान बनाने के बाद भी अमिताभ जैन सभी के लिए कंफर्ट...सभी के लिए ठीक रहे।

सीएस और डीजीपी की छुट्टी

छत्तीसगढ के 25 बरसों में सिर्फ तीन बार सरकार बदली है। पहली बार 2003 में। फिर 2018 और 2023 में। 2003 में अजीत जोगी सरकार बदली तो एसके मिश्रा चीफ सिकरेट्री थे। रमन सरकार ने उन्हें रिटायर होते तक कंटिन्यू ही नहीं किया, बल्कि बाद में सीएसईबी चेयरमैन की पोस्टिंग भी दी। 2018 में जब कांग्रेस सरकार बनी तो अजय सिंह मुख्य सचिव थे। अजय को महीने भर में हटा दिया गया। उनकी जगह सुनील कुजूर को नया सीएस बनाया गया। 2023 में जब सरकार बदली तो अमिताभ जैन चीफ सिकरेट्री थे, वे अभी भी कंटिन्यू कर रहे हैं। पोस्टिंग के मामले में बेहद किस्मती रहे अजय सिंह का चीफ सिकरेट्री के तौर पर हार्ड लक रहा। सरकार बदलने पर हटाए जाने वाले एकमात्र सीएस के रूप में उनका नाम दर्ज हो गया। रही बात डीजीपी की तो सरकार बदलने के बाद डीजीपी हमेशा टारगेट पर रहे, सिर्फ अशोक जुनेजा को छोड़। 2003 में बीजेपी की सरकार बनने के थोड़े दिन बाद ही अशोक दरबार को बदल दिया गया। 2018 में एएन उपध्याय को सरकार गठित होने के 24 घंटे के भीतर हटाया गया। सिर्फ जुनेजा ऐसे आईपीएस रहे, जो रमन सिंह सरकार में खुफिया चीफ रहने के बाद भी कांग्रेस सरकार में डीजीपी बने और फिर बीजेपी सरकार में अपना कार्यकाल कंप्लीट किया।

अंत में दो सवाल आपसे

1. क्या छत्तीसगढ़ के अगले चीफ सिकरेट्री अमित अग्रवाल होंगे?
2. बोर्ड-निगमों की पोस्टिंग में रायपुर जिले को सबसे अधिक जगह मिलने के बाद क्या नए मंत्रियों में रायपुर की संभावना खतम समझा जाए?

सभापति ने हटवाए अपने ही बैनर-पोस्टर

रायपुर। राजधानी रायपुर की सड़कों पर लगे विद्युत खंबो सहित अनेक स्थानों पर विभिन्न राजनैतिक पार्टी के नेताओं सहित कई धार्मिक सहित अन्य संगठन व समितियों के लोगों के अवैध रूप से बैनर पोस्टर लगे हुए हैं, जिससे शहर की सुंदरता भी खराब हो रही हैं। रायपुर नगर निगम के नवनिर्वाचित सभापति सूर्यकांत राठौड़ ने शहर की सुंदरता को बनाए रखने की दिशा में एक कदम बढ़ाते हुए सबसे पहले स्वयं की फोटो के साथ लगे बैनर-पोस्टरों को हटवाने की कार्रवाई की। सभापति सूर्यकांत राठौड़ के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर उनके समर्थकों ने निगम मुख्यालय के सामने सड़क पर लगे पोल सहित कई जगहों पर शुभकामना संदेश के साथ उनकी फोटो लगे बैनर-पोस्टर टांगे थे। सभापति ने पदभार सभांलने के बाद शुक्रवार को निगम मुख्यालय के सामने पोल पर जगह-जगह अपने बैनर-पोस्टर लगे देखे, जिसे उन्होंने तत्काल हटाने अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके बाद निगम की टीम ने सभी बैनर-पोस्टर को हटाने की कार्रवाई की। सभापति के निर्देश पर हुई कार्रवाई के बाद निगम मुख्यालय के अधिकारी-कर्मचारियों से लेकर पार्टी के कार्यकर्ता भी उनके द्वारा उठाए गए इस कदम की सराहना की जा रही हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

कमीशनिंग कार्य हेतु निविदा सूचना

ई–निविदा सूचना संख्याः 99–एसएनटी–परियोजना–निविदा–2025 दिनांक : 24.03.2025.

कार्य : दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सीएसटीईरु/प्रोजेक्ट–।। यूनिट की देखरेख में बिलासपुर, रायपुर और नागपुर डिवीजन के अधिकार क्षेत्र में स्टेशनरी कवच, टावर, ओएफसी, आईपी–एमपीएलएस और अन्य संबद्ध कार्यों के सर्वेक्षण, डिजाइन सत्यापन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमिशनिंग, के लिये विभिन्न निर्माण स्थलों/अनुभागों पर परियोजना पर्यवेक्षण सेवाएं प्रदान करने के लिये परियोजना पर्यवेक्षण सेवा एजेंसी (पीएसएसए) की नियुक्ति।

निविदा मूल्य : ₹ 6,14,11,106/– (रूपये छः करोड़ चौदह लाख ग्यारह हजार एक सौ छः मात्र)। **अमानत राशि** : ₹ 4,57,100/– (रूपये चार लाख सनतावन हजार एक सौ मात्र), **निविदा जमा करने की तिथि तथा समयः** 09.05.2025 के 15:00 बजे तक। विस्तृत जानकारी ई निविदा में पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियंता निर्माण बिलासपुर दपूम रेलवे के कार्यालय में संपर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उससे देख सकते हैं।

उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजी.(परियोजना–।।)
सीपीआर/10/एफएल/04 दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

भारतीय वायु सेना INDIAN AIR FORCE

अग्निवीर वायु के रूप में भारतीय वायुसेना में शामिल हों

भारतीय वायु सेना **अविवाहित भारतीय पुरुष और महिला उम्मीदवारों को 10 जून 2025 से 18 जून 2025 तक 2 एएससी सी/ओ रेस कोर्स कैंप, वायु सेना स्टेशन, नई दिल्ली और 7 एएससी, नंबर 1 कब्बन रोड, बेंगलुरु (कर्नाटक) में पूर्व-पंजीकृत भर्ती रैली में उपस्थित होने के लिए आमंत्रित करती है ताकि वे अग्निवीरवायु (संगीतकार) के रूप में भारतीय वायुसेना में शामिल हो सकें।**

प्रवेश 01/2026

1. स्थल/स्थानः **2 एएससी सी/ओ रेस कोर्स कैंप, वायु सेना स्टेशन नई दिल्ली (नई दिल्ली) और 7 एएससी, नंबर 1 कब्बन रोड, बेंगलुरु (कर्नाटक)।**

2. वैवाहिक स्थिति और जन्म तिथि ब्लॉक उम्मीदवार अविवाहित होना चाहिए और उसका **जन्म 01 जनवरी 2005 और 01 जुलाई 2008 (दोनों तिथियां सम्मिलित)** के बीच होना चाहिए।

3. (ए) शैक्षणिक योग्यताः किसी भी सरकारी मान्यता प्राप्त स्कूल/बोर्ड से न्यूनतम उत्तीर्ण अंकों के साथ मैट्रिकुलेशन/10वीं या समकक्ष उत्तीर्ण।

(बी) संगीत योग्यताः (i) उम्मीदवारों को संगीत में दक्षता के साथ ताल, पिच में सटीकता और एक पूरा गाना गाने में सक्षम होना चाहिए। उन्हें एक प्रारंभिक धुन और कोई भी नोटेशन जैसे स्टाफ नोटेशन/टैबलेचर/टॉनिक सोल्फा/हिंदुस्तानी/कर्नाटक आदि बजाने में सक्षम होना चाहिए।
उम्मीदवारों को व्यक्तिगत उपकरणों को ट्यून करने में सक्षम होना चाहिए (उन उपकरणों के मामले में जिन्हें ट्यूनिंग की आवश्यकता होती है) और वोकल या उपकरणों पर अज्ञात नोट्स का मिलान करना चाहिए।
(ii) उम्मीदवारों को सूची ए या बी से किसी एक वाद्ययंत्र को बजाने में दक्षता होनी चाहिए।

सूची - ए	सूची - बी
(एए) कॉन्सर्ट बांसुरी/पिकोलो।	(एए) कीबोर्ड/ऑर्गन/पियानो
(एबी) ओबो.	(एबी)गिटार (ध्वनिक /लीड/बास)
(एसी) क्लैरिनेट इन ईबी/बीबी.	(एसी) वायलिन, वायोला, स्ट्रिंग बास
(एडी) सैक्सोफोन इन ईबी	(एडी) पर्क्यूशन/ ड्रम (ध्वनिक/ इलेक्ट्रॉनिक)
(एई) फ्रेंच होम इन एफ/बीबी.	(एई) सभी भारतीय शास्त्रीय वाद्ययंत्र.
(एएफ) ट्रम्पेट इन ईबी/सी/बीबी.	
(एजी) ट्रॉम्बोन इन बीबी/जी.	
(एएच) बैरिटोन.	
(एजे) यूफोनियम.	
(एके) बास/ट्यूबा इन ईबी/बीबी.	

(iii) यह वांछनीय है कि उम्मीदवारों को दो वाद्य बजाने में दक्षता हो (ऊपर दी गई सूची ए और बी में से एक-एक).

(सी) संगीत अनुभव प्रमाण पत्रः अभ्यर्थियों के पास निम्नलिखित में से कोई एक अनुभव प्रमाण पत्र होना चाहिएः-
(i) किसी मान्यता प्राप्त संगीत संस्थान जैसे टीसीएल या आरएसएम, केएम म्यूजिक कंजर्वेटरी, बैंगलोर स्कूल ऑफ म्यूजिक, टीएसएम, जीएमआई, बर्कली स्कूल ऑफ म्यूजिक आदि से किसी एक वाद्य यंत्र में ग्रेड 5 या समकक्ष या उससे ऊपर।
या
(ii) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से हिंदुस्तानी या कर्नाटक शास्त्रीय संगीत प्रस्तुत करने वाले उम्मीदवारों के लिए संगीत के क्षेत्र में डिप्लोमा या समकक्ष।
या
(iii) विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी का प्रमाण पत्र/पुरस्कार प्रदान किया जाना। ऐसे उम्मीदवारों के लिए, शैक्षिक क्यूआर में उल्लिखित स्टाफ नोटेशन के साथ फूंकने वाले उपकरणों का प्रदर्शन/वादन।

4. रैली का समय और तिथिः- रैली के लिए पंजीकरण 21 अप्रैल 2025 को 1100 बजे शुरू होगा और 11 मई 2025 को 2300 बजे वेबपोर्टल https://agnipathvayu.cdac.in पर बंद होगा। केवल प्रोविजनल एडमिट कार्ड के साथ जारी किए गए पंजीकृत उम्मीदवारों को प्रोविजनल एडमिट कार्ड में उल्लिखित तिथि, समय और स्थान के अनुसार ही उपस्थित होने की अनुमति है। उम्मीदवार द्वारा 100/- प्लस जीएसटी का पंजीकरण शुल्क देना होगा।

5. भर्ती रैली में शामिल राज्य/जिले भारत के सभी राज्यों और सभी केंद्र शासित प्रदेशों के सभी जिले।

विस्तृत विज्ञापन के लिए वेब पोर्टल **https://agnipathvayu.cdac.in** पर लॉग ऑन करें

विस्तृत जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें

CBC/10803/11/0002/2526

इसी माह होगा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव, प्रदेश के राष्ट्रीय परिषद के सदस्य भी बनेंगे प्रस्तावक

रायपुर। भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तैयारी प्रारंभ हो गई है। इस माह कभी भी नए अध्यक्ष का चुनाव होगा। अप्रैल के दूसरे सप्ताह तक 50 फीसदी से ज्यादा राज्यों में चुनाव हो जाएंगे और इसके बाद कभी भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तिथि का ऐलान भी हो जाएगा। इस बार नए अध्यक्ष के चुनाव में छत्तीसगढ़ को भी भागीदारी करने का पूरा मौका मिलेगा। प्रदेश में इस बार भाजपा प्रदेश संगठन के चुनाव पूरे होने के साथ राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों का भी चुनाव हो गया है। प्रदेश के राष्ट्रीय परिषद के सदस्य ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के नामांकन में प्रस्तावक और समर्थक बनेंगे। कई राज्यों की तरफ से नामांकन भरा जाएगा। छत्तीसगढ़ की तरफ से भी एक नामांकन भरे जाने की संभावना है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले देश भर के राज्यों में भाजपा संगठन के चुनाव कराए गए। छत्तीसगढ़ में ही सबसे पहले इस साल 17 जनवरी को प्रदेश संगठन के चुनाव पूरे हुए, तब यहां पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष के साथ ही राष्ट्रीय परिषद के 17 सदस्यों का चुनाव कराया गया। पूरे देश में छत्तीसगढ़ संगठन चुनाव पूरा कराने वाला पहला राज्य बना। इसके बाद दूसरे राज्यों के चुनाव पूरे हुए।

गोमाता दुर्गा माता मंदिर में भक्तों ने की विशेष पूजा

रायपुर। चैत्र नवरात्रि के महाष्टमी पर्व पर भनपुरी क्षेत्र में गोमाता दुर्गा माता मंदिर में शनिवार को विशेष पूजा-अर्चना और हवन का आयोजन किया गया। यह पूजा गोमाता और दुर्गा माता के भक्तों ने की। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मंदिर के पंडित भोला प्रसाद तिवारी ने बताया कि महाष्टमी की विशेष पूजा में बड़ी संख्या में गोमाता सेवक और दुर्गा माता के भक्त शामिल हुए और महाष्टमी पर्व पर गोसेवा कर शुभाशीष प्राप्त किया। माता दुर्गा का महाष्टमी पर्व पर विशेष श्रृंगार किया गया और सभी के जीवन में सुख-शांति प्रदान करने मातारानी के दिव्य श्रीचरणों में विशेष प्रार्थना, हवन-पूजन किया गया।

मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज की बाइक रैली 10 को, हुई बैठक

रायपुर। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज द्वारा महाधिवेशन 13 एवं 14 अप्रैल को राजधानी रायपुर के इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया गया है, जिसकी तैयारी जोरों पर है। इसी कड़ी में परिक्षेत्रीय बैठक डगनिया, डीडीनगर, रायपुरा, अश्वनी नगर, रामकुंड, तात्यापारा के प्रमुखों की बैठक हुई, जिसमें 10 अप्रैल सद्भावना बाइक रैली का दोपहर 3 बजे से मोवा से निकलकर इंडोर स्टेडियम जाएगी, जिसमें समाज के लगभग 1 हजार अधिक लोग शामिल होंगे। इसकी रूपरेखा बनाई गई। कार्यक्रम के पहले दिवस कलश यात्रा में 500 महिलाएं कलश यात्रा में भाग लेंगी, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए इंडोर स्टेडियम पहुंचेंगी। इसी दौरान छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी समाज द्वारा सामूहिक आदर्श विवाह का आयोजन 14 अप्रैल को होगा, जिसमें अधिक से अधिक जोड़े शामिल होंगे, जिससे विवाह में फिजूलखर्ची से निजात पाई जा सके, जिसकी तैयारी के विषय में चर्चा की गई। बैठक में यशवंत वर्मा, जागेश्वर बघेल, सरिता बघेल, चंद्रकांत वर्मा, संतोष आडिल, जागेश्वर वर्मा, बृजराज वर्मा, सुनील नायक, मंजू धुरंधर, चंद्रिका परगनिहा, कृष्णी वर्मा, भारती चंद्रवंशी, रामकुमार वर्मा, पुष्पलता वर्मा, चंद्रशेखर वर्मा, हरीश वर्मा आदि उपस्थित रहे।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

एसईसीएल/जीएम/भटगांव/एसएएम/जगन्ना./24/2238 दिनांक 26.12.2024

सूचना

जगन्नाथपुर खुली खदान परियोजना हेतु भू-अधिग्रहण के एवज में नियमानुसार रोजगार देने की प्रक्रिया में ग्राम जगन्नाथपुर एवं चउरा की भूस्वामी एवं उनके आश्रित द्वारा रोजगार हेतु प्रस्तुत किये गये दस्तावेजों में उनके स्वंय/माता पिता/आश्रितों के नाम में अंतर है तथा दस्तावेजो जैसे- बी-1, पंचशाला, ऋण पुस्तिका, योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पत्रक-5, पत्रक-6 में विभिन्न नाम दर्ज है। तत्सम्बंध में भूस्वामी एवं प्रस्तावित व्यक्ति द्वारा सही नाम का शपथ पत्र कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है। अतः जन साधारण के लिए निम्न तालिका में जानकारी प्रकाशित की जा रही हैः-

ग्राम-जगन्नाथपुर

क्र.	9(1) के समय भू-स्वामी का नाम एवं प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार सही नाम	भूमि संबंधी एवं अन्य दस्तावेजों में भू-स्वामी का नाम	खसरा नं.	रकबा (हे.)	उम्मीदवार का वास्तविक नाम प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार	रोजगार हेतु नामांकित उम्मीदवार व्यक्तिगत के दस्तावेजों में नाम
01	9(1) के अनुसार भूमि स्वामी का नाम- अमृत आ. धनसाय, कवलसाय आ. धनसाय, सांझो बेवा धनसाय उरांव अमृत आ. धनसाय एवं सांझो बेवा धनसाय उरांव के फौत हो जाने के कारण वर्तमान भूमि स्वामी का नाम- 1. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम- धनेश्वरी पत्नी स्व. अमृत लाल 2. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम- बृजलाल आ. स्व. अमृत लाल 3. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम- सुनील कुजुर आ. स्व. अमृत लाल	अधिग्रहण के समय भूमि स्वामी का नाम राजस्व दस्तावेजों (बी-1) 2007-08 से 2016-17 में नाम- अमृत आ. धनसाय पत्रक-5 में नाम- अमृत आ. धनसाय पत्रक-6 में नाम- अमृत-धनसाय ऋण पुस्तिका में नाम- अमृत आ. धनसाय मृत्यु प्रमाण पत्र में नाम- अमृत आ. धनसाय अधिग्रहण के समय भूमि स्वामी का नाम राजस्व दस्तावेजों (बी-1) 2007-08 से 2016-17 में नाम- सांझो बेवा धनसाय पत्रक-5 में नाम- सांझो बेवा धनसाय पत्रक-6 में नाम- सांझो बेवा धनसाय ऋण पुस्तिका में नाम- संझो बेवा धनसाय मृत्यु प्रमाण पत्र में नाम- सांझो बेवा धनसाय अमृत आ. धनसाय एवं सांझो बेवा धनसाय उरांव के फौत हो जाने के कारण वर्तमान भूमि स्वामी का नाम निम्न हैः- 1. नामांकन में नाम- धनेश्वरी पत्नी स्व. अमृत लाल वंश वृक्ष में नाम- धनेश्वरी आधार कार्ड में नाम - धनेश्वरी पत्नी स्व. अमृत वोटर कार्ड में नाम- धनेश्वरी कुजूर पत्नी अमृत कुजूर बैंक पासबुक में नाम- DHANESHWARI W/O AMRIT 2. नामांकन में नाम - बृजलाल आ. स्व. अमृत लाल वंशवृक्ष में नाम- बृजलाल आधार कार्ड में नाम- बृज लाल आ. अमृत लाल वोटर कार्ड में नाम- बृजलाल कुजूर आ. अमृतलाल कुजूर 3. नामांकन में नाम- सुनील कुजुर आ. स्व. अमृत लाल वंशवृक्ष में नाम- सुनील कुजुर आधार कार्ड में नाम- सुनील कुजुर आ. स्व. अमृत कुजूर वोटर कार्ड में नाम- सुनील कुजुर आ. स्व. अमृत लाल कुजूर	1313/1 1314/1 1316/1 1360/1 1384/1 1403/1 1603/1 1683/1 1687/1 1729/1 1351/1 .... कुल 11	0.11 0.13 0.14 0.22 0.05 0.03 0.05 0.16 0.70 0.37 0.09 .... 2.05 हे. 5.07 एकड़	1. शनि कुजुर आ. कवलसाय 2. बृजलाल आ. स्व. अमृत लाल	नामांकन में नाम- शनि कुजूर आ. कवल साय वंश वृक्ष में नाम- शनि कुजूर आधार कार्ड में नाम- शनि कुजूर आ. कवलसाय कुजूर वोटर कार्ड में नाम- शनि कुजूर आ0 कवलसाय कुजूर जाति प्रमाण पत्र में नाम- शनि कुजूर आ. कवल साय निवास प्रमाण पत्र में नाम- शनि कुजूर आ. कवल साय राशन कार्ड में नाम- शनि रोजगार पंजीयन में नाम- SHANI KUJUR S/O KAVALSAY KUJUR नामांकन में नाम- बृजलाल आ. स्व. अमृत लाल वंश वृक्ष में नाम- बृजलाल आधार कार्ड में नाम- बृज लाल आ. अमृत लाल वोटर कार्ड में नाम- बृजलाल कुजूर आ. अमृतलाल कुजूर जाति प्रमाण पत्र में नाम- बृजलाल आ. अमृत लाल निवास प्रमाण पत्र में नाम- बृजलाल आ. अमृत लाल राशन कार्ड में नाम- बृजलाल रोजगार पंजीयन में नाम- BRIJ LAL S/O AMRIT LAL
	4. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम- कवल साय आ. स्व. धनसाय	4. राजस्व दस्तावेजों (बी-1) 2007-08 से 2016-17 में नाम- कवलसाय आ. धनसाय नामांकन में नाम- कवल साय आ. स्व. धनसाय वंशवृक्ष में नाम- कवलसाय पत्रक-5 में नाम- कवलसाय आ. धनसाय पत्रक-6 में नाम- कवलसाय-धनसाय आधार कार्ड में नाम- कवल साय आ. धन साय वोटर कार्ड में नाम- कवल साय कुजूर आ. धनसाय कुजूर ऋणपुस्तिका में नाम- कवलसाय आ. धनसाय बैंक पासबुक में नाम- KAVALSAY KUJUR S/O DHANSAY KUJUR				

ग्राम-चउरा

क्र.	9(1) के समय भू-स्वामी का नाम एवं प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार सही नाम	भूमि संबंधी एवं अन्य दस्तावेजों में भू-स्वामी का नाम	खसरा नं.	रकबा (हे.)	उम्मीदवार का वास्तविक नाम प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार	रोजगार हेतु नामांकित उम्मीदवार व्यक्तिगत के दस्तावेजों में नाम
1	भूमि स्वामी का नाम- संतोष कुमार आ. बेसाहू बरगाह 1. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम- संतोष कुमार यादव आ. बिसाहू राम यादव	1. राजस्व दस्तावेजों (बी-1) 2008-09 में नाम- संतोष कुमार आ. बेसाहू बरगाह SANTOSH KUMAR YADAV नामांकन में नाम- संतोष कुमार यादव आ. बिसाहू राम यादव वंशवृक्ष में नाम- संतोष कुमार यादव आ. बिसाहू राम यादव पत्रक-5 में नाम- संतोष कुमार आ. बेसाहू बरगाह पत्रक-6 में नाम- संतोष कुमार आ. बेसाहू बरगाह ऋण पुस्तिका में नाम- सन्तोष कुमार आ. बेसाहु राम बरगाह आधार कार्ड में नाम- संतोष कुमार यादव आ. बिसाहु राम यादव वोटर कार्ड में नाम- संतोष यादव आ. नेसाहू यादव राशन कार्ड में नाम- संतोष यादव बैंक पासबुक में नाम-	702/64 693/3 699/1 693/7 699/2 702/33 706/2 07	0.031 0.036 0.128 0.073 0.090 0.062 0.121 .... 0.514 हे./1.337 एकड़	सबिया यादव आ. प्रभुराम, पत्नी संतोष कुमार यादव	नामांकन में नाम- सबिया यादव आ. प्रभुराम, पत्नी संतोष कुमार यादव वंश वृक्ष में नाम- सबिया यादव पत्नी संतोष कुमार यादव आधार कार्ड में नाम- सबिया यादव पत्नी संतोष कुमार यादव मतदाता परिचय पत्र में नाम- सबिया यादव पत्नी संतोष यादव जाति प्रमाण पत्र में नाम- सबिया आ. प्रभु राम निवास प्रमाण पत्र में नाम- सबिया यादव पत्नी संतोष कुमार राशन कार्ड में नाम- सबिया यादव पत्नी संतोष यादव 5 की अंकसूची- सबिया आ. प्रभुराम सबिया आ. परभू राम

उपरोक्त दर्शाये गये भूमि खसरा नंबर के सामने दर्शाये गये व्यक्तियों को रोजगार दिया जाना है। जिसमें यदि किसी भी व्यक्ति विशेष को कोई आपत्ति है, तो समाचार पत्र में प्रकाशन के एक सप्ताह के भीतर निम्न पते पर लिखित शिकायत दर्ज कर सूचित करें :- पता- उपक्षेत्रीय प्रबंधक, जगन्नाथपुर उपक्षेत्र, कार्यालय-जगन्नाथपुर उपक्षेत्र, एसईसीएल भटगांव क्षेत्र, धरमपुर, तहसील-प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर छ0ग0।

SECL/25-26/04

उपक्षेत्रीय प्रबंधक, जगन्नाथपुर उपक्षेत्र, भटगांव क्षेत्र

10 दिनों से केंद्रीय टीम का शहर में डेरा, आसपास के निकायों का स्वच्छता सर्वे, एलर्ट मोड में निगम

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

केन्द्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण के सिलसिले में दिल्ली से केंद्र की टीम छत्तीसगढ़ के निकायों में सफाई की ताजा स्थिति को लेकर सर्वे में जुटी है। देशव्यापी स्वच्छता सर्वेक्षण के तीसरे चरण का सर्वे पूरा होने के बाद केंद्रीय टीम प्रदेश के निकायों को अंक देगी। सूत्रों के मुताबिक पिछले दस दिनों से स्वच्छता सर्वेक्षण के सिलसिले में सेंट्रल की टीम शहर में डेरा डाले हुए है, जो अभी आसपास के नगरीय निकायों में घूम-घूमकर सर्वे कर रही है। रायपुर शहर में यह टीम कभी भी फील्ड में मुक्कड़ और सफाई की धरातल पर स्थिति परखने उतर सकती है। इस बात को लेकर निगम प्रशासन एलर्ट मोड में है। सफाई महकमे को इस बात की चिंता है कि 2 दर्जन से ज्यादा मुक्कड़ कहीं रैंकिंग का रास्ता ना रोक ले। गारबेज फ्री सिटी बनने में यह सबसे बड़ा रोड़ा है।

शहर में मुक्कड़ और सफाई को लेकर नगर निगम प्रशासन लाख दावे करे पर असली परीक्षा की घड़ी अब शुरू होने वाली है। सेंट्रल की टीम का तीसरा राउंड जल्द शुरू होने वाला है। इस बार गारबेज फ्री सिटी, ओडीएफ डबल प्लस और वाटर प्लस की श्रेणी में मूल्यांकन करने 3 टीमें शहर में सर्वे करने अलग-अलग हिस्सों में जाएगी। देश के टॉप टेन स्वच्छ शहर की रैंकिंग में रायपुर शहर को लाना शहरी सरकार और निगम प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती है।

एसटीपी की सुविधा, रात्रिकालीन रोड स्वीपिंग मशीन से सफाई से बढ़ सकते हैं अंक

वाटर प्लस की श्रेणी में इस बार रायपुर शहर के नंबर बढ़ सकते हैं। खारून नदी से नाले-नालियों के गंदे पानी को जाने से रोकने 3 अलग-अलग स्थानों पर अमृत मिशन के तहत सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और फिल्टर प्लांट से निकलने वाले बैकवॉश वाटर को दोबारा उपयोग लायक बनाने नया प्लांट शुरू होने का फायदा इस बार शहर को मिलेगा। उपचारित जल के दोबारा उपयोग को लेकर वाटर प्लस श्रेणी में अंक बढ़ सकते हैं। इसी तरह वायु प्रदूषण रोकने के लिए नगरनिगम से अनुबंधित एजेंसी द्वारा रोड स्वीपिंग मशीन से शहर के सड़कों की रात्रिकालीन सफाई पर केंद्रीय टीम अंक देगी।

पब्लिक फीडबैक में कम मिले थे नंबर

पिछले साल हुए स्वच्छता सर्वेक्षण में पब्लिक फीडबैक श्रेणी में 1295 अंक रखे गये। केंद्रीय टीम को इस श्रेणी में लोगों से प्रापर रिस्पांस नहीं मिला। इसका असर शहर की स्वच्छता रैंकिंग पर देखा गया।

चिरायु योजना ने लौटाई तीन मासूमों की मुस्कान

रायपुर। कटे तालु के साथ जन्म लेने वाले तीन मासूम की निशुल्क सर्जरी के बाद मुस्कान लौट आई। गांव में लगाए गए शिविर के दौरान उनकी पहचान कर चिरायु योजना के तहत राजधानी के निजी अस्पताल में सर्जरी कराई गई। चिरायु टीम की मदद से डेढ़ साल की दक्षिका, 6 साल की दुर्गा और 8 साल की प्रतिभा का सफल ऑपरेशन किया गया। आरंग हेल्थ टीम-सी द्वारा आयोजित शिविर में तीनों बच्चों के तालु कटे होने की समस्या पाई गई थी। शुरुआत में उनके परिजन महंगे इलाज और ऑपरेशन को लेकर काफी चिंतित थे। तब चिरायु टीम की काउंसिलिंग ने उनकी शंकाओं को दूर करते हुए बताया कि इस योजना के अंतर्गत उनके बच्चों का निशुल्क इलाज किया जाएगा। डीपीएम मनीष मेजरवार, बीएमओ डॉ. विजयलक्ष्मी अनंत और बीपीएम दीपक मिरे ने बच्चों के ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आज भाजपा का स्थापना दिवस, 14 तक लगातार होंगे कार्यक्रम

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी का रविवार को स्थापना दिवस है। भाजपा ने स्थापना दिवस से लेकर 14 अप्रैल तक लगातार कार्यक्रमों का आयोजन करने का फैसला किया है। रायपुर शहर जिला के सभी 20 मंडलों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शहर जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर ने बताया, 46वें स्थापना दिवस पर प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय जिला भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में भाजपा का ध्वज फहराएंगे।

स्थापना दिवस के अवसर पर आतिशबाजी, फल और मिष्ठान वितरण किया जाना तय है। स्थापना दिवस पर सभी पार्टी कार्यालयों सहित सभी कार्यकर्ताओं द्वारा स्थापना दिवस पर भाजपा का झंडा अपने अपने निवास की छत पर फहराना है और उसकी सेल्फी लेकर सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट करना है। 8 और 9 अप्रैल को सभी विधानसभाओं और मंडलों में सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन आयोजित करना है। सम्मेलनों में सभी जगह 3 वक्ताओं द्वारा 3 अलग विषयों पर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया जाएगा। इसके मुख्य विषय भाजपा की चुनावी सफलता और संगठन विस्तार, भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल में विकसित भारत की ओर भारत की यात्रा होंगे। मंदिरों, अस्पतालों और प्रमुख स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छ भारत का संदेश प्रचारित करना है।

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श–राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते है तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं? चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर युवती/ महिला (वेतन 15000) एवं 6वर्ष के बच्चों को फुल टाइम पढ़ाने हेतु महिला टीचर की अतिशीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-7587258374 (37331)

आवश्यकता है-बिलासपुर में जनरल स्टोर के काम करने के लिए लड़के एवं लड़की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 98271 94898, 9827184330 (37319)

आवश्यकता है-हॉटेल में हाउस कीपिंग स्टाफ के लिए आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- हॉटेल शिवनेरी CMD कॉलेज ग्राउंड के सामने (गली में) लिंक रोड, बिलासपुर 7776864202 (37316)

Requirment- Requirement Teacher for Coaching Krishna Academy Physics, Chemistry, Biology, Maths and Commerce (9th to 12th) CBSE and CG Board, Receptionist, Parking boy Contact- Indu Chawk Jarha bhatha Bilaspur 7999848993, 9993300903 (37314)

आवश्यकता है- आर्टिफिशियल ज्वेलरी शॉप हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सुबह 11बजे के बाद संध्या ज्वेलरी & कॉस्मेटिक श्रीराम क्लॉथ मार्केट पानी टंकी के पास अग्रसेन चौक बिलासपुर, 9691083080, 79874 23847 (37322)

आवश्यकता है-होम एप्लाएंसेस कम्पनी में काम करने हेतु फील्ड ऑफिसर, ट्रेनी मैनेजर महिला, पुरुष, लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है रहना+ गाड़ी फ्री+ सम्पर्क करें- समर्थ होम एप्लाएंस कम्पनी 8329538775 7772914637 (37317)

आवश्यकता है-पार्लर स्पा संबंधित और देखभाल केयर टेकर कार्यों हेतु स्मार्ट युवक, युवतियां, महिलाएं लड़कियां चाहिए अच्छा वेतन 12000+ सुविधाएं अनुभव आवश्यक नहीं पार्टटाइम कार्यों हेतु हॉस्टल गर्ल्स सम्पर्क करें- 9893076853 (37323)

आवश्यकता है-मुंगेली स्थित श्रीव्हीलर शोरूम में कार्य हेतु सेल्स एग्जीक्यूटिव-2, मैकेनिक-1, हेल्पर-1 की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- शारदा बजाज ICICI बैंक के सामने, व्यापार विहार रोड, बिलासपुर 9039090181 (37301)

REQUIRED
SHIVAM MOTORS PVT.LTD.
TATA MOTORS COMMERCIAL VEHICLE AUTHORIZED DEALER
Sales Manager-1 Post Bilaspur
Sales Executive - 4 Post Bilaspur
Sales Executive - 2 Post Janjgir/Champa
Sales Executive - 3 Post Raigarh
Sales Executive - 2 Post Korba
Sales Executive - 1 Post Pendra
Walk in Interview Bilaspur
SHIVAM MOTORS PVT.LTD.
NEAR NEW BUS STAND, TIFRA, BILASPUR (C.G.)
8120002312
Mail id : ravindra.rawat@shivammotors.co.in

आवश्यकता है-मित्तल फर्नीचर व्यापार विहार बिलासपुर में सेल्स कार्य के लिए लड़के की आवश्यकता है। सम्पर्क करे-98266 63999 (37318)

आवश्यकता है-होलसेल मेडिकल एजेन्सी में माल निकालने, जमाने, पैकिंग, डिस्ट्रीब्यूशन हेतु 10वीं, 12वीं पास लड़के चाहिए आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार मिले- कन्हैया डिस्ट्रीब्यूटर मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा (मंदिर वाली गली) बिलासपुर 93292 48899 (37327)

आवश्यकता है-थोक दवा दुकान में बाहर लाइन पर जाकर आर्डर बुकिंग/ पेमेंट कलेक्शन हेतु अनुभवी सेल्समैन चाहिए। बाइक अनिवार्य। वेतन 15000 मिलें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा, बिलासपुर 98274 97711 (37326)

आवश्यकता है-तिफरा स्थित डाक्टर परिवार में घरेलू कार्य हेतु नाइट ड्यूटी, 24घंटे के लिए लड़की/ महिला की आवश्यकता है लड़की/ महिला को रहने की व्यवस्था है सम्पर्क करें 7024975770, 70000 87824, 8770661585 (37282)

आवश्यकता है-घर के कामों के लिए महिला सहायक झाड़ पोंछा, धूल सफाई, कपड़ों की इस्त्री, अलमारी व्यवस्थित करना, पौधों को पानी देना, अन्य छोटे मोटे कामों हेतु 25-35 वर्ष की भरोसेमंद महिला की आवश्यकता है समय सुबह 8-12 बजे, शाम 5-7 बजे स्थान- मंगला बिलासपुर सम्पर्क करें- 9827166239 (37307)

आवश्यकता है-रेडीमेड कपड़ा दुकान (गर्ल्स वेयर) में काम करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- आलीशान गर्ल्स करोना चौक सदर बाजार बिलासपुर 79872 61212 (37312)

oben
REQUIRED
Sales manager - 01
Sales Executives - 03
Field Executive - 03
Receptionist - 02
Office boy - 01
Freshers can also apply
Oben Electric Link Road Bilaspur
8871717004
oben.bilaspur@gmail.com

आवश्यकता है-सर्वमंगला टेन्ट हाउस में कार्य हेतु लड़कों एवं अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- कुम्हार पारा रोड राजीव गांधी चौक बिलासपुर 6260273334, 9826601147 (37325)

आवश्यकता है-ऑफिस में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है। कम्प्यूटर जानकार को प्राथमिकता सम्पर्क करें- दोपहर 3.30 से 5.30 तक। ए.के. अग्रवाल एण्ड कम्पनी, मोहरा बिल्डिंग जूनीलाइन बिलासपुर 94255 30647 (कृपया 11बजे के पहले फोन ना करें) (37289)

आवश्यकता है-घर में खाना बनाने के लिए लेडीज\ गर्ल्स कुक की आवश्यकता है। संपर्क करें 7000549477 (37324)

आवश्यकता है-तत्काल भर्ती सिक्युरिटी गार्ड-50, सिक्युरिटी सुपरवाइजर (बेसिक कंप्यूटर नॉलेज) 10 फील्ड ऑफिसर-5, सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ हेतु चाहिए। कम्प्यूटर आपरेटर-2, कम्प्यूटर बेसिक नॉलेज। वेतन 10000 से 15000 सम्पर्क- बुधवारी बाजार बिलासपुर 8461881111 (37288)

आवश्यकता है-कृष्णा फुटवेयर में कार्य करने हेतु मेहनती लड़कों की तत्काल आवश्यकता है। सम्पर्क करें- होटल मिड टाऊन के अन्दर गली में पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 9907925025, 7987210064 (37305)

आवश्यकता है-टेन्ट होलसेल दुकान में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है आकर्षक वेतन सम्पर्क करें- श्री टेन्ट एजेन्सी FCI गोडाउन के सामने व्यापार विहार रोड बिलासपुर 8770329653, 7709293930 (37309)

आवश्यकता है-लिंक रोड स्थित कपड़ा दुकान में काम करने हेतु लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- रुचिस क्रिएशन बुटीक जूडीओ शोरूम/ स्वदेशी प्लाजा के सामने लिंक रोड बिलासपुर 7587270301 (37313)

आवश्यकता है-अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है जिसे बीजी सॉफ्टवेयर आता हो (महिला या युवती) सम्पर्क करें- अमर जनरल स्टोर व्यापार विहार बिलासपुर 9827473604, 9131452265 (37306)

आवश्यकता है- टेन्ट हाउस में काम करने के लिए कम्प्यूटर जानकार सुपरवाइजर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8001975775, 85169 86000 (37321)

आवश्यकता है-होलसेल बैग हाउस में कार्य करने के लिए सेल्समैन, सेल्सगर्ल और ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- संजय बैग हाउस, गली नम्बर 2, कश्यप कॉलोनी बिलासपुर 6264540017 (37308)

आवश्यकता है-थोक एजेन्सी में कार्य करने हेतु लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन सम्पर्क करें- हुकुमचंद जेठालाल मेघानी प्रीमीयर एजेन्सी के बाजू में। मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 9907423217 (37299)

आवश्यकता है-होलसेल मेडिकल एजेन्सी में माल निकालने/ पैकिंग कार्य हेतु लड़के, लडकियां 4पद एवं सेल्समैन 1पद की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क- श्रीगुरुकृपा मेडिकल एजेन्सी, तेलीपारा मेडिकल काम्प्लेक्स बिलासपुर 93013 57092 (37302)

आवश्यकता है-सोनोग्राफी सेंटर के लिये एक्स-रे टेक्नीशियन, टाइपिस्ट, रिसेप्सनिष्ट की आवश्यकता है पता- श्री गोपाल साहू डायग्नोस्टिक जूनी लाईन बिलासपुर संपर्क-97701 28995 (37296)

आवश्यकता है-दुकान में कार्यकर्ताओं की आवश्यकता है जो रंग पेंट की दुकान में कार्य कर चुका हो एवं अन्य कार्य करने हेतु कार्यकर्ताओं की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9827167987 (37298)

आवश्यकता है-बिलासपुर स्थित श्रीव्हीलर शोरूम में कार्य हेतु सेल्स एग्जीक्यूटिव- 6पद की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- शारदा बजाज, ICICI बैंक के सामने, व्यापार विहार रोड, बिलासपुर 9039090181 (37300)

आवश्यकता है-रामवैली कॉलोनी में इलेक्ट्रीशियन- 2 (योग्यतानुसार 8-10 हजार) ऑफिस असिस्टेंट-2 (योग्यतानुसार 8-10 हजार) सुरक्षा गार्ड-2 (योग्यतानुसार 8000) माली-2 (योग्यतानुसार 8000) सुरक्षा सुपरवाइजर- 1, (योग्यतानुसार 10000) सम्पर्क करें- 9826196147, 8770153142 (37286)

आवश्यकता है-टेलीकॉलर ऑफिस में काम करने के लिए लड़को के जरूरत है ऑल इंडिया प्लेसमेंट शुरुआती वेतन 10000 रहना फ्री 20वर्ष से 28वर्ष वाले सम्पर्क करे- 7310671995, 63876 30593 (313)

REQUIRED

B.Sc. Nursing (Experience 5-10 Years)	20000/-
B.Sc. Nursing (Experience 1-3 Years)	15000/-
B.Sc. Nursing (Fresher)	11000/-
GNM (Experience 1-3 Years)	13000/-
GNM (Fresher)	9000/-
TPA Operator/Receptionist	
All Nursing Staff	

Accommodations available
Agrawal Hospital — DEVOTED TO LIFE
Contact No. 9827488000 / 9302761188
Address: Agrawal Hospital, Infront of Maruti Business Park, G.E. Road, Raipur (C.G.)

आवश्यकता है-साथ में रहकर घरेलू कार्य/ लॉण्ड्री कार्य करने हेतु लड़को की। रहना खाना फ्री वेतन- योग्यता कार्य अनुसार केवल जरुरतमंद सम्पर्क करें-माँ उमा प्रेस (लॉण्ड्री) राजकिशोर नगर बिलासपुर 9238286967 (37252)

आवश्यकता है-प्रिंटिंग प्रेस में कार्य करने हेतु हेल्पर बाईंडिंग/ मशीन में कार्य करने के इच्छुक को प्राथमिकता सम्पर्क करें- अंकुर प्रिंटर्स, बृहस्पति बाजार बिलासपुर 9827170543 (37287)

आवश्यकता है-बिलासपुर राजकिशोर नगर में ओला एवं ट्रेवल्स में कार चलाने हेतु 3 ड्राइवरों की आवश्यकता है। संपर्क करें- 8109400008, 92439 58051 (37291)

आवश्यकता है-बम्पर भर्ती OMMI मल्टीनेशनल कम्पनी को 140 से अधिक लड़के, लड़कियां की आवश्यकता है आय 10500 से 18500 प्रतिमाह आवास, खाना फ्री परमानेन्ट जॉब पता- दीपसागर कालोनी बिलासपुर 80034 02269, 9519393913 (37283)

आवश्यकता है-सनराइज स्पा व्यापार विहार एवं क्लाउड 9 स्पा में काम करने के लिए टेलीकॉलर, ब्यूटीशियन, थेरेपिस्ट, हाउस कीपिंग की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 6399166000 (3169)

आवश्यकता है-मैट्रिमोनी में कार्य हेतु 18 से 30वर्ष की युवतियों, महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 5000 से 20000 कमाने का अवसर सम्पर्क करें- पत्रकार कॉलोनी आरबी हॉस्पीटल के पास बिलासपुर 6268331784, 7987392821 (3420)

आवश्यकता है-बिलासपुर की निर्माणाधीन कालोनी मे सिविल कॉन्ट्रैक्टर की आवश्यकता है (1) ईंट जोड़ाई कार्य-10(2) मकान प्लास्टर -15 (3) शटरिंग-10 (4) लोहार-10, सम्पर्क करें- 7999245462, 79700 10956, 7970010973 (3416)

आवश्यकता है- घर में झाड़ू पोछा कपड़ा बर्तन करने हेतु पूर्ण समय हेतु बाई चाहिए कार्य समय सुबह 8 से शाम 7 बजे तक सम्पर्क करें- रामा वर्ल्ड, रायपुर रोड बिलासपुर 99672 99365 (37293)

आवश्यकता है-छड़, सीमेंट दुकान कार्य करने के लिए मेहनती लड़कों वेतन 12000 एवं ट्रैक्टर चलाने हेतु ड्राइवर वेतन 10000 की आवश्यकता है सम्पर्क करें- ममता ट्रेडर्स मोपका बिलासपुर 93003 07926, 9993443207 (37256)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वी पास लड़कों की आवश्यकता है जो कटनी ग्वालियर में काम कर सके वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस रहना खाना फ्री, ट्रेनिंग बाद 15000 से 20000 महीने सम्पर्क करें-8982690021, 9340613449 (312)

आवश्यकता है-नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो सम्पर्क करें- 9202613238 (749)

आवश्यकता है-बॉयज हॉस्टल में झाड़ू पोछा टॉयलेट क्लीनिंग कार क्लीनिंग के लिए मेहनती आदमी की रहने की सुविधा ड्यूटी 9 से 6 तक वेतन 10000 से योग्यता अनुसार दयालबंद बिलासपुर 98279 21223, 9827959907 (3412)

आवश्यकता है-RU फाइनेंस में फील्ड ऑफिसर, कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता, वेतन 10000 से 15000+ कमीशन, सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड, बिलासपुर 9109034923, 8827772817 (3418)

आवश्यकता है-लोन रिकवरी एजेंसी में विभिन्न कम्पनियों के कार्य हेतु टेली कॉलर (महिला) रायपुर ऑफिस के लिए एवं फील्ड कलेक्शन के कार्य हेतु (पुरुष) सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में आवश्यकता है नोट- टेली कॉलर के लिए कम से कम 12वीं पास एवं कम्प्यूटर में एक्सेल का ज्ञान आवश्यक है, फील्ड कलेक्शन कार्य हेतु 10वीं-12वी की न्यूनतम योग्यता खुद की दोपहिया वाहन के साथ ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य है आकर्षक सैलरी एवं इंसेंटिव सम्पर्क- 72230 99331, 9826179609 (7081)

आवश्यकता है- उमा मार्ट में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़कियों की एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर बीजी सॉफ्टवेयर का जानकार, वेतन योग्यता अनुसार पता- उसलापुर रोड 36 मॉल के पास मंगला बिलासपुर 6264951541 (3419)

आवश्यकता है-Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घर बैठे पार्ट/ फुल टाईम SMS जॉब करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए 15000-45000 महिना लैपटॉप+ मोबाइल मुफ्त Call/ Whats App/ SMS करें- 8603301882 (747)

आवश्यकता है-क्लीनिक में काम करने के लिए लड़की की आवश्यकता है। सैलरी 4000 से 5000 पता- राजीव प्लाजा के पास, पुराना बस स्टैण्ड, बिलासपुर सम्पर्क करें- 7880210386 (3417)

किराया

किराया-3BHK सांई होम्स विद्या नगर शिव मंदिर के पास बिलासपुर में फ्लैट नम्बर 306 किराये से देना है सम्पर्क करें- 9424144236, 93035 25100 (37332)

किराया-अल्का एवेन्यू कालोनी उसलापुर स्टेशन के पास नवनिर्मित मकान ड्युप्लेक्स तीन कमरा एक हाल डायनिंग किचन तीन बाथरूम RH-62 किराये से देना है शासकीय कर्मचारी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 7000028900 (37315)

किराया-तिफरा काली मंदिर के सामने मन्नाडोल में स्वतंत्र 2BHK मकान, पोर्च सहित 7000/- किराये पर देना है सम्पर्क करें-9098468103 (37297)

किराया-मोपका मेन रोड में शारदा रेसीडेंसी के बगल में स्थित 2BHK, 7 फ्लैट एवं गुरुनानक चौक जेजे हॉस्पिटल के बगल में सांई निवास कॉम्प्लेक्स के फर्स्ट फ्लोर में 5 दुकान किराए से देना है सम्पर्क करें- 9301186703, 82530 10291 (37320)

बिजनेस

स्कूल यूनिफार्म-सभी स्कूल यूनिफॉर्म की पूरी श्रृंखला उपलब्ध हमारे यहां सभी स्कूलों के विभिन्न रंगों में यूनिफॉर्म्स,सॉक्स , टाई बेल्ट्स उपलब्ध हैं विशेष (स्पेशल) ऑर्डर भी लिए जाते हैं हमारे यहाँ कॉर्पोरेट यूनिफार्म हॉस्पिटल स्टाफ यूनिफार्म भी उपलब्ध है अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें- चेन सिंह भारत होजरी, बिलासपुर 9993753652, 74402 74402 (37290)

बेचना है

बेचना है-दुकान बेचना/ किराए से देना है 12×18 ग्राउंड फ्लोर अरपा काम्प्लेक्स CMD चौक के पास नवभारत प्रेस के सामने बिलासपुर सम्पर्क करें- 8964016631 (37285)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

बेचना है-देवरीखुर्द मंगल विहार कालोनी में न्यू कंस्ट्रक्शन 3BHK डबल मंजिल मकान शानदार लोकेशन कार पार्किंग 3 बेडरूम हॉल किचन बालकनी कीमत 35लाख में बेचना है सम्पर्क करें- 9301227779 (37294)

बेचना है-अज्ञेय नगर 30×50 अल्का एवेन्यू 45×85 शान्ती नगर डबल स्टोरी मकान आकाश मार्ग शुभम विहार 72×43, 24×43, 36×43, शान्ती नगर 30×54 मिनोचा कालोनी 23×56, अपोलो हास्पीटल 24×64 सम्पर्क करें-9425540759 (37245)

बेचना है-बिलासपुर बस स्टैण्ड तिफरा से 5 मिनट की दूरी पर यदुनन्दन नगर में 3BHK मकान बेचना है लाल ईंट, सागौन दरवाजा, फाल सीलिंग कीमत 35लाख, 3माह में पजेशन सम्पर्क- 98263 14444 (37310)

बेचना है-हेमू नगर, नारायणी टावर के पीछे गणेश चौक के पास नया मकान 3BHK डुप्लेक्स 3बाथरूम, 2हॉल, कार पार्किंग, किचन, पूजा रूम, 3कमरा मकान बेचना है सम्पर्क करें- 9098251177, 7000719162 (37311)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए-अग्रवाल युवक, ऊंचाई 5'-5" 25वर्ष रंग गोरा इकलौता स्वंय का घर, शुद्ध शाकाहारी हेतु शाकाहारी वधु चाहिए व्यवसाय स्वयं का व्यवसाय है जाति बंधन नही शादी मन्दिर में करना है दहेज नही सम्पर्क करें-70497 84336 (7067)

Medicare Specialists
गुप्त रोगो का सफल इलाज
- गुप्त रोग, नामर्दी
- लिंग में छोटापन।
- शीघ्र पतन
- पेशाब से धातु जाना।
- लिंग में ढीलापन,
- शुक्राणु की कमी।
- शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
- जड़ीबुटी द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
- चर्मरोग व वात रोग का इलाज किया जाता है।
निःसंतान दम्पति आज ही मिलें
आज ही संपर्क करें
स्टेशन रोड,सीमरन होटल के सामने रायपुर, छ.ग.
9826038170

वर चाहिए

वर चाहिए-राजपूत 33 वर्षीय डॉक्टर एमबीबीएस कन्या के लिये समकक्ष डॉक्टर लेक्चरार वर चाहिये छत्तीसगढ़ निवासी को प्राथमिकता दी जाएगी सम्पर्क करें-9425283952 (7082)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल कामलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

वर्ल्ड कप : सिफत ने भारत को दिलाया पहला स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय निशानेबाज सिफत कौर समरा ने अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में चल रहे एफ निशानेबाजी विश्व कप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन के फाइनल में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके स्वर्ण पदक जीता। यह आईएसएसएफ विश्व कप में उनका पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक है। फरीदकोट की रहने वाली 23 वर्षीय सिफत ने शुक्रवार देर रात टिरो फेडरल अर्जेंटीनो डी ब्यूनस आयर्स शूटिंग रेंज में सत्र के पहले विश्व कप में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया।

ओलंपिक चैंपियन बाहर : स्विट्जरलैंड की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चियारा लियोन और पूर्व ओलंपिक चैंपियन नीना क्रिस्टन शीर्ष आठ में जगह नहीं बना सकीं। कजाकिस्तान की एलेक्जेंड्रिया ले और अमेरिका की मैरी टकर जैसी ओलंपिक पदक विजेता भी क्वालीफाइंग की बाधा पार नहीं कर सकी।

458.6 अंक से पहले स्थान पर

विश्व रिकॉर्ड धारक सिफत नीलिंग पोजीशन में 15 शॉट के बाद जर्मनी की अनीता मैंगोल्ड से 7.2 अंक पीछे थी। उन्होंने हालांकि इसके बाद प्रोन और स्टैंडिंग पोजीशन में स्वप्निल वापसी करके पहला स्थान हासिल किया। सिफत 45 शॉट के फाइनल के बाद 458.6 अंकों के साथ पहले स्थान पर रही, जबकि मैंगोल्ड उनसे 3.3 अंक पीछे 455.3 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर रही। कजाकिस्तान की जूनियर विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता अरीना अल्तुखोवा 445.9 के स्कोर के साथ 44वें शॉट के बाद बाहर होकर तीसरे स्थान पर रहीं।

अब तक दो पदक

भारत प्रतियोगिता के पहले दिन कोई पदक नहीं जीत पाया था लेकिन अब उसके नाम पर एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक है और वह पदक तालिका में दूसरे स्थान पर है। भारत के लिए कांस्य पदक पुरुष 3पी में चैन सिंह ने जीता था। चीन एक स्वर्ण और एक रजत के साथ शीर्ष पर है। सिफत ने क्वालीफाइंग में 590 का स्कोर बनाकर पहले स्थान पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया था।

खास खबर

धोनी के माता-पिता ने देखा मैच

चेन्नई। दिग्गज एमएस धोनी के माता-पिता पान सिंह और देविका देवी की मौजूदगी ने शनिवार को चेपक में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स के आईपीएल मैच को और भी खास बना दिया। धोनी 2008 में आईपीएल के पहले सत्र से चेन्नई की टीम के साथ जुड़े है और यह पहली बार है जब उनके माता-पिता आईपीएल मैच देखने पहुंचे हैं। धोनी की पत्नी साक्षी और बेटी जीवा भी मौजूद थीं, हालांकि वे अक्सर चेन्नई में आईपीएल मैच देखने जाती हैं।

लेंथ पर नियंत्रण से खतरनाक बन जाता है दिग्वेश

लखनऊ। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑल राउंडर शेन वाटसन का मानना है कि ऑफ-ब्रेक और कैरम बॉल जैसी विविधताओं के साथ लगातार सही लेंथ पर गेंदबाजी करने की स्पिनर दिग्वेश राठी की क्षमता उन्हें एक खतरनाक गेंदबाज बनाती है। राठी इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र में लखनऊ सुपर जाइंट्स के लिए तुरुप का इक्का साबित हो रहे हैं। दिल्ली के रहने वाले इस 25 वर्षीय गेंदबाज ने अभी तक 7.62 की इकॉनमी रेट से छह विकेट लिए हैं। लखनऊ की मुंबई इंडियंस के खिलाफ 12 रन से जीत के बाद वॉटसन ने कहा, "ऐसा लग रहा था कि जैसे वह आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए ही पैदा हुआ है। वह किसी तरह के दबाव में नहीं था और खुलकर प्रदर्शन कर रहा था। उसने अपना आत्मविश्वास दिखाया और शानदार प्रदर्शन किया।'

पीसीबी ने की अफगान दर्शकों की टिप्पणियों की निंदा

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को माउंट मोनगानुई में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान अफगानिस्तान के दर्शकों के एक समूह द्वारा पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर की गई अनुचित टिप्पणी की कड़ी निंदा की। पाकिस्तानी टीम की शिकायत के बाद अफगानिस्तानी मूल के दो दर्शकों को मैदान से बाहर कर दिया गया। पाकिस्तान ने यह मैच 43 रन से गंवा दिया और वनडे श्रृंखला उसे 0-3 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। पीसीबी ने एक बयान में कहा, 'जब पाकिस्तान विरोधी नारे लगे तो क्रिकेटर खुशदिल शाह ने हस्तक्षेप किया और दर्शकों से ऐसा नहीं करने का आग्रह किया। जवाब में अफगानिस्तान के दर्शकों ने पश्तो में अनुचित भाषा का इस्तेमाल किया जिससे स्थिति बिगड़ गई।' पहले भी पाकिस्तानी और अफगानिस्तान के दर्शकों के बीच अलग-अलग मैदानों पर झड़प की घटनाएं हो चुकी हैं।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
दिल्ली	3	3	0	6
पंजाब	3	2	1	4
बेंगलोर	3	2	1	4
गुजरात	3	2	1	4
कोलकाता	4	2	2	4
लखनऊ	4	2	2	4
राजस्थान	4	2	2	4
मुंबई	4	1	3	2
चेन्नई	4	1	3	2
हैदराबाद	4	1	3	2

ऑरेंज कैप

निकोलस पूरन
201 रन
लखनऊ

पर्पल कैप

नूर अहमद
10 विकेट
चेन्नई

खबर संक्षेप

तिलक को रिटायर्ड करना अच्छा नहीं था

लखनऊ। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने कहा कि लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान तिलक वर्मा को रिटायर्ड आउट करना अच्छा नहीं था। जयवर्धने ने कहा, 'क्रिकेट में इस तरह की चीजें होती रहती हैं। और उसे बाहर करना अच्छा नहीं था लेकिन मुझे ऐसा करना पड़ा। यह उस समय एक रणनीतिक निर्णय था।' वह जब 23 गेंद पर 25 रन बना कर खेल रहे थे तब मुंबई की टीम ने उन्हें रिटायर्ड आउट करवा दिया और उनकी जगह मिशेल सेंटनर को भेजा गया। मुंबई की यह रणनीति हालांकि कारगर साबित नहीं हुई और उसे 12 रन से हार का सामना करना पड़ा।

कोच द्रविड़ सर का साथ मिलना सौभाग्य की बात

मुंबई। भारत के पूर्व मुख्य कोच और राजस्थान रॉयल्स के मार्गदर्शक राहुल द्रविड़ की देखरेख में खेलने वाले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा कि इस युग में उनके जैसा सहानुभूति के साथ देखभाल करने वाला इंसान का साथ मिलना सौभाग्य की बात है। भारतीय टेस्ट टीम के मुख्य सलामी बल्लेबाज जायसवाल राजस्थान रॉयल्स के अहम खिलाड़ी भी हैं। जायसवाल ने कहा, 'वह एक बेहतरीन इंसान हैं। मुझे लगता है कि वह एक बेहतरीन 'लीडर' है। वह एक शानदार सहायक और देखभाल करने के साथ हमेशा सभी का ख्याल रखने वाले इंसान है।

निशानेबाज नीरज को दिखाया पीला कार्ड

नई दिल्ली। भारत के पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन निशानेबाज नीरज कुमार ब्यूनस आयर्स में आईएसएसएफ विश्व कप के फाइनल में प्रतिस्पर्धा करते समय एक अजीब स्थिति में पहुंच गए जब प्रतियोगिता में उन्हें पीला कार्ड दिखाया गया। नीरज के मामले में पीला कार्ड दिखाया जाना हैरानी भरा था क्योंकि वह आकस्मिक विस्फोट को रोकने के लिए अपनी बन्दूक को सुरक्षित करने के लिए 'बोर लॉक' का उपयोग कर रहे थे और यह ऐसी चीज है जो निशानेबाजों द्वारा नियमित रूप से किया जाता है।

आईपीएल : 15 साल बाद चेपॉक स्टेडियम में 25 रन से जीती दिल्ली

चेन्नई की घर में तीसरी हार, राहुल के अर्धशतक से दिल्ली की हैट्रिक जीत

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में शनिवार को यहां चेन्नई सुपरकिंग्स को 25 रन से शिकस्त देकर मौजूदा सत्र में तीन मैचों में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। दिल्ली ने छह विकेट पर 183 रन बनाने के बाद चेन्नई की पारी को पांच विकेट पर 158 रन पर रोक दिया। चेन्नई की चार मैचों में यह घर में लगातार तीसरी हार है। साल 2010 के बाद दिल्ली ने पहली बार चेपॉक पर जीत दर्ज की है। कैपीटल्स के लिए लोकेश राहुल ने 51 गेंद में 77 रन की शानदार पारी खेली।

चेन्नई ने 11वें ओवर में 74 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद विजय शंकर (नाबाद 69) और दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी (नाबाद 30) ने 57 गेंद में 84 रन की अटूट साझेदारी कर हार के अंतर को कम किया। शंकर ने 54 गेंद की नाबाद पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया जबकि धोनी ने 26 गेंद की नाबाद पारी में एक चौका और एक छक्का लगाया। दिल्ली के लिए विप्रज निगम ने चार ओवर में 27 रन देकर दो जबकि कुलदीप यादव, मिचेल स्टार्क और मुकेश कुमार को एक-एक सफलता मिली।

84 रनों की साझेदारी बेकार

'इम्पैक्ट सब' के तौर पर उतरे शिवम दुबे ने आक्रामक रवैया अपनाने का प्रयास किया, लेकिन वो 18 रनों के निजी स्कोर पर स्पिनर विपराज का शिकार बन गए। रवींद्र जडेजा से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन वो 2 रन बनाकर कुलदीप यादव की बॉल पर चलते बने। जडेजा के आउट होने के समय चेन्नई का स्कोर 5 विकेट पर 74 रन था. यहां से चेन्नई को जीत के लिए ताबड़तोड़ बैटिंग की जरूरत थी, लेकिन विजय शंकर और एमएस धोनी कुछ खास कमाल नहीं कर सके। दोनों के बीच 84 रनों की साझेदारी जरूर हुई।

राहुल की दमदार पारी...

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए दिल्ली कैपटल्स ने 6 विकेट पर 183 रन बनाए। अभिषेक पोरेल और केएल राहुल ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 54 रन जोड़कर पारी को संभाला। पोरेल ने 20 बॉल 33 रन बनाए। अक्षर और राहुल के बीच चौथे विकेट के लिए 36 रनों की साझेदारी हुई। अक्षर 21 रन बनाकर नूर अहमद की गेंद पर बोल्ड हुए। अक्षर के आउट होने के बाद समीर रिजवी ने केएल राहुल का बखूबी साथ निभाया। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 56 रनों की साझेदारी हुई। समीर रिजवी 20 रन बनाकर खलील अहमद का शिकार बने।

राजस्थान ने पंजाब को 50 रन से दी मात यशस्वी का अर्धशतक

मुल्लांपुर। राजस्थान रॉयल्स ने शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में पंजाब किंग्स को 50 रन से हरा दिया। चेन्नई सुपर किंग्स को पिछले मैच में हराने वाली राजस्थान रॉयल्स की यह दूसरी जीत है तो वहीं पंजाब किंग्स को तीन मैच में पहली हार का सामना करना पड़ा। यशस्वी जायसवाल (67) अभी तक तीन मैच में एक, 29 और चार रन ही बना सके थे। राजस्थान रॉयल्स ने चार विकेट पर 205 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में पंजाब की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 155 रन ही बना सकी। जायसवाल और कप्तान संजू सैमसन (38 रन) ने पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर के गेंदबाजी करने के फैसले के बाद पहले विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी करके राजस्थान रॉयल्स को इस सत्र की सर्वश्रेष्ठ शुरुआत दिलाई। पंजाब किंग्स की शुरुआत काफी खराब रही जिसने पहले ही ओवर में प्रियांश आर्य और श्रेयस अय्यर के विकेट गंवा दिए। नेहाल वढेरा (62 रन) और ग्लेन मैक्सवेल (30 रन) पांचवें विकेट के लिए अच्छा खेलते हुए बड़ी साझेदारी की ओर बढ़ रहे थे लेकिन श्रीलंका के दो स्पिनरों ने दोनों के बीच 52 गेंद में 88 रन की साझेदारी का अंत किया।

जामवाल ने विश्व कप के फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के अभिनाश जामवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इटली के जियानलुइगी मलंगा को हराकर ब्राजील के फोज डो इगुआकु शहर में चल रहे विश्व मुक्केबाजी कप के 65 किग्रा वजन वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया।

इस 22 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने मलंगा की पहुंच से दूर रहने के लिए अपनी लंबाई और गति का अच्छा इस्तेमाल किया। उन्होंने 5-0 के सर्वसम्मत मतों से जीत हासिल की।

पांच में से चार जजों ने जामवाल को परफेक्ट 30 अंक दिए। जामवाल इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले गुरुवार को हितेश 70 किग्रा भार वर्ग में फ्रांस के ओलंपियन माकन ट्राओरे को हराकर फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने थे। फाइनल में हितेश का मुकाबला इंग्लैंड के ओडेल कामारा से जबकि जामवाल का स्थानीय खिलाड़ी यूरी रीस से होगा। भारत के एक अन्य मुक्केबाज मनीष राठौड़ का 55 किग्रा वजन वर्ग में अभियान सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। उन्हें कजाकिस्तान के नूरसुल्तान अल्टिनबेक से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा।

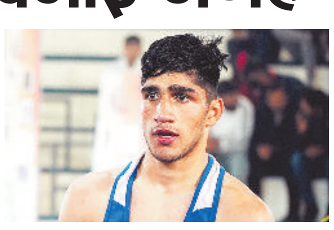

कुछ प्रदर्शनों के आधार पर सिराज का आकलन सही नहीं

हैदराबाद। गुजरात टाइटन्स के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी का मानना है कि फ्रेंचाइजी में शामिल होने के बाद से मोहम्मद सिराज 'असाधारण' रहे हैं और इस तेज गेंदबाज को कुछ प्रदर्शनों के आधार पर नहीं आंका जाना चाहिए।

सिराज ने अपने पिछले आईपीएल मैच में अपनी पूर्व टीम रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु के खिलाफ 19 रन देकर तीन विकेट झटके और पांच विकेट के साथ वह आईपीएल 2025 में अब तक गुजरात टाइटन्स के दूसरे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। सोलंकी ने कहा, 'यह बिल्कुल वैसी ही भूमिका निभा रहे हैं, जैसी जरूरत है। वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं। ऐसी बातें कहना अनुचित होगा कि चीजें उनके लिए ठीक नहीं चल रही हैं। जब भी उन्हें मौका मिला है, उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। कभी-कभी हम बहुत से युवा क्रिकेटरों से काफी उम्मीद करते हैं। सिराज ने काफी कुछ हासिल किया है। कभी-कभी हम एक या दो प्रदर्शनों का आकलन करने में बहुत जल्दबाजी करते हैं, लेकिन जब से वह हमारे साथ जुड़े हैं, तब से वह असाधारण रहे हैं।'

न्यूजीलैंड ने किया पाकिस्तान का सूपड़ा साफ, सियर्स को 5 विकेट

एजेंसी ▶▶| माउंट मोनगानुई

सलामी बल्लेबाज राइस मारियू और कप्तान माइकल ब्रेसवेल के अर्धशतक तथा तेज गेंदबाज बेन सियर्स के पांच विकेट की मदद से न्यूजीलैंड ने शनिवार को यहां तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को 43 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया।

आउटफील्ड गीली होने के कारण यह मैच 42 ओवर का कर दिया गया। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद आठ विकेट पर 264 रन बनाए। पाकिस्तान की टीम इसके जवाब में 40 ओवर में 221 रन बनाकर आउट हो गई।

सियर्स ने 34 रन देकर पांच विकेट हासिल करके पाकिस्तान को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया। न्यूजीलैंड की पारी का आकर्षण अपना दूसरा वनडे खेल रहे मारियू (58) और ब्रेसवेल (59) के अर्धशतक रहे। इन दोनों के अलावा डेरिल मिचेल ने 43 रन का योगदान दिया।

इस दौरान उन्होंने एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2000 रन भी पूरे किए। पाकिस्तान की तरफ से आकिफ जावेद सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 62 रन देकर चार विकेट लिए।

ब्राजील, पुर्तगाल और स्पेन के पूर्व फुटबॉलरों ने दी नसीहत

फुटबॉल में प्रगति के लिए ट्रेनर की शिक्षा पर ध्यान दे भारत

एजेंसी ▶▶| मुंबई

ब्राजील के 2002 विश्व कप विजेता जोस एडमिल्सन का मानना है कि भारत को फुटबाल में प्रगति के लिए अपने ट्रेनर की शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए और युवा खिलाड़ियों की महत्वाकांक्षाओं को भी देखना चाहिए। एडमिल्सन रियल मैड्रिड और एफसी बार्सिलोना के उन स्टार खिलाड़ियों में शामिल हैं जो रविवार को यहां डीवाई पाटिल स्टेडियम में 'लीजेंड्स फेसऑफ' में खेलेंगे।

मैच में कार्लोस पुयोल, लुइस फिगो, जावी, जेवियर सावियोला, रिवाल्डो, फर्नांडो मोरिएंटेस, माइकल ओवेन और कई अन्य खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे। मैच से पहले यहां आयोजित प्रेस कांफ्रेस में एडमिल्सन ने कहा, 'एक अच्छा फुटबॉल खिलाड़ी बनने की तकनीक हासिल करने से पहले कई तरह की चीजों से निपटना होता है। भारत को ट्रेनर की शिक्षा पर ध्यान देना होगा और बच्चों की महत्वाकांक्षाओं पर भी ध्यान देना होगा। एक अच्छा खिलाड़ी बनाने से पहले उन्हें एक अच्छा इंसान बनाना होगा। और यह बहुत महत्वपूर्ण है। कई जगहों पर बच्चे खिलाड़ी बनने का सपना देखते हैं। लेकिन इससे पहले समाज की कई समस्याओं का समाधान करना होगा।'

रोनाल्डो टफ डिफेंडर

पेपे ने कहा कि अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनेल मेसी की तुलना में पुर्तगाल टीम के उनके साथी क्रिस्टियानो रोनाल्डो डिफेंडर के रूप में मुश्किल खिलाड़ी थे। उन्होंने कहा, 'मुझे क्रिस्टियानो रोनाल्डो का नाम लेना होगा क्योंकि मैं उनके साथ ट्रेनिंग करता हूं। मुझे पता है कि उनके खिलाफ कितना मुश्किल है। क्रिस्टियानो एक ऐसे फुटबॉलर रहे हैं जिन्होंने संघर्ष किया है और रियल मैड्रिड को बहुत कुछ दिया है। उन्होंने मैनचेस्टर युनाइटेड, युवेंटस, पुर्तगाली राष्ट्रीय टीम को बहुत कुछ दिया है। उन्होंने हमेशा बहुत सारे मैच जीते हैं। मुझे पता है कि उनके साथ ट्रेनिंग करना कैसा होता है। उन्होंने बहुत मेहनत की है।'

रियल-बार्सिलोना की दिखेगी प्रतिद्वंद्विता

अर्जेंटीना के सावियोला रियल मैड्रिड और बार्सिलोना दोनों के लिए खेले हैं। उन्होंने कहा कि वह भारतीय प्रशंसकों के सामने खेलने के अवसर से उत्साहित हैं। सावियोला ने कहा, 'इस प्रतिद्वंद्विता को भारतीय प्रशंसकों के सामने लाने का मौका बहुत भावनात्मक है। भले ही मैं अब पेशेवर नहीं हूं, लेकिन मैं कभी भी फुटबॉल से दूर नहीं रहता। मुझे उम्मीद है कि यह मैच भारतीय फुटबॉलरों और सपने देखने वालों की एक पूरी नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा।'

ऋषभ पंत और दिग्वेश पर लगा भारी जुर्माना

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ शुक्रवार को यहां खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। किसी भी गेंदबाजी टीम के लिए 20 ओवर पूरे करने का निर्धारित समय 90 मिनट है।

लखनऊ की टीम निर्धारित समय से एक ओवर पीछे चल रही थी। इस कारण उसे अंतिम ओवर में 30 गज के बाहर एक क्षेत्ररक्षक कम रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस बीच लखनऊ के स्पिनर दिग्वेश राठी पर लगातार दूसरी बार उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने मुंबई के बल्लेबाज नमन धीर को आउट करने के बाद फिर से नोटबुक लिखने की शैली में जश्न मनाया। उनके खाते में एक और डिमैरिट अंक जोड़ दिया गया है। इस तरह से उनके नाम पर अब दो डिमैरिट अंक जमा हो गए हैं।'

शहर जोड़ने की योजना में हवाई यात्रियों का टोटा, बंद हो चुकी जगदलपुर फ्लाइट, अंबिकापुर की उड़ान भी हो रही प्रभावित

हरिभूमि न्यूज़: रायपुर

प्रदेश के भीतर शहरों को आपस में हवाई मार्ग से जोड़ने में यात्रियों का टोटा आड़े आ रहा है। कम यात्रियों की वजह से रायपुर-जगदलपुर की उड़ान ठंडे बस्ते में जा चुकी है। वहीं अंबिकापुर, रायपुर, बिलासपुर को हवाई मार्ग से जोड़ने की योजना भी प्रभावित होती नजर आ रही है। जगदलपुर की फ्लाइट ठंड के मौसम में बंद हुई, मगर योजना के बाद इसे गर्मी में भी शुरू नहीं किया गया। तीन शहरों को जोड़ने वाली फ्लाइट छह दिन की योजना के साथ प्रारंभ हुई, जो अब तीन दिन संचालित हो रही है।

क्षेत्रीय उड़ान योजना के तहत राज्य के भीतर विभिन्न शहरों को वायुमार्ग के माध्यम से राजधानी रायपुर से जोड़ने की योजना बनाई गई थी। इसके तहत सबसे पहले रायपुर-जगदलपुर की विमान सेवा शुरू की गई। कुछ समय बाद ही इस फ्लाइट के लिए कम यात्री की समस्या आन खड़ी हुई और एयरलाइंस कंपनियों ने इस सेक्टर में विमान का संचालन करने से हाथ खड़ा कर दिया। दिसंबर के महीने में एक नयी एयरलाइंस कंपनी ने रायपुर से अंबिकापुर, बिलासपुर के बीच विमान सेवा की शुरूआत की। यात्रियों की संभावना के आधार पर यहां छोटा एयरक्राफ्ट (18 सीटर) विमान शुरू किया गया। शुरूआत में फ्लाइट सप्ताह में 6 दिन चली फिर उसे 5 दिन किया गया और वर्तमान में विमान सप्ताह में 3 दिन आवाजाही कर रही है। ट्रैवहल्स कारोबार से जुड़े सूत्रों के अनुसार इस छोटे विमान को आधे यात्री ही मिल रहे हैं जिसकी वजह से कई बार उड़ान को भी स्थगित करना पड़ जाता है।

जगदलपुर-रायपुर के बीच तीन कंपनी

जगदलपुर और रायपुर के बीच एयर कनेक्टिविटी के लिए सबसे पहले एयर ओडिशा ने फ्लाइट शुरू की। कंपनी कुछ दिन नियमित रूप से चली फिर यात्री के अभाव में इसका संचालन बंद हो गया। इसके बाद अलायंस एयर ने रायपुर-जगदलपुर के बाद हैदराबाद को जोड़ने फ्लाइट शुरू की। फ्लाइट जगदलपुर-हैदराबाद के बीच नियमित तरीके से चलते रही मगर सप्ताह में दो अथवा तीन दिन के लिए रायपुर के लिए यात्री नहीं मिले जिसकी वजह से संचालन स्थगित किया गया। इस बीच इंडिगो ने रायपुर-जगदलपुर-हैदराबाद सेक्टर के लिए उड़ान संचालित कर रही थी मगर दो से ढाई हजार में यात्री नहीं मिलने के कारण विंटर शेड्यूल में इसे बंद कर दिया।

ऑनलाइन तरीके से टिकट बुकिंग- फ्लाय बिग रायपुर, अंबिकापुर और बिलासपुर को जोड़ने वाली फ्लाइट संचालित कर रही है। इसके लिए ऑनलाइन तरीके से टिकट बुकिंग किया जा रहा है। ट्रैवहल्स कारोबार से जुड़े सूत्रों का कहना है कि कंपनी ने एयरपोर्ट सहित सिटी में भी बुकिंग काउंटर नहीं बनाया है। इस फ्लाइट का फेयर भी टैक्स मिलाकर दो हजार तक है मगर कोई भी उड़ान पूरी क्षमता यानी 18 सीटर यात्रियों के साथ संचालित नहीं हो पा रही है।

चित्रकार देवांगना को ऑक्सफोर्ड बुकस्टोर बुक कवर पुरस्कार

नई दिल्ली। चित्रकार देवांगना दास को चारु निवेदिता की लिखित और नंदिनी कृष्णन द्वारा तमिल से अनुवादित 'कॉन्वरसेशन विद औरंगजेब' के कवर को डिजाइन करने के लिए 'ऑक्सफोर्ड बुकस्टोर बुक कवर' पुरस्कार के 10वें संस्करण का विजेता घोषित किया गया। इंडिया हैबिटेट सेंटर में शनिवार शाम को आयोजित एक समारोह में देवांगना को एक ट्रॉफी, एक प्रमाण पत्र और एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया।देवांगना ने कहा, दृश्यों से भरी दुनिया में, जहां एक संकेत से एक छवि उत्पन्न हो सकती है, वहां डिजाइन को मान्यता देना संवाद, बहस, अस्वीकृति और रचनात्मक कार्य को आकार देने के महत्व की पुष्टि करता है। किसी पुस्तक के कवर को अक्सर तुरंत आंक लिया जाता है, लेकिन शायद ही कभी समझा जाता है या उससे जुड़ा जाता है। इस तरह की पहल को और अधिक शक्ति मिले, जो पुस्तक निर्माण की कला का महत्व बढ़ाती है और डिजाइन प्रक्रिया को दृश्यता प्रदान करती हैं।

देश के कई इलाकों में चलेगी लू, 42 तक पहुंचेगा तापमान

नई दिल्ली। देश भर में तापमान धीरे-धीरे बढ़ रहा है। इसके कारण लोगों को परेशानी होने लगी है। धूप तेज और तेज होती जा रही है, जिसके कारण दोपहर में सड़कों पर कुछ दूरी तक चलना भी मुश्किल हो रहा है। ऐसे में आगामी दिनों में गर्मी का अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भीषण गर्मी का अनुमान जताया है। इसने आम लोगों को परेशान कर दिया है। दरअसल, मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में देश के अलग-अलग राज्यों के लिए अधिकतम तापमान में इजाफे का अनुमान जताया है। साथ ही दिल्ली सहित कुछ राज्यों में लू का प्रकोप भी देखने को मिल सकता है। विभाग ने अनुमान जताया है कि कुछ जगहों पर अगले कुछ दिनों में तापमान 42 डिग्री तक पहुंच सकता है। इसके अलावा अगले 5-6 दिनों के दौरान देश के विभिन्न इलाकों में तापमान बढ़ने का भी अनुमान है. मौसम विभाग ने बताया कि देश के विभिन्न इलाको में 2 से 4 डिग्री सेल्सियत तक अधिकतम तापमान में इजाफा हो सकता है.

इन राज्यों में तेज गर्मी व लू का अलर्ट - मौसम विभाग ने हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश को लेकर लू चलने का अनुमान जताया है. जल्दी गर्मी आने की शिकायत कर रहे लोगों के लिए लू की चेतावनी और ज्यादा परेशान करने वाली है.

ये है मौसम विभाग का अनुमान - उत्तर पश्चिमी भारत के इलाकों में अगले 5 से 6 दिनों के दौरान लू चल सकती है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com